जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

उदयपुर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

उदयपुर, गुरुवार 8 अगस्त, 2024

MARUTI SUZUKI

NEXA

शानदार टेक्नोलॉजी.
आकर्षक डिजाइन.

नए जमाने की बलेनो को चलाना बेहद रोमांचक है.
इसका ताकतवर इंजन और अत्याधुनिक फीचर्स
आपके ड्राइविंग अनुभव को नई ऊंचाइयों पर ले जाते हैं.
शानदार टेक्नोलॉजी आजमाने के लिए तैयार हो जाएं.

CREATE. INSPIRE.

THE NEW AGE
BALENO
TECH GOES BOLD

360 व्यू कैमरा

हेड अप डिस्प्ले

22.86cm स्मार्टप्ले प्रो+

6 एयरबैग^

इन-बिल्ट सुजुकी कनेक्ट

NEXA Safety Shield
Standard Across All Variants

- सुजुकी-टेक्ट बॉडी
- ड्युअल फ्रंट एयरबैग
- ESP
- सीट बेल्ट प्री-टेंशनर्स, फोर्स लिमिटर्स के साथ
- आइसोफिक्स चाइल्ड सीट एंकरेज
- पैदल यात्री सुरक्षा अनुपालन
- इनका अनुपालन किया जाता है -
  - फुल फ्रंटल इम्पैक्ट
  - फ्रंटल ऑफसेट इम्पैक्ट
  - साइड इम्पैक्ट

ऐसा हो सकता है कि दिखाए गए फीचर्स और एक्सेसरीज सामान्य फिटमेंट का हिस्सा नहीं हों. प्रकाश के प्रभाव के चलते वाहन पर दिखाई देने वाला कांच काले रंग का दिखाई दे रहा है. इस्तेमाल की गई छवियां केवल उदाहरण मात्र हैं.

₹53 100 तक के शानदार लाभ उठाने के लिए अपनी निकट की नेक्सा डीलरशिप पर जाएं.

नए जमाने की बलेनो के बारे में और जानकारी पाएं

व्हाट्सऐप पर चैट करने के लिए स्कैन करें

UDAIPUR: NEXA GOVERDHAN VILAS (TECHNOY MOTORS PH: 8306300695), **NEXA CENTRAL UDAIPUR** (NAVNEET MOTORS PH: 7665016580),
BANSWARA: NEXA BANSWARA CENTRAL (NAVNEET MOTORS PH: 9376240719), **RAJSAMAND: NEXA RAJNAGAR** (TECHNOY MOTORS PH: 9251988300).

Contact us at **1800-200-[6392], 1800-102-[NEXA]** and visit **www.nexaexperience.com** to book online.

*शर्तें लागू. खरीदे गए मॉडल और वेरिएंट पर निर्भर करते हुए ऑफर बदल सकते हैं. सभी ऑफर्स 31st August'24 तक या स्टॉक रहने तक लागू हैं. सभी ऑफर्स केवल नेक्सा डीलरों द्वारा उपलब्ध कराए जाते हैं. मारुति सुजुकी स्मार्ट फाइनेंस अब पूरे देश में उपलब्ध है. मारुति सुजुकी सबस्क्राइब केवल चुनिंदा शहरों में उपलब्ध है. मारुति सुजुकी पहले से सूचना दिए बिना किसी भी समय ऑफर वापस लेने का अधिकार रखती है. रचनात्मक प्रस्तुति. ^एयरबैग सहित सेफ्टी फीचर्स के कामकाज पर विस्तृत जानकारी के लिए, कृपया ओनर्स मैन्युअल पढ़ें.

विचार बिन्दु

त्याग यह नहीं कि मोटे और खुरदरे वस्त्र पहन लिए जायें और सूखी रोटी खायी जाये, त्याग तो यह है कि अपनी इच्छा अभिलाषा और तृष्णा को जीता जाये। –सुफियान सौरी

आम लोगों की जेब पर भारी पड़ती सुविधाओं के नाम पर बैंकों की वसूलियां

पिछले पांच सालों में एसबीआई को छोड शेष 11 सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने केवल और केवल मिनिमम बैलेंस के नाम पर 8 हजार 500 रु. करोड रु. की कमाई की है। इसका साफ साफ अर्थ है कि गरीब आदमी के खातों से साढे आठ हजार करोड रुपए तो इन बैंकों में न्यूनतम बैलेंस ना रख पाने के कारण गवाने पडे हैं। यह तो तब है जब देश के सबसे बडे बैंक ने 2019-20 में न्यूनतम बैलेंस की पैनेल्टी के रुप में 640 करोड जुर्माना के रुप में वसूलने के बाद न्यूनतम बैलेंस पर पेनेल्टी लगाने का आदेश वापिस ले लिया। 12 में से 11 बैंकों की साढे 8 हजार करोड की पांच साल में पेनेल्टी वसूली रही है तो कल्पना की जा सकती है कि निजी क्षेत्र के बैंकों ने इस तरह के जुर्माने से कितना खजाना भरा होगा। साढे 8 हजार करोड रु. की जुर्माना राशि का आंकडा किसी भी तरह से कपोल कल्पित या अतिशयोक्ति पूर्ण नहीं हैं क्योंकि यह जानकारी अधिकृत रुप से संसद में केन्द्रीय वित राज्य मंत्री पंकज चौधरी द्वारा दी गई है। एक मोटे अनुमान के अनुसार देश में बैंकों में मार्च, 23 में 294 करोड से अधिक खाते हैं। अब यह स्पष्टीकरण देने का कोई मतलब नहीं कि यह पैसा गरीब खातेदारों के अकाउंट्स से ही गया हैं क्योंकि पैसे वाले खाताधारकों के खातों में तो न्यूनतम बैलेंस रहता ही है।

देश में बैंकिंग नेटवर्क का इसी से अंदाज लगाया जा सकता है कि 12 सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक, 22 निजी क्षेत्र के बैंक, 44 विदेशी बैंक, 56 क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, 1485 अरबन कोआपरेटिव बैंक और हजारों की संख्या में ग्रामीण सहकारी बैंकिंग संस्थाएं हैं। यह तो सभी संस्थागत बैंकिंग संस्थाएं है। इसमें कोई दो राय नहीं कि बैंकिंग सेवाओं का विस्तार हुआ है। 24 गुणा 7 सेवाएं मिलने लगी है। जन धन खातों की परिकल्पना से गरीब से गरीब आदमी का बैंकों से जुड़ाव हुआ है। और अब डिजीटल लेन-देन की सुविधा ने तो सब कुछ ही बदल कर रख दिया है। आज पांच रुपए का धनिया तक पेटीएम या इसी तरह के किसी प्लेटफार्म से आसानी से भुगतान कर खरीदा जा सकता है। दिन प्रतिदिन डिजीटल पेमेंट का चलन आम होता जा रहा है। चंद मिनटों में कहीं से भी किसी को भी मोबाईल या ऑनलाईन बैंकिंग सुविधा से चंद सैकंड में भुगतान पहुंचने लगा है। यह सब बैंकिंग सेवाओं में सुधार और विस्तार का उदाहरण है तो दूसरी और नकदी लेन-देन का स्थान डिजीटल पेमेंट ने ले लिया है।

बैंकों द्वारा सुविधाओं के नाम पर वसूली राशि बहुत अधिक होने के साथ ही आम खाताधारक के लिए भारी पड़ने लगी है। डुप्लीकेट पासबुक से लेकर चैक बाउंस होने पर रिटर्न चार्ज, सिग्नेचर वैरीफाई चार्ज, नोमिनी का नाम बदलवाने, इंट्रेस्ट सर्टिफिकेट लेने, ईकेवाईसी और इसी तरह की सेवाओं के लिए चार्ज लिए जाते हैं।

बैंकिंग सुविधाओं का विस्तार निश्चित रुप से शुभ संकेत माना जाना चाहिए। यह भी साफ है कि लोगों में निश्चित रुप से अवेयरनेस आई है। यह दूसरी बात है कि साइबर ठगी के मामलें भी बहुत अधिक होने लगे हैं। पर सबसे अधिक चिंतनीय बैंकों द्वारा अपनी आय बढाने के लिए सुविधाओं के नाम पर चार्जेज लगालगाकर अपनी आय बढाना है। आम आदमी को किसी तरह की गलत फहमी में नहीं रहना चाहिए कि बैंक उन्हें यह सेवाएं फ्री में दे रहे हैं। आज हालात यह है कि एटीएम पोस मशीन से बडा बडा कारोबारी भुगतान लेने को तैयार नहीं होता। उसका साफ कहना होता है कि इसमें हमारे चार्जेज लग जाते हैं इसलिए डिजीटल प्लेटफार्म से ही भुगतान प्राप्त करना उचित समझते हैं। खैर चिंतनीय बात यह है कि बैंकों द्वारा सुविधाओं के नाम पर वसूली राशि बहुत अधिक होने के साथ ही आम खाताधारक के लिए भारी पडने लगी है। आज हो यह रहा है कि बैंक की छोटी से छोटी सेवा के लिए भी भुगतान करना पडता है। भुगतान के आसान तरीके आरटीजीएस और एनईएफटी की सेवाएं चार्जेवल है। हांलाकि दो लाख तक के आरटीजीएस पर कोई चार्ज नहीं लिया जाता पर राशि बढने के साथ ही चार्ज बढता जाता है। डुप्लीकेट पासबुक से लेकर चैक बाउंस होने पर रिटर्न चार्ज, सिग्नेचर वैरीफाई चार्ज, नोमिनी का नाम बदलवाने, इंट्रेस्ट सर्टिफिकेट लेने, ईकेवाईसी और इसी तरह की सेवाओं के लिए चार्ज लिए जाते हैं। एटीएम का उपयोग हांलाकि अब कम होता जा रहा है पर दूसरे बैंक के एटीएम के उपयोग और इसी तरह की अन्य सेवाओं के लिए चार्जेज आम होता जा रहा है। देखा जाए तो हमें पता ही नहीं चल पाता कि बैंकों द्वार कब कितना पैसा काट लिया जाता है। लेनदेन की सूचना के एसएमएस से लेकर अन्य सेवाएं करीब करीब सशुल्क होने के कारण हमें कुछ ना कुछ चुकाना ही पडता है। चिंतनीय यह है कि इस सबके बावजूद बैंकों में ग्राहकों के प्रति जो संवेदनशीलता और आपसी संबंध होने चाहिए वह कहीं खोते जा रहे हैं।

इसमें कोई दो राय नहीं कि बैंक सेवा प्रदाता संस्था हैं और सहज सुविधाएं उपलब्ध कराने और निरंतर सेवाओं में सुधार के लिए बैंकों द्वारा प्रयास किये जाते रहे हैं। पर इसके साथ ही बैंकों को न्यूनतम बैलेंस या अन्य तरह के अनावश्यक चार्जेज लगाने से पहले आम खाताधारकों के हितों को भी देखना चाहिए। बैंक केवल और केवल पैसा कमाने का स्थान नहीं हैं अपितु बैंकों की भी आमजन के प्रति जिम्मेदारी बनती हैं। सभी कुछ केवल और केवल खाताधारक से ही देय है तो फिर बैंकों और पुराने जमाने के साहूकारों या आज के गली-गली में फैले सूदखोरों या फिर बॉक्सरों से वसूली करने वाली संस्थाओं से अलग होना ही पडेगा। कहीं ना कहीं सरकार और बैंकिंग संस्थाओं को जनसरोकारों से भी जुडना होगा ताकि जिस तरह से पिछले कुछ सालों में बैंकों में आम आदमी की सहज पहुंच हुई हैं और आम आदमी का मोबाईल अब बैंक बन गया है यह सराहनीय है। आवश्यकता चार्जेज के पुनरावलोकन की है। इस और ध्यान देना ही होगा।

-अतिथि सम्पादक,
डॉ.राजेन्द्र प्रसाद शर्मा
(वरिष्ठ लेखक)

मिशन हरियालो राजस्थान : ढोल की थाप पर एक साथ 2100 पौधे लगाए

पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में कार्य करने वालों को किया सम्मानित

राजसमंद, ०(निसं)। हरियालो राजस्थान- एक पेड मां के नाम अभियान का जिला स्तरीय कार्यक्रम बुधवार को पुलिस लाइन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ कुंभलगढ विधायक सुरेंद्रसिंह राठौड, राजसमंद विधायक दीप्ति माहेश्वरी, जिला प्रभारी सचिव विकास सीताराम भाले, जिला कलक्टर डॉ भंवरलाल, एडीएम नरेश बुनकर, एएसपी महेन्द्र पारिक, जिला परिषद सीईओ हनुमानसिंह राठौड, एसडीएम अर्चना बुगालिया, उप वन संरक्षक सुदर्शन शर्मा, जिला परिवहन अधिकारी डॉ कल्पना शर्मा, नगर परिषद आयुक्त बृजेश राय, सभापति अशोक टांक, जिला प्रमुख रतनीदेवी चौधरी, भाजपा जिलाध्यक्ष मानसिंह बारहठ, एक्सईएन तरुण बाहेती, नगर परिषद नेता प्रतिपक्ष हिम्मत कुमावत, नर्बदा शंकर पालीवाल, सुभाष पालीवाल, पूर्व सभापति सुरेश पालीवाल, पार्षद आशीष पालीवाल, मोहन कुमावत, दीपक शर्मा सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारी व जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में हुआ। अभियान के तहत ढोल की थाप पर एक साथ 21०० पौधे रोपे गए। इससे पूर्व जनसभा में अतिथियों ने आमजन को संबोधित किया। इस दौरान बडी संख्या में वन विभाग के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे जिन्होंने पौधारोपण को लेकर आवश्यक सुविधाएं प्रदान की।

कुंभलगढ विधायक सुरेंद्रसिंह राठौड ने पर्यावरण संरक्षण को लेकर जिले में किए जा रहे कार्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने पर्यावरण प्रेमी चेनाराम भील की कहानी सभी को सुना कर उन्हे प्रेरणा स्त्रोत बताते हुए कहा कि इस व्यक्ति ने अपना पूरा जीवन पर्यावरण को समर्पित कर दिया और 5000 पौधे लगाए। चेनाराम भील ने यह कार्य बिना किसी के सहयोग से किया। वह पौधे लगाता और प्रतिदिन उन्हें सिंचित कर रखरखाव करता। उन्होंने कहा कि चेनाराम भील से प्रेरणा लेकर आज हम सभी इस तरह पर्यावरण संरक्षण का बीडा उठाया सकते हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री की पहल एक पेड माँ के नाम अभियान की सराहना की। उन्होंने कहा कि जिस तरह अब तापमान रिकॉर्ड तोड रहा है उस हिसाब से वृक्षारोपण जरूरी हो गया है। उन्होंने कहा कि अब अगर हर व्यक्ति ने पर्यावरण को संरक्षित करने का संकल्प नहीं लिया तो आने वाला समय संकटपूर्ण हो सकता है। ऐसे में सभी वृक्षारोपण अवश्य करें।

राजसमंद विधायक दीप्ति माहेश्वरी ने कहा कि हर व्यक्ति को

- **पुलिस लाइन में आयोजित हुआ हरियालो राजस्थान अभियान एक पेड माँ के नाम का जिला स्तरीय कार्यक्रम**

अपने घर में एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए। एक पेड मां के नाम प्रधानमंत्री की अनूठी पहल है। हमें आने वाली पीढी को संरक्षित करना है तो पौधारोपण करना ही होगा। पर्यावरण संरक्षण के लिए हम सभी को संकल्प लेना है।

उन्होंने प्रत्येक व्यक्ति से अधिक से अधिक पौधे लगाने की अपील की। उन्होंने कहा कि आमजन में वृक्षारोपण के प्रति जागरूकता बढाने तथा आम जनता को अधिक से अधिक पौधे लगाने के लिए प्रेरित करने की मंशा से मुख्यमंत्री वृक्षारोपण महाअभियान के तहत सरकार राजस्थान को हरियाली युक्त करने के लिए प्रतिबद्ध है। विधायक माहेश्वरी ने कहा कि पहाडियों, चारागाह भूमि, सडक किनारे, विद्यालयों, अमृत सरोवर, जल स्त्रोतों के किनारे पौधारोपण कर प्रदेश को हरा-भरा किया जाएगा। हरियाली तीज का त्यौहार राजस्थानी महिलाओं में विशेष महत्व रखता है। महिलाओं को लहरिया परिधान पहनकर पौधारोपण कार्यक्रम में सहभागी बनने पर मातृ शक्ति की सराहना की। साथ ही आमजन से इस अभियान के तहत लगाए जाने वाले पौधों की जानकारी हरियालो राजस्थान ऐप और भारत सरकार के मेरी लाईफ ऐप पर अपलोड करने की अपील की।

हरियाली है धरती मां का श्रृंगार

प्रभारी सचिव वरिष्ठ आईएएस विकास सीताराम भाले ने कहा कि यह हरियाली ही है जो धरती मां का श्रृंगार है। प्रधानमंत्री ने एक पेड मां के नाम का नारा दिया है जो आज के समय सारगर्भित है। जिस तरह तापमान बढता जा रहा है उस हिसाब से अब पौधारोपण जरूरी हो चुका है। केरल में हम देख चुके हैं कि पेडों की कटाई से क्या नुकसान हुआ है। हम निरंतर प्रकृति का दोहन करते हैं, ऐसे में वापस प्रकृति को देना भी जरूरी है। उन्होंने सभी से अपील कर कहा कि पौधारोपण अवश्य करें और पौधे का पूरा ध्यान भी रखें। सभापति अशोक टांक ने भी अधिकाधिक पौधारोपण की अपील की। भाजपा जिलाध्यक्ष मानसिंह बारहठ ने कहा कि एक पेड मां के नाम अभियान से हर व्यक्ति को पर्यावरण संरक्षण की प्रेरणा मिली है।

जिला स्तरीय कार्यक्रम में पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने पर सोहनलाल गुर्जर, लक्ष्मीनारायण आमेटा, विपिन पालीवाल, अक्षय कुमार खटीक, ललितसिंह चौहान, विजय वैष्णव, दीपिका, रेखा कुमावत, प्रकाशचंद्र प्रजापत, ममता सेन आदि को अतिथियों ने प्रशंस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। इस दौरान बडी संख्या में स्वयं सहायता समूह की महिलाएं, नरेगा श्रमिक, विद्यालयों के छात्र-छात्राएं, स्काउट की टीम, जनप्रतिनिधि और कर्मचारी आदि उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज, वन, राजीविका, जलग्रहण विकास एवं भू-संरक्षण, शिक्षा, कृषि एवं उद्यानिकी, महिला एवं बाल विकास, राजस्व, सार्वजनिक निर्माण, उद्योग, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी, जल संसाधन, चिकित्सा, खनिज, नगरीय विकास, स्वायत शासन इत्यादि विभागों के अधिकारीएवं कर्मचारी मौजूद रहे। कार्यक्रम में डीसीएफ सुदर्शन शर्मा ने स्वागत भाषण दिया। आभार सीडीईओ रविंद्र तोमर ने ज्ञापित किया। संचालन दिनेश श्रीमाली ने किया।

सांवलियाजी सेठ के भंडार से 13 करोड़ 38 लाख रुपये की राशि मिली

मंडफिया, (निसं)। भगवान श्री सांवलियाजी सेठ मंडफिया के दरबार में गत तीन अगस्त को खोले गए भगवान के विशाल भंडार की गिनती तीसरे चरण में बुधवार को मंदिर बोर्ड अध्यक्ष भैरुलाल गुर्जर की उपस्थिति में हुई। मंदिर के प्रशासनिक अधिकारी नंदकिशोर टेलर ने बताया कि तीसरे चरण में हुई भंडार गिनती में 3 करोड़ 7 लाख रुपए नगद प्राप्त हुए। इससे पूर्व दो चरणों में हुई भंडार गिनती में से 10 करोड़ 31 लाख 45 हजार रुपए नगद प्राप्त हुए थे।

तीनों चरणों की राशि मिलाकर 13 करोड़ 38 लाख 45 हजार रुपए नगद प्राप्त हुए हैं। प्रशासनिक अधिकारी नंदकिशोर टेलर ने बताया कि भंडार की शेष रही राशि की गणना करना अभी बाकी है। इसके अलावा भंडार से निकले सोने-चांदी का तोल एवं मंदिर कार्यालय में जमा सोने-चांदी का तोल होना भी बाकी है। भंडार गिनती में मंदिर बोर्ड सदस्य संजय कुमार मंडोवरा, भैरूलाल सोनी, अशोक शर्मा, मंदिर के प्रशासनिक अधिकारी नंदकिशोर टेलर, मंदिर प्रभारी राजेंद्र कुमार शर्मा, कांग्रेस युवा नेता सुरेशचंद्र गुर्जर, संपदा प्रभारी भैरुगिरी गोस्वामी, संस्थापन प्रभारी लेहरी लाल गाडरी, सुरक्षा प्रभारी गुलाब सिंह राजपूत, दीपक तिवारी, जितेन्द्र त्रिपाठी, नारायण लाल गाडरी सहित मंदिर व बैंक कर्मचारी उपस्थित थे।

- **भंडार की शेष राशि व सोने-चांदी का तोल एवं मंदिर कार्यालय में जमा सोने-चांदी का तोल बाकी है**

भगवान श्री सांवलियाजी सेठ मंडफिया के दरबार में भंडार की गिनती मंदिर बोर्ड अध्यक्ष भैरुलाल गुर्जर की उपस्थिति में हुई।

एमबी अस्पताल एवं टीएडी बालिका छात्रावास का किया निरीक्षण

उदयपुर, (कासं)। पब्लिक सर्विसेज निदेशक व जन अभियोग निराकरण विभाग के विशिष्ट शासन सचिव व जिला प्रभारी सचिव हरिमोहन मीणा ने बुधवार को उदयपुर दौरे के तहत महाराणा भूपाल चिकित्सालय का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने ओपीडी एवं सुपर स्पेशलिटी परिसर में पहुंच वार्ड में मरीजों से कुशलक्षेम पूछते हुए व्यवस्थाओं का जायजा लिया एवं अस्पताल की कार्यप्रणाली के बारे में आरएनटी प्राचार्य डॉ. विपिन माथुर व अस्पताल अधीक्षक डॉ. आर.एल.सुमन से जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने विभिन्न विभागों का अवलोकन करते हुए बजट घोषणाओं की प्रगति की भी समीक्षा की तथा आवश्यक निर्देश प्रदान किये।

इसके पश्चात प्रभारी सचिव मीणा मधुबन स्थित टीएडी विभाग अंतर्गत संचालित बालिका छात्रावास पहुंचे जहां उन्होंने व्यवस्थाओं को देखते हुए छात्रावास स्टाफ को आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किये। इस दौरान उन्होंने आवास कक्षों, डाइनिंग हॉल, स्टोर रूम आदि का अवलोकन किया तथा बालिकाओं की कोचिंग की व्यवस्थाओं की भी हॉस्टल अध्यापिकाओं से जानकारी ली। मीणा ने हॉस्टल में बालिकाओं से संवाद भी किया तथा करियर को लेकर चर्चा की एवं मार्गदर्शन प्रदान किया। इस अवसर पर एसी ओ जिला परिषद अंजुम ताहिर समा, आरएनटी प्राचार्य डॉ. विपिन माथुर, एमबी अधीक्षक डॉ.आर.एल.सुमन सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

मासूम को कुत्ते ने नोचा

डूंगरपुर, (निसं)। धंबोला थाना क्षेत्र के जोरावरपुरा गांव में एक 3 साल के मासूम को कुत्ते ने नोच खाया। कुत्ते ने बच्चे के एक तरफ के गाल ओर जबड़े को नोच दिया। बच्चे को लहूलुहान ओर गंभीर हालत में डूंगरपुर अस्पताल लेकर आए। डॉक्टर ने जांच के बाद उसे भर्ती कर लिया।

जोरावरपुरा निवासी कांता डाबी ने बताया कि बुधवार सुबह के समय उसका तीन साल का बेटा घर के आंगन में खेल रहा था। वह घर के अंदर काम कर रही थी। उसी समय एक कुत्ता उसके बच्चे को काटने लगा। कुत्ते ने बच्चे के गाल और जबड़े को मुंह में

- **कुत्ते ने बच्चे के गाल और जबड़े को मुंह में दबोच लिया**

दबोच लिया। बच्चे के चिल्लाने पर वह दौड़कर आई। डंडे से कुत्ते को भगाया, लेकिन कुत्ते ने बच्चे के गाल और जबड़े को नोच लिया था। बच्चे को गंभीर हालत में पहले सीमलवाडा अस्पताल लेकर गए। जहां डॉक्टर ने जांच के बाद उसे रेफर कर दिया। डूंगरपुर अस्पताल में सर्जन डॉ. महेश पुकार ने बच्चे को देखा और उसे तुरंत भर्ती कर इलाज शुरू कर दिया।

राशिफल गुरूवार 8 अगस्त, 2024

पंडित अनिल शर्मा

सावन मास, शुक्ल पक्ष, चतुरथी तिथि, गुरूवार, विक्रम संवत 2081, उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्र रात्रि 11:34 तक, शिवयोग दिन 12:29 तक, वणिज करण दिन 11:21 तक, चन्द्रमा आज कन्या राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-कर्क, चन्द्रमा-कन्या, मंगल-वृष, बुध-सिंह, गुरू-वृष, शुक्र-सिंह, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

रवियोग रात्रि 2:44 तक है। आज वरद विनायक चतुर्थी, दुर्वा गणपति व्रत है और श्रवण तपस्या आरम्भ होगी।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ सूर्योदय से 7:37 तक, चर 10:54 से 12:32 तक, लाभ-अमृत 12:32 से 3:49 तक, शुभ 5:28 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 1:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 5:59, सूर्यास्त 7:05

मेष

परिवार में चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। व्यावसायिक कार्यों एवं आय में वृद्धि होगी।

सिंह

आर्थिक/वित्तिय मामलों में संतुलन बना रहेगा। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक कार्यों सफलता से मनोबल-आत्मविश्वास ऊंचा रहेगा।

धनु

व्यावसायिक कार्यों में आ रही परेशानियां दूर होने लगेंगी। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा।

वृष

व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी बनी रहेगी। व्यावसायिक कार्य सुगमता से बनने लगेंगे। नौकरीपेशा व्यक्तियों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है।

कन्या

व्यक्तिगत पारिवारिक कार्य के लिए बाहर जाना पड़ सकता है। परिवार में धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। शुभ कार्य के लिए यात्रा संभव है।

मकर

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है।

मिथुन

घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्य के लिए यात्रा संभव है।

तुला

व्यावसायिक कार्यों के लिए भागदौड़ रहेगी। व्यावसायिक खर्चों पर नियंत्रण रखना ठीक रहेगा। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

कुंभ

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। आज बनते कार्य बिगड़ने का भय है। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

कर्क

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा।

वृश्चिक

आर्थिक/वित्तिय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित धन प्राप्त होगा। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

मीन

परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

38 मिनट में एक ही गाड़ी का एक ही दिन में तीन बार काटे अलग-अलग चालान

राजसमंद, ०(निसं)। जिला परिवहन विभाग के तत्कालिन आरटीओ इंस्पेक्टर एवं वर्तमान सब इंस्पेक्टर के खिलाफ लोक सेवक होकर किसी व्यक्ति विशेष को नुकसान पहुंचाने, जाली दस्तावेज बनाने एवं नियमों के विपरित जाकर बस चालान बनाने के मामले में राजनगर पुलिस थाने में एक मामला दर्ज हुआ है। मामले में वास्तविकता क्या है उसको लेकर राजनगर पुलिस आगे अनुसंधान कर रहीं है। अधिवक्ता हर्ष टांक ने बताया कि प्रार्थी ट्रांसपोर्ट व्यवसाई की एक बस जो कांकरोली से चित्तौडगढ मार्ग पर नियमित तय समयनुसार चलती है। दिनांक 3 फरवरी 2०22 को राजसमंद जिला परिवहन कार्यालय के तत्कालिन आरटीओ इंस्पेक्टर गजेन्द्र ओझा एवं वर्तमान पदस्थापित सब इंस्पेक्टर अनिता पंवार ने नियमों के विरूद्ध जाकर ट्रांसपोर्ट व्यवसाई से व्यक्तिगत द्वेषता के चलते एक ही दिन में एक ही बस आरजे 3० पीए 3389 का महज 38 मीनट में तीन अलग-अलग चालाना बनाए गए। बडी हैरानी की बात है कि अधिकारियों ने चालान के दौरान काटे गए तीनों ही चालान में एक ही लॉकेशन बताते हुए अलग-अलग राशि का जुर्माना लगाया गया। पिडित ट्रांसपोर्ट व्यवसाई को इन चालान की जानकारी तब हुई जब अपी बस के दस्तावेज नवीनीकरण कराने 4 जून 2०24 को परिवहन कार्यालय गए तो बस का ऑनलाईन काटे गए चालान की राशि बकाया होना सामने आया। उसके बाद उसी समय काटे गए चालान की बकाया राशि जमाकर बस के दस्तावेज रिन्युअल कराए। वहीं विभाग द्वारा ऑनलाईन काटे गए चालान की प्रति मिली तो उसके होश उड गए। जिनमें एक ही बस के एक ही दिन, एक ही स्थान पर महज 38 मिनट के अंतराल में दो अधिकारियों ने तीन अलग-अलग चालान काट दिए, जो अपने आप में आश्चर्जनक है। उसके बाद बस मालिक ने कानूनी प्रक्रिया अपनाते हुए आरटीओ इंस्पेक्टर व सब इंस्पेक्टर के खिलाफ राजनगर पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई तथा मामले की निष्पक्ष जाकर कार्यवाही करने की गुहार लगाई।

चालान के काटने के दौरान तत्कालिन आरटीओ इंस्पेक्टर गजेन्द्र ओझा ने तो नियमों की पालना करने की हदे ही पार कर दी थी। ओझा ने 3 फरवरी 2०22 दोपहर 12:22 बजे पहला चालान बनाया जिसमें क्षमता से अधिक सवारी का परिवहन, बिना लाईसेंस के वाहन चलाना, फिटनेस, बीमा, पीयूसी एवं बिना टैक्स के बस रोड चलाने पर 19 हजार सौ रूपये का जुर्माना लगाते हुए चालान बनाया। उसके ठीक तीन मिनिट बाद 12:25 बजे उसी बस का फिर से चालान बनाया गया जिसमें भी क्षमता से अधिक सवारी बिठाने पर 5 हजार रूपये का चालान काटा गया। जो अपने-आप में हास्यप्रद व संदेहस्पद है। ओझा की ओर से चालान बनाने में जीतनी जल्द बाजी की गई उतनी ही खामियां भी रख दी गई थी। दोनों चालान बनाने के बिच तीन मिनिट का अंतराल रखा गया। उसके बाद दोपहर एक बजे आरटीओ सब इंस्पेक्टर अनिता पंवार ने भी इसी बस का चालान बनाया जिसमें बस का फिटनेस, बीमा, पीयूसी खत्म होने हवाला देते नो हजार रूपये का चालान बना दिया।

अधिवक्ता हर्ष टांक ने बताया कि आरटीओ इंस्पेक्टर ओझा द्वारा राजसमंद से चित्तोड जाने वाली बस का पहला चालान दोपहर 12:22 मिनट पर रेलमगरा में चालान बनाया गया, जो यहां तक तो उचित लगता है। लेकिन उसके तीन मिनट बाद ही 12:25 बजे ओझा द्वारा रेलमगरा में ही इस बस का पुन: चालान बनाया जाना कहां तक उचित है। जबकि तय रूट के अनुसार ये बस 12:1० बजे गिलुण्ड से रवाना होने का समय है, ऐसे में चालान बनाते समय बस का रेलमगरा में होने का सवाल ही नहीं उठता है। इससे मझे की बात तो यह हुई कि आरटीओ सब इंस्पेक्टर अनिता पंवार द्वारा भी दोपहर एक बजे उन्हीं नियम व कमियों को लेकर रेलमगरा स्थान दर्षाते हुए चालान बनाया गया जिन कमियों का चालान इनसे पूर्व ओझा ने बना दिया था। वहीं विभागीय नियमों के अनुसार उक्त बस की जारी समय सारणी के अनुसार दोपहर 12:4० बजे उक्त बस चित्तौड जिले के कपासन कस्बे में पहुंचने का समय निर्धारित है। इस तरह दोपहर एक बजे बस का चित्तोड जिले में होने के कारण ऑनलाईन चालान बनाना आरटीओ सब इंस्पेक्टर अनिता पंवार के अधिकार क्षेत्र में ही नहीं है। उसके बावजूद भी पंवार ने इसी बस का चालान बनाया।

गजेन्द्र ओझा, तत्कालिन आरटीओ इंस्पेक्टर ने बताया कि पहले ऑफ लाईन चालान बना करते थे, उसके बाद उनको ऑनलाईन चढाया जाता था। कम्प्यूटर पर ऑपरेटर ने ऑनलाईन करते समय गलती से उसी चालान को दो बार तो उसी एक चालान को अन्य एक सब इंस्पेक्टर की आईडी से फिर चढा दिया गया था। बस मालिक चालान जमा कराने से पहले अगर विभागीय अधिकारियों से मिलकर तीन चालान की जानकारी देते तो तुरंत ही मामले का निस्तारण हो सकता था।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

उदयपुर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

फोनः- 2418945 फैक्सः- 0294-2410146 वर्षः 31 संख्याः 276 प्रभात उदयपुर, गुरुवार 8 अगस्त, 2024 आर.जे. 7202 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

'कोशिश मैडल जीतने की थी, या इस बात की कि कैसे फोगाट मैडल न जीत पाये?'

कांग्रेस ने सरकार पर खुला आरोप लगाया, विनेश फोगाट के ओलम्पिक में ''डिस्क्वालिफिकेशन'' के लिये

- जैसा कि विदित ही है, फोगाट के सेमी फाइनल में कुश्ती का मैच जीतने के बाद, रजत/स्वर्ण मैडल जीतने की पूर्ण आशा थी, पर, 100 ग्राम ओवर वेट पाये जाने के कारण, फोगाट ''डिस्क्वालिफाई'' कर दी गयी।
- कांग्रेस सवाल उठा रही है कि सरकारी अधिकारी, जो पेरिस ओलम्पिक में इन्तज़ामात के लिये गए थे, क्या छुट्टी मनाने ''वैकेशन'' पर गये थे तथा इन अफसरों ने क्या कुछ भी भूमिका निभाई फोगाट का मसला ऑर्गनाइज़र्स के सामने उठाने में।
- इंडियन ओलम्पिक ''एसोसिएशन की अध्यक्ष पी.टी. ऊषा ने क्या रोल अदा किया, फोगाट को न्याय दिलाने में।
- पंजाब के मुख्यमंत्री मान, हरियाणा में फोगाट के घर गये, ''डिस्क्वालिफाइड'' फोगाट के परिवार से मिलने।
- इस वर्ष हरियाणा विधासनभा के चुनाव होने हैं और ऐसा लग रहा है, फोगाट प्रकरण चुनाव में काफी निर्णायक भूमिका अदा करेगा।

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 अगस्त। आज सुबह 140 करोड़ भारतीयों का दिल टूट गया, जब उन्होंने यह खबर पढ़ी कि पैरिस गोल्ड /सिल्वर मैडल पाने की भारत की आशा धूल में मिल गई है।

विनेश फोगाट उस मुकाम पर पहुँची, जहाँ भारत की कोई महिला पहलवान पहले नहीं पहुँची थी। 2024 ओलंपिक्स में, सात घंटों के अंदर वो प्री क्वार्टर से क्वार्टर फाइनल और फिर विश्व चैंपियन को हराकर सेमी फाइनल में और उसके बाद फाइनल तक पहुँची।

उसे 100 ग्राम वजन अधिक होने के कारण डिस्क्वालिफाई कर दिया गया। इस खबर पर हर तरफ अविश्वास और अचरज का माहौल है। हजारों तरह के प्रश्न उठ रहे हैं। कांग्रेस ने मोदी सरकार को लक्ष्य बनाते हुए षड्यंत्र की थ्योरी दी है।

खेल मंत्री के जवाब से असंतुष्ट इण्डिया अलायंस और कांग्रेस नेताओं ने लोकसभा और राज्यसभा में वॉक आउट कर दिया, क्योंकि मंत्री सिर्फ आंकड़े गिना रहे थे तथा बता रहे थे कि फोगाट की ट्रेनिंग पर कितना पैसा खर्च हुआ है।

कांग्रेस ने आरोप लगाया कि रोचक बात यह है कि जब फोगाट फाइनल में पहुँची तो, न तो नरेन्द्र मोदी और न उनकी टीम ने फोगाट के समर्थन में कोई ट्वीट किया, जबकि, उसे सिल्वर या गोल्ड मैडल मिलना सुनिश्चित हो गया था, पर जब वो डिस्क्वालिवाई हो गई तब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक बार ट्वीट किया।

कांग्रेस ने भारतीय खिलाड़ियों के दल के साथ बड़ी संख्या में पैरिस गए अधिकारियों पर भी उंगली उठाई और कहा कि क्या ये लोग छुट्टी मनाने पैरिस गए थे? फोगाट का केस उठाने में उनकी क्या भूमिका रही?

कांग्रेस ने यह भी पूछा कि पी.टी. उषा की अध्यक्षता वाली ओलंपिक एसोसिएशन ने फोगाट को न्याय दिलाने के लिए क्या किया?

कांग्रेस लगातार ये प्रश्न पूछ रही है और मोदी सरकार के विरुद्ध गंभीर आरोप लगाते हुए लोगों को याद दिला रही है कि सरकार ने उन पहलवानों का कैरियर खत्म करने की धमकी दी थी, जिन्होंने 2023 में फोगाट के नेतृत्व में रैसलिंग फैडरेशन चीफ और भाजपा सांसद बृजभूषण शरण के खिलाफ यौन उत्पीड़न तथा महिला पहलवानों को शारीरिक व मानसिक कष्ट देने के आरोप लगाते हुए उन्हें पद से हटाने की मांग की थी।

धरनों और प्रदर्शनों के अलावा दिल्ली पुलिस ने महिला पहलवानों को दिल्ली की सड़कों पर घसीट कर उन्हें शारीरिक यातना भी दी थी।

कांग्रेस ने कहा, प्रधानमंत्री ने सांसद बृजभूषण के विरुद्ध कार्यवाही नहीं की। इसके बावजूद फोगाट ने, एक तरह से निराशा के गर्त से निकलकर, शानदार

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पांडुपोल मंदिर के लिए इलैक्ट्रिक शटल बसें चलाएगी सरकार

जयपुर, 7 अगस्त (का.सं.)। राज्य सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को आश्वस्त किया है कि वह साल 2025 तक सरिस्का टाइगर रिजर्व स्थित पांडुपोल हनुमान मंदिर में यात्रियों की आवाजाही के लिए निजी वाहनों की जगह इलेक्ट्रिक शटल बसें चलाएगी, जिससे टाइगर आवास और मंदिर जाने वाले दर्शनार्थियों की भावनाओं के बीच संतुलन बना रहे। इसके अलावा राज्य सरकार बफर ज़ोन में चल रहे होटलों व रिसॉर्ट्स का भी परीक्षण करेगी और अवैध पाए जाने पर उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। यह आश्वासन राज्य सरकार के अतिरिक्त महाधिवक्ता शिवमंगल शर्मा ने बुधवार को वन व वन्य जीवों के संरक्षण से जुड़े मामले की सुनवाई के दौरान दिया।

- राज्य सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में आश्वासन दिया कि वर्ष 2025 तक सरिस्का टाइगर रिज़र्व के पांडुपोल हनुमान मंदिर तक यात्रियों की आवाजाही के लिए निजी वाहनों पर रोक लगा दी जाएगी और इलैक्ट्रिक शटल बसें चलाई जाएंगी।

भारत के लिए अजनबी नहीं हैं बांग्लादेश के भावी अंतरिम चीफ

यूनुस का अक्सर भारत आना-जाना लगा रहता है, माइक्रो फायनैंसिंग पर व्याख्यान देने उन्हें बुलाया जाता है

- मोहम्मद यूसुस जानते हैं कि बांग्लादेश को अस्थिरता से निकालने और स्थायित्व की ओर ले जाने में भारत का सहयोग कितना महत्वपूर्ण है।
- बांग्लादेश ग्रामीण बैंक के संस्थापक यूनुस ने बांग्लादेश में गरीबों को काम काज के लिये छोटे-छोटे ऋण देना शुरु किया था। इसके लिए उन्हें नोबेल पुरस्कार भी दिया गया था।
- पर, बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना से उनकी नहीं बनी और उन पर केस ठोका गया तथा जेल की सजा भी सुनाई गई।
- समझा जाता है कि सेना प्रमुख, बांग्लादेश के राष्ट्रपति और छात्र नेताओं की संयुक्त बैठक में छात्र नेताओं की ओर से यूनुस को अंतरिम सरकार का प्रमुख बनाने का प्रस्ताव रखा गया था।

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 अगस्त। बाँग्लादेश में हुये तख्तापलट के बाद, मुहम्मद यूनुस, जो कभी ''गरीबों के बैंकर'' के रूप में विख्यात थे, को अन्तरिम सरकार का प्रमुख बनाये जाने की पूरी तैयारी है। यह अन्तरिम सरकार देश की संसद के नये चुनाव होने तक सत्तासीन रहेगी।

मुहम्मद यूनुस 'बॉग्लादेश ग्रामीण बैंक' के संस्थापक थे, जिसने गरीबों एवं समाज के कमजोर वर्गों को, छोटे-मोटे कामधन्धे चलाने के लिये धनराशि उपलब्ध कराने नये-नये तरीके शुरू किये थे। छोटे व्यवसायों की फन्डिग के उनके बिल्कुल नये तरीकों को मान्यता देते हुये, यूनुस को नोबल शान्ति पुरस्कार से विभूषित किया गया था।

लेकिन मुहम्मद यूनुस की पूर्व प्रधानमन्त्री शेख हसीना से अनबन हो गई थी, और अब भी विद्यमान है। पूर्व सरकार ने यूनुस के खिलाफ एक मुकदमा दायर कर दिया था, जिसमें उन्हें जेल की सजा हुई थी।

यूनुस भारत के लिये कोई अजनबी व्यक्ति नहीं हैं तथा पूर्व भारतीय सत्ताधीशों से उनकी बातचीत होती रही थी। वे प्राय: भारत आते थे तथा भारत में आयोजित मीटिंगों और कॉन्फ्रेंसों में 'माइक्रो-फायनैंसिंग' पर व्याख्यान देते थे। व्यवहारिक व्यवसायी होने के नाते यूनुस काफी प्रगतिवादी हैं तथा बांग्लादेश को वर्तमान अस्थिरता के दौर से निकालकर स्थिरता की ओर लाने में भारत व भारत के सहयोग को समझ सकते हैं।

पेरिस से ढाका के लिए उड़ान भरने से पहले, मोहम्मद यूनुस ने पश्चिमी प्रेस को दिये इन्टरव्यूज़ में पूर्व सत्ता एवं शासन की कड़ी आलोचना की तथा कार्यवाही का वादा किया। उन्होंने हसीना सरकार से मुक्ति पाने के लिए विद्यार्थियों द्वारा किये गये आंदोलन की प्रशंसा की। उन्होंने कहा, ''यह जनता की स्वतन्त्रता की दूसरी विजय है।''

महत्वपूर्ण बात यह है कि यूनुस अन्तरिम सरकार के मुख्य सलाहकार होंगे, अन्तरिम प्रधानमंत्री नहीं तथा जैसा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

एन.सी.ई.आर.टी. की किताबों से संविधान की प्रस्तावना हटाने का मामला गर्माया

राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने मोदी सरकार को घेरा

- कांग्रेस व अन्य विपक्षी दलों ने केन्द्र सरकार पर संवधिान के साथ छेड़छाड़ का आरोप लगाते हुए वॉक आउट किया।
- राज्यसभा के नेता जे.पी. नड्डा ने विपक्ष के आरोप को निराधार बताते हुए कहा कि मोदी सरकार की संविधान के प्रति निष्ठा संदेह से परे है।
- नड्डा ने कांग्रेस पर आरोप लगाया कि 1975 में आपातकाल लगा कर कांग्रेस ने अवश्य संविधान पर हमला किया था।

-श्रीनन्द झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 अगस्त। क्या ''भाजपा-आर.एस.एस. की साम्प्रदायिक विचारधारा को थोपने'' की कोशिश में एन.सी.ई.आर.टी. की पाठ्य-पुस्तकों से संविधान की प्रस्तावना हटा दी गई है?

जब राज्यसभा में विपक्ष के नेता तथा कांग्रेस सांसद मल्लिकार्जुन खड़गे ने यह मामला उठाया, तो इस प्रश्न पर राज्यसभा में जबरदस्त हंगामा होता दिखाई दिया। सदन के नेता जे.पी. नड्डा ने तुरन्त पलटवार किया और कहा कि देश में आपातकाल लगाकर, संविधान पर हमला करने का काम तो कांग्रेस ने किया था। उन्होंने दृढ़तापूर्वक कहा कि जहाँ तक एन.डी.ए. सरकार का सम्बन्ध हैं, उसके द्वारा संविधान की प्रस्तावना से छेड़ करने का प्रश्न ही पैदा नहीं होता।

समाचार पत्र 'द हिन्दू' में प्रकाशित एक रिपोर्ट के अनुसार, एन.सी.ई.आर.टी. ने हाल ही में अपनी पाठ्यपुस्तकों में कुछ परिवर्तन किये हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि एन.सी.ई. आर.टी. की कुछ पाठ्यपुस्तकों से संविधान की प्रस्तावना साफ तौर पर गायब है। सरकार से स्पष्टीकरण की माँग करते हुये, खड़गे ने कहा, ''चुनावों में हार के बाद, भाजपा ने पहले तो गांधी और अम्बेडकर की मूर्तियाँ हटाईं तथा संविधान के साथ छेड़ करने की कोशिशें भी कीं। इस देश की जनता ऐसा नहीं होने देगी। आर.एस.एस. और भाजपा स्कूली पाठ्यक्रम में हस्तक्षेप तथा हेर-फेर करके, अपनी साम्प्रदायिक विचारधारा को थोपना चाहती हैं तथा एन.सी.ई.आर.टी. की यह चेष्टा सही नहीं है। सत्ता पक्ष के सदस्य खड़गे की टिप्पणी का जोर-शोर से विरोध करने लगे तथा नड्डा ने खड़े होकर कहा कि कांग्रेस नेता को इस सूचना का स्रोत प्रस्तुत करना चाहिये। उन्होंने कहा, ''किसी अखबार के लेख को प्रमाणिक स्रोत नहीं माना जा सकता। स्रोत के रूप में, मूल पाठ्यपुस्तक ही

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

गढ़ गणेश पर बनाए जा रहे रोप वे पर यथास्थिति के आदेश

जयपुर, 7 अगस्त (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने गढ़ गणेश मंदिर पर बनाई जा रही रोप-वे पर यथा स्थिति बनाए रखने के आदेश दिए हैं। इसके साथ ही, कोर्ट ने इस मामले में जयपुर कलेक्टर, गढ़ गणेश मंदिर ट्रस्ट और रोप वे बना रही कंपनी मैसर्स शिवम प्राइम इन्फ्रा प्रोजेक्ट्स प्रा. लि. को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। जस्टिस अनिल कुमार उपमन की बैंच ने यह आदेश दामोदर रोपवे एंड इंफ्रा लि. की याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए। वरिष्ठ अधिवक्ता राज्य सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को आश्वस्त किया है कि टाइगर हैबिटेट प्रबंधन में सुधार करेगी।

- हाई कोर्ट ने यह आदेश दामोदर रोप वे एंड इन्फ्रा लिमिटेड की याचिका पर दिए, जिसने रोप वे निर्माण के लिए आवेदन किया था, पर, यह काम शिवम प्राइम इन्फ्रा को सौंपा गया, जबकि इसने आवेदन तक नहीं किया था।

अमरावती से झाड़-झंखाड़ हटाने में 36 करोड़ रू. खर्च होंगे

आंध्र सरकार ने अमरावती क्लीन जंगल प्रोजैक्ट शुरु किया

- चंद्रबाबू नायडू ने 2016 में अमरावती प्रोजैक्ट शुरु किया था, पर, जगन मोहन ने इसे ठुकरा दिया, नतीजतन वहां झाड़-झंखाड़ उग आए थे।
- 2014 में जब आंध्र प्रदेश का विभाजन हुआ था और हैदराबाद, तेलंगाना के हिस्से में चला गया था तब चंद्रबाबू ने अमरावती को आंध्र प्रदेश की राजधानी के रूप में विकसित करने की योजना बनाई थी।
- नायडू, अमरावती को अत्याधुनिक विश्वस्तरीय राजधानी बनाना चाहते थे। यह उनका ड्रीम प्रोजैक्ट था तथा उन्होंने इसकी शुरुआत भी कर दी थी। पर, फिर नायडू विधानसभा चुनाव हार गए और उनके बाद जगन मोहन रेड्डी मुख्यमंत्री बने। उन्होंने अमरावती प्रोजैक्ट को ठुकरा दिया और तीन राजधानियों की अटपटी अवधारणा दी।
- अब नायडू फिर से मुख्यमंत्री बन गए हैं तो उन्होंने जोर-शोर से अपना ड्रीम प्रोजैक्ट शुरु कर दिया है। यही नहीं, इसके लिए उन्होंने केन्द्र सरकार से भारी अनुदान भी हासिल कर लिया है।

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 अगस्त। पैतृक गांव के घर की लम्बे समय उपेक्षा करने पर उसको पुन: इस्तेमाल योग्य बनाने के लिए साफ-सफाई में काफी खर्चा आता है और जरा सोचिए अगर एक पूरे शहर की उपेक्षा हुई हो तो यह कितना महंगा पड़ सकता है। अमरावती जिसे आंध प्रदेश की राजधानी बनाया जाना था, की लम्बे अर्से तक उपेक्षा की भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। पूर्व मुख्यमंत्री वाय.एस. जगनमोहन रेड्डी ने अमरावती प्रोजैक्ट त्याग दिया था, जिसे उनके पूर्ववर्ती चंद्रबाबू नायडू ने शुरु किया था। इसकी बजाय उन्होंने ''श्री कैपिटल'' प्लान पर फोकस किया। इसका नतीजा है कि विभाजन के दस साल बाद भी आंध्र प्रदेश के पास अपनी राजधानी नहीं है।

दस साल से हैदराबाद ही तेलंगाना की संयुक्त राजधानी है और आंध्र प्रदेश अमरावती को अपनी नई राजधानी बनाने वाला था। पर पूर्व मुख्यमंत्री जगनमोहन रेड्डी को अमरावती का विचार पसंद नहीं था उनके मन में तीन राजधानियों की योजना थी। इसलिए उन्होंने चन्द्रबाबू नायडू द्वारा 2016 में शुरु किए गए अमरावती प्रोजैक्ट की अवहेलना की। एन. चन्द्रबाबू नायडू अमरावती को अत्याधुनिक राजधानी बनाना चाहते थे। लेकिन जगनमोहन रेड्डी, जो 2019 में प्रधानमंत्री बने थे, ने अमरावती की उपेक्षा कर दी और इस प्रोजैक्ट को ही त्याग दिया और नायडू सरकार के कार्यकाल में वहां दो सरकारी इमारतें बन चुकी थीं। लेकिन प्रोजैक्ट रद्द होने के बाद उसकी तरफ किसी ने रुख नहीं किया नतीजा यह निकला कि वहां भारी झाड़ झंखाड़ उग आए हैं।

अब जब चन्द्रबाबू नायडू दोबारा राज्य के मुख्यमंत्री बन गए हैं तो उन्होंने अमरावती प्रोजैक्ट के लिए केन्द्र सरकार से 15,000 करोड़ रु. भी आवंटित करवा लिए हैं। अब काम शुरु हो गया है सबसे पहले जंगल साफ करवाया जा रहा है।

कोई माने या ना माने पर सिर्फ जंगली झाड़ झंखाड़ साफ करवाने और जमीन को समतल कराने में 36 करोड़ रु. खर्च होंगे।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

एक दशक में बांग्लादेश की 'पर कैपिटा'' आय तिगुनी हुई: बांग्लादेश विश्व में ''फास्टैस्ट ग्रोइंग इकॉनमी भी बना!

पर, इकोनॉमिक ग्रोथ, जब तक इसका लाभ प्रजातंत्रीय व्यवस्था के कारण, पूरे समाज, गरीब से गरीब जनता तक नहीं पहुंचता, एक विस्फोटक स्थिति पैदा करती है, जैसा बांग्लादेश में हुआ

- इकोनॉमिक समृद्धि का फायदा हसीना सरकार के मित्रों तक ही सीमित रहा तथा शिक्षित युवकों में बेरोज़गारी वैसी की वैसी ही बनी रही।
- शिक्षित बेरोज़गारों के आक्रोश को दबाने के लिये हसीना सरकार ने पूरी सख्ती बरती और असंतोष अंदर ही अंदर बढ़ता रहा।
- इकोनॉमिक ग्रोथ के लिये विपक्ष के मतभेद तथा असंतोष की अभिव्यक्ति, जो प्रजातंत्रीय व्यवस्था के लिये अनिवार्य है, को कुचला गया, अतः नौबत यह हुई कि प्रधानमंत्री को देश छोड़कर भागना पड़ा।

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 अगस्त। वर्ष 2009, 2014, 2019 और 2024 के चार चुनाव जीतने के बाद बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना का राष्ट्र स्तरीय छात्र आंदोलन के बाद देश छोड़कर भाग जाना उन सभी के लिए तगड़ा झटका है जो लोकतंत्र और लोकतांत्रिक नियम-कायदों को समाज और राजनीति में पोषित करते हैं।

बांग्लादेश के अस्तित्व के 50 साल में हुए इस नवीनतम प्रकरण से पूरी दुनिया और खासकर भारतीय उपमहाद्वीप की जनता और शासकों को कई सबक सीखने और भुलाने हैं।

पड़ोसी देश बांग्लादेश में उथल-पुथल मचने के पीछे भारी भ्रष्टाचार, स्वतंत्रता एवं अधिकारों का कमजोर पड़ना, साथ-साथ तेजी से हुई आर्थिक वृद्धि, कुछ ही लोगों के हाथों में धन-सम्पदा का एकत्रित होना और सरकार द्वारा कुछ चहेते लोगों को ही आगे बढ़ाना प्रमुख कारण हैं। शेख हसीना भी अपनी स्वयं की ही दुश्मन हैं क्योंकि उन्होंने एक ऐसी विरासत को बरबाद कर दिया, जो उनकी मुख्य राजनीतिक पूंजी थी।

उनकी अधिनायकवादी सरकार असंतोष के स्वरों को दबाने के लिए प्रतिबद्ध थी, तथा उनके नेतृत्व की तानाशाह शैली ने विपक्ष को नियंत्रण में रखने का हर उचित एवं अनुचित माध्यम अपनाया और यह शैली उनके पिता शेख मुजीबुर रहमान की कार्यशैली के विपरीत थी जिन्होंने बांग्लादेश के निर्माण को लेकर संघर्ष किया।

हसीना वर्ष 2009 में एक स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं विश्वसनीय चुनाव के बाद सत्ता में आई थीं, लेकिन उसके बाद वर्ष 2014, 2018 और 2024 में हुए चुनाव विवादास्पद रहे और उनमें विपक्ष की भी भागीदारी नहीं रही, लेकिन हसीना इसके बावजूद देश की प्रधानमंत्री बनीं। इन चुनावों में वह अपराजेय सी लगीं और उन्होंने सत्ता पर पूर्ण नियंत्रण कर लिया। इस दौरान उन्होंने विपक्ष अथवा असंतोष को बिल्कुल सहन नहीं किया, जबकि लोकतांत्रिक संरचना के यही दो आवश्यक अवयव होते हैं।

बांग्लादेश के स्वतंत्रता संघर्ष में भाग लेने वाले लोगों के वंशजों के लिए हाई कोर्ट द्वारा नौकरियों में 30 प्रतिशत कोटा बहाल किए जाने के बाद आंदोलनकारियों के सब्र का बांध टूट गया, हालांकि हसीना के शासन के खिलाफ पिछले कई वर्षों से जनता का क्रोध पनप रहा था। देश की आम जनता ज्यादातर बेरोजगार है और उपद्रवों से वह भयभीत हो गई। शेख हसीना ने जब अदालती प्रक्रिया का हवाला देकर छात्रों की मांगे मानने से इन्कार कर दिया, तब संकट गहरा गया।

हसीना की सबसे बड़ी गलती तब हुई, जब उन्होंने नौकरियों में आरक्षण का विरोध करने वालों को रज़ाकार (बांग्लादेश के एक अप्रिय शब्द) करार दिया। वर्ष 1971 में हुए बांग्लादेश के स्वतंत्रता संग्राम में पाकिस्तान की सेना का सहयोग करने वालों के लिए यह शब्द प्रयुक्त किया गया था, जिससे हजारों आंदोलनकारी छात्र बुरी तरह से चिढ़ गए।

विपक्ष ने हसीना पर हमेशा यह आरोप लगाया कि उन्होंने लगातार तीन चुनाव स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव के बिना जीते हैं। इसके अलावा एक आम धारणा यह भी थी कि आर्थिक विकास केवल हसीना की आवामी लीग के निकट के लोगों का भला करने के लिए ही है।

विरोध प्रदर्शन जैसे-जैसे बढ़ते गए, उन्हें अभिभावकों, शिक्षकों और सांस्कृतिक कार्यकर्ताओं सहित समाज के विभिन्न वर्गों का समर्थन मिलता गया। आंदोलन अपनी शुरुआती मांगों से आगे बढ़कर 15 वर्षों के भय एवं उत्पीड़न के खिलाफ निराशा की एक लामबंद अभिव्यक्ति बन गया। छात्रों ने प्रधानमंत्री के साथ बातचीत से तब तक के लिए इन्कार कर दिया, जब तक कि उनकी मांगें नहीं मान ली जातीं। इससे सरकार के प्रति जनता के गहरे अविश्वास का पता चलता है। देश के सेवारत और सेवानिवृत्त शीर्ष अधिकारियों के भ्रष्टाचार को लेकर सोशल मीडिया पर खुली चर्चाएं थीं। तथापि, हसीना ने भ्रष्टाचार को एक समस्या के रूप में स्वीकार किया था और उसके खिलाफ कार्रवाई का वादा किया था, लेकिन ठोस कार्रवाई कहीं नज़र नहीं आ रही थी।

बांग्लादेश में जो कुछ हुआ, वह उन देशों के लिए भी एक सबक है जो समाज का व्यापक हित न सोचकर केवल आर्थिक प्रगति का राग अलापते रहते हैं और यह भी कि लोकतांत्रिक मूल्यों एवं नागरिकता के क्षरण के बीच सिर्फ आर्थिक प्रगति ही किसी नेता की लोकप्रियता को ज्यादा समय तक नहीं बनाए रख सकती।

नि:संदेह, हसीना के कार्यकाल में शानदार आर्थिक उपलब्धियां प्राप्त की गईं। उनके नेतृत्व में बांग्लादेश विश्व के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मालपुरा में भूस्खलन से एक दर्जन से अधिक मकानों में दरारें आई

भारी बारिश के बाद भूस्खलन से एक दर्जन मकानों में 6 इंच से 1 फीट तक दरारें आई

मालपुरा, (निसं)। दो दिन पूर्व मालपुरा में हुई भारी बारिश के बाद जलमग्न हुये दर्जनों गांवों में प्रशासन राहत कार्यों में जुटा रहा, तो टोरडी सागर बांध के ऑवरफ्लो पानी में बही रोडवेज बस के चालक का तीन दिन बाद भी कोई सुराग नहीं लगा। एसडीआरएफ के जवान लगातार तीन दिन से बांध के बहाव क्षैत्र में रेस्क्यू कर रहे हैं।

सहोदरा नदी के बहाव क्षैत्र में बागडी रपटे से पानी के साथ बही 16 वर्षिय युवती को बुधवार की सवेरे एसडीआरएफ के जवानों ने रेस्क्यू अभियान के तहत नदी के बहाव क्षैत्र से मृत अवस्था में बरामद कर शव परिजनों को सौंपा। बुधवार को सहोदरा नदी का बहाव कम होने व नदी का उफान उतरने के बाद मालपुरा-केकड़ी सड़क मार्ग पर आवागमन शुरू हुआ। मालपुरा-टोडारायसिंह सड़क मार्ग पर भी पुलिया के उपर से वैकल्पिक आवागमन सुचारू हुआ। बांध के ओवरफ्लो पानी से प्रभावित कई गांव आज भी पानी से जलमग्न है। कलमंडा गांव का सरकारी विद्यालय तीन दिन से जलमग्न होने व विद्यालय भवन को भारी नुकसान की आशंका के बावजूद

भूस्खलन से मकानों मे आई दरारों का तहसीलदार राहुल पारिक ने जायजा लिया।

- तहसीलदार ने जायजा लिया, पुरानी तहसील मे दरके मकानों को खाली करने के निर्देश दिये
- नदी-नाले उफान पर रहे, बांध के ओवरफ्लो पानी में बही रोडवेज बस के चालक का नहीं लगा सुराग

ग्राम पंचायत प्रशासन पानी की निकासी नहीं करने से ग्रामीणों में भारी आक्रोश है। सदरपुरा गांव के तालाब की सुरक्षा दीवार टूटने से अनहोनी को लेकर ग्रामीण भयभीत है।

वहीं भारी बारिश से तबाही के बाद बुधवार को शहर के पुरानी तहसील में चारभुजा मंदिर के पिछे हुये भूस्खलन से तकरीबन एक दर्जन मकानों में 6 इंच से 1 फीट तक दरारें आ जाने से लोगों में दहशत फैल गई। अचानक मकानों में आई दरारों से लोग अपने मकान छोड़ सुरक्षित स्थान की तलाश में जुट गये। सूचना पर पहुंचे तहसीलदार व कार्यवाहक ईओ राहुल पारीक ने कस्बा पटवारी, गिरदावर व जेईएन के साथ मौके पर पहुंच दरारों में तब्दील हुये मकानों का जायजा लेकर रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश दिये।

साथ ही तहसीलदार ने मकानों में रह रहे लोगों को तत्काल मकान खाली कर सुरक्षित स्थान पर रहने के निर्देश दिये। इस दौरान मौजूद केबिनेट मंत्री व क्षैत्रीय विधायक कन्हैयालाल चौधरी के प्रतिनिधि पूर्व पालिका अध्यक्ष राजकुमार जैन, सत्यनारायण विजय, गोविन्दनारायण विजय ने बताया कि भारी बारिश से बढ़े जल स्तर से हुये भूस्खलन के कारण मकानो में भारी भरकम दरारें आ गई है। पीड़ित मकान मालिक रघुनन्दन पटवारी, रामरतन विजय, कंचन देवी विजय, मथरा लाल गुर्जर, ओमप्रकाश दाधिच सहित अन्य को सुरक्षा दृष्टि से सुरक्षित स्थान पर शरण लेने की सलाह देते हुये राज्य सरकार से आपदा राहत कोष से आर्थिक सहायता राशि की मांग की। साथ ही भारी बारिश से संवारिया में देवीशंकर शर्मा की दो दुकानें धराशाही हो गई। वहीं मैहरू गांव का तालाब ओवरफ्लो होकर तालाब की सुरक्षा दीवार टूट गई।

लूणी नदी में पानी की आवक, लोगों ने नदी का स्वागत किया

स्थानीय लोगों ने चुनरी ओढ़ाकर और विधिवत रूप से पूजा-अर्चना कर नदी का स्वागत किया

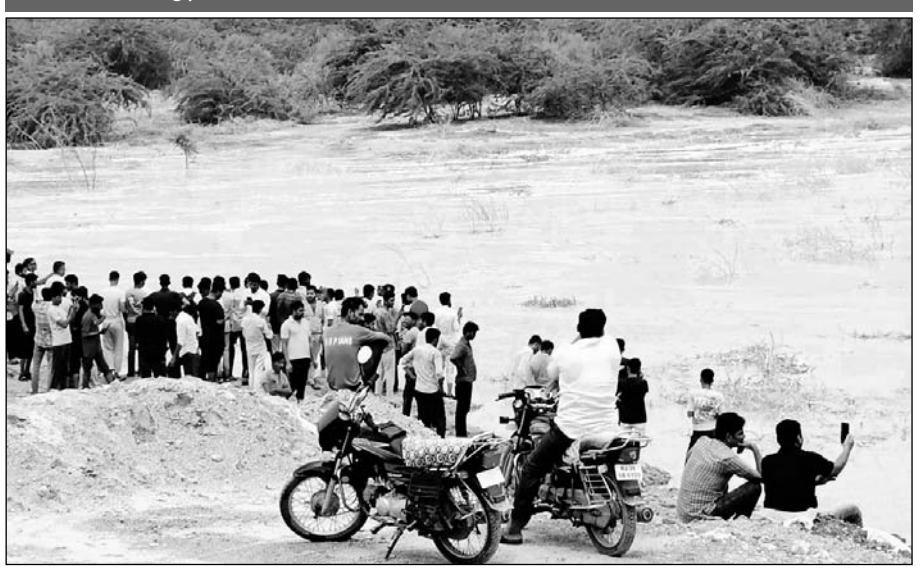

लूणी नदी में पानी की आवक होने पर लोगों की भीड़ पहुंची।

बालोतरा, (निसं)। पश्चिमी राजस्थान में लगातार मानसून सक्रिय होने के चलते अच्छी बारिश हो रही है। इसके बाद "मारवाड़ की मरूगंगा" लूणी नदी में भी पानी की आवक हुई है। बुधवार को लूणी नदी में पानी की आवक के बाद लोगों में खुशी देखी जा रही है। बुधवार को मरूगंगा लूनी नदी में पानी की आवक होने पर पचपदरा विधायक डॉ. अरुण चौधरी, पूर्व केंद्रीय मंत्री कैलाश चौधरी, भाजपा जिलाध्यक्ष बाबूसिंह राजगुरु, नगर परिषद सभापति सुमित्रा देवी जैन सहित सभी स्थानीय लोगों ने चुनरी ओढ़ाकर और विधिवत रूप से पूजा-अर्चना कर लूणी नदी का स्वागत किया। ढोल-नगाडों पर युवाओं से लेकर महिलाएं और बुजुर्ग भी नाचते-गाते नजर आए।

जानकारी के अनुसार लूणी नदी में लगातार दूसरी बार पानी की आवक हुई है। पिछले साल बिपरजॉय चक्रवात के दौरान बारिश में भी लूणी नदी में पानी की आवक हुई थी। लूणी नदी जोधपुर होते हुए बुधवार को रेगिस्तानी इलाके बालोतरा जिले में प्रवेश किया। नदी में पानी की आवक देखकर स्थानीय लोग खुशी से झूम उठे। लोगों ने जोश के साथ लूणी नदी का स्वागत किया।

स्थानीय लोगों ने बताया कि लूणी नदी को मारवाड़ की मरूगंगा भी कहा जाता है। आमतौर पर नदी में फैक्ट्री का केमिकलयुक्त पानी छोड़ा जाता है, जिससे यह नदी पूरी तरह से दूषित हो गई है। पिछले पांच साल में लगातार दूसरी बार लूणी नदी में पानी की आवक हुई है। लूणी नदी में पानी की आवक होने से आसपास के जल स्त्रोत पुन: रिचार्ज होंगे। इससे किसानों को काफी फायदा होगा और इस पानी का लाभ किसानों को खेती के लिए मिलेगा। थार की मरूगंगा के नाम से विख्यात लूणी नदी का पानी बुधवार को बालोतरा शहर के छतरियों का मोर्चा तक पहुंच गया। खुशखबरी मिलते ही शहर के लोग नदी का पानी देखने पहुंचे। लगातार लूणी का पानी बालोतरा पहुंचने पर पूजा-अर्चना के साथ जलोत्सव मनाया। नदी के किनारे लागों की भीड़ रही। बीओटी पुल से ट्रैफिक बंद कर दिया। नदी में पानी आने पर पूर्व नगर परिषद प्रतिपक्ष नेता मदन चौपड़ा, हितेश पटेल, विक्रमसिंह तंवर, सहित लोगों ने पूजा-अर्चना की। वहीं प्रशासन व पुलिस ने नदी के क्षेत्र का दौराकर आमजन को इससे दूर रहने की अपील की।

पंकज सारस्वत हत्याकांड का खुलासा, तीन गिरफ्तार

आरोपी और मृतक पंकज के बीच गवाही को लेकर रंजिश चल रही थी

मेड़ता सिटी, (निसं)। मेड़ता में हुये बहुचर्चित पंकज सारस्वत हत्याकांड के तीन मुख्य आरोपियों को नागौर व मेडता पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

मेडता डिप्टी पिंटू कुमार ने बताया कि पांच अगस्त को मेड़ता के भास्कर चौराहा पर पुरानी रंजिश में आरोपियों और पंकज सारस्वत के साथ आपस में हाथापाई हो गई, जिसके चलते आरोपी कानाराम और उसके पुत्र और पुत्र के दोस्तों ने मिलकर मारपीट की और धारदार हथियार से हमला कर दिया, जिससे सारस्वत को मेड़ता चिकित्सालय लाया गया जहां से अजमेर रेफर किया। जिसने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। प्रार्थी दामोदर सारस्वत ने लिखित ने नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया, जिसके चलते नागौर पुलिस अधीक्षक नारायण टोगस ने निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुमित कुमार व मेड़ता वृताधिकारी पिंटू कुमार के नेतृत्व में एक टीम तैयार की, जिसने

पुलिस ने हत्या के मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार किया।

त्वरित कार्रवाई करते हुवे आरोपियों की तालाश जारी की।

जिसमें दबिश देते हुये आरोपी कानाराम सामरिया, राजवीर खटीक व मोहम्मद अकरम को गिरफ्तार किया। आरोपी और मृतक के बीच गवाही को लेकर पुरानी रंजिश चल रही थी जिसके चलते आरोपियों द्वारा पंकज को लगातार धमकियां मिल रही थी जिसके चलते भास्कर चौराहा पर आरोपियों ने मारपीट की जिसके चलते बड़े भाई दसरथ सारस्वत ने बीच बचाव किया जब तक पंकज सारस्वत घायल हो गया। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुये आरोपियों को गिरफ्तार किया है और उनसे पूछताछ जारी है।

जन्मदिन मनाकर घर जा रही महिला से अश्लील हरकत

अजमेर, (कासं)। क्रिश्चियनगंज थाना क्षेत्र में रहने वाली एक महिला से अश्लील हरकत करने व छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। पीड़िता ने परिजन के साथ थाने में कांस्टेबल और उसके छह अन्य साथियों के खिलाफ पर थाने में शिकायत देते हुए मुकदमा दर्ज कराया है। पीड़िता ने शिकायत में बताया कि जन्मदिन मनाकर घर लौट रही थी, आरोपियों ने उसका रास्ता रोककर अश्लील हरकत की और धमकाया भी। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

क्रिश्चियनगंज थाने के एसआई नारायण सिंह ने बताया कि थाना क्षेत्र की रहने वाली एक महिला ने लिखित शिकायत देते हुए एक कांस्टेबल सहित उसके छह अन्य साथियों के खिलाफ अश्लील हरकत और छेड़छाड़ कर धमकाने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। दर्ज रिपोर्ट में पीड़िता ने बताया कि वह पुष्कर से जन्मदिन पार्टी मनाकर लौट रही थी। वैशाली नगर क्षेत्र में पुलिस कांस्टेबल पीयूष सोनी उसके साथ देवा गुर्जर सहित अन्य लोगों ने शराब के नशे में अश्लील हरकत करते हुए भद्दे कमेंट्स किए। पीड़िता ने कहा कि आरोपियों ने उसे जान से मारने की धमकी भी दी है। शिकायत के आधार पर पुलिस जांच कर रही है।

- पीड़िता ने पुलिस में शिकायत दी, कांस्टेबल सहित छह जनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया

क्रिश्चियन गंज थाने में पीड़िता ने शिकायत में बताया कि 22 जुलाई को उसका जन्मदिन था। वह अपने दोस्तों के साथ जन्मदिन मनाने के लिए घर से निकली थी। बीच रास्ते में देवा गुर्जर नाम के लड़के का ग्रुप वहां पर खड़ा था, जिसमें कांस्टेबल पीयूष सोनी भी मौजूद था। यह सभी लोग देवा गुर्जर का जन्मदिन मना रहे थे। तभी आरोपियों ने शराब के नशे में रास्ता रोका और शराब के नशे में आरोपी देव गुर्जर छेड़छाड़ की, साथ ही पूनम चंद नाम के व्यक्ति ने अश्लील हरकतें की। इसके बाद वह चिल्लाने लगी। इसमें कांस्टेबल पीयूष भी शामिल था। पीड़िता ने शिकायत में बताया कि वह अजमेर शहर में सुरक्षित नहीं है और उसके दोस्तों के साथ भविष्य में वह घटना कारित कर सकते हैं, जिसके जिम्मेदार कांस्टेबल और आरोपी देवा गुर्जर व उसका ग्रुप होगा। क्रिश्चियन गंज थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

17 फीट भराव क्षमता वाला भीम तालाब लबालब

भीम तालाब की चादर चलने पर कस्बेवासियों का सैलाब उमड़ा।

भीम, (निसं)। उपखंड मुख्यालय स्थित 17 फीट की भराव क्षमता वाले भीम तालाब की चादर बुधवार सुबह ही शुरू हो गई। कस्बेवासियों एवं आसपास के ग्रामीणों का कहना है कि देर से ही सही लंबे इंतजार के बाद बादलों ने क्षेत्रवासियों की पुकार सुन ली, जिससे भीम का मुख्य तालाब अपनी भराव क्षमता 17 फीट तक लबालब हो गया।

भीम का तालाब भरने से आमजन हर्षित है। पेयजल, कृषि, पशु तथा अन्य प्रयोजन हेतु लोग बारिश पर आश्रित रहते हैं। कस्बे में निरंतर चौथे दिन भी रिमझिम फुहारों के साथ मूसलाधार बारिश रुक-रुक होती रही, जिसका मार्केट पर असर देखने को मिला। दूसरी ओर जलदाय उपभोक्ताओं का दुर्भाग्य है कि नलों में काफी दिनों से सात-सात दिन तक पानी के दर्शन नहीं होते। विभाग के भोमादेह स्त्रोत पर आपूर्ति के लिए लगी मोटर जल जाने से हफ्ते में मात्र एक बार पानी नलों तक पहुंच पा रहा है, जिससे आम नागरिक त्रस्त है।

अजमेर में रिमझिम बारिश जारी

अजमेर, (कासं)। प्रदेश में सक्रिय मानसून के चलते बीते तीन दिनों में अजमेर में हुई तेज बरसात के बाद बुधवार को भी आसमान में दिनभर बादल छाए रहे और दिनभर रिमझिम बौछार गिरती रही, जिससे मौसम खुशनुमा हो गया। शहर की ऐतिहासिक आनासागर चौपाटी सहित पिकनिक व पर्यटन स्थल लोगों की भीड़ से आबाद हो गए। वहीं मौसम विभाग ने अजमेर में येलो अलर्ट जारी किया है। बीते तीन दिन से अजमेर शहर सहित जिले भर में हो रही बरसात के बाद बुधवार को रिमझिम बरसात का दौर जारी रहा। आसमान में बादल छाए रहे। मौसम विभाग के अनुसार अजमेर का न्यूनतम तापमान 22 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम ने शहरवासियों को ठंडी हवाओं का भी अनुभव कराया, तेज हवाओं ने मौसम को और भी खुशगवार बना दिया।

विद्युत लाइन से डंपर में करंट, चालक की मौत

पाटन, (निसं)। देई माई मंदिर के पास स्थित केबीआर धर्मकांटा के ऊपर से जा रही 11 हजार विद्युत लाइन का तार डंपर के टच हो जाने से डंपर में करंट आ गया। हालांकि चालक ने अपने आपको बचाने के लिए गाड़ी से नीचे उतरने की कौशिश भी की परन्तु वह उतर नहीं सका, जिस कारण चालक की घटना स्थल पर ही मौत हो गई।

मृतक चालक महावीर यादव (50) पुत्र सोहनलाल यादव निवासी ढाणी मिंडाला तहसील पाटन का रहने वाला था, जो रामानंद शर्मा के डंपर का चालक था। घटना की जानकारी मिलते ही मिंडाला की ढाणी से सैंकड़ों लोग घटना स्थल पर पहुंच गये तथा मृतक की स्थिति देख उन्होंने हंगामा खड़ा कर दिया। लोगों ने आरोप लगाने शुरू कर दिए कि महावीर की मौत करंट लगने से नहीं हुई है, अपितु इसकी मौत कहीं अन्य जगह पर हुई है। पाटन थानाधिकारी विक्रम सिंह मय जाब्ता घटना स्थल पर पहले ही पहुंच चुके थे। एक बार तो मृतक का शव देखकर हर किसी को ऐसा ही लगता था कि घटना कहीं और घटी है परंतु धर्मकांटे पर लगे सीसीटीवी फुटेज को चैक किया गया तो वाकई चालक द्वारा डंपर के ट्रोले का जैक भूलवश खड़ा रह गया जो डंपर के उपर से जा रही 11 हजार विद्युत लाइन को टच हो गया। जिसके चलते ही डंपर में करंट दौड़ गया और चालक की दर्दनाक मौत हो गई। नीमकाथाना उप पुलिस अधीक्षक अनुज डाल भी घटना स्थल पर पहुंच गए। एक बार तो परिजनों ने पाटन नीमकाथाना रोड को जाम करने की कौशिश भी की, परन्तु पुलिस की समझाइश से दोनों पक्षों के समझोते के बाद उन्होंने अपना जाम हटा दिया।

नाबालिग ने फांसी लगाई

डूंगरपुर, (निसं)। सदर थाना क्षेत्र के माथुगामडा पाल फला डूंगर गांव में एक नाबालिग ने अपने घर में फांसी का फंदा लगा आत्महत्या कर ली। घटना के समय किशोरी घर में अकेली थी और घर के दरवाजे की अंदर से कुंदी लगी हुई थी। आत्महत्या के कारणों का खुलासा नहीं हो पाया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। सदर थाने के एएसआई ने बताया कि माथुगामडा पाल फला डूंगर निवासी लाला पुत्र लक्ष्मण कटारा ने रिपोर्ट में बताया कि उसकी बेटी लीला कटारा घर पर अकेली थी। उसकी मां घास लेने के लिए खेत पर गई थी। घास लेने के बाद जब लीला की मां कविता घर लौटी तो घर का दरवाजा अंदर से बंद था। जिसके बाद कविता ने अपनी भतीजी को खिड़की से अन्दर भेजा और दरवाजा खुलवाया। जब कविता घर के अन्दर घुसी तो देखा कि लीला फंदे से लटकी हुई थी।

पावटा में दो ट्रक पलटे, बड़ा हादसा टला

पावटा, (निसं)। दिल्ली-जयपुर राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 48 राजमार्ग का ड्रेनेज सिस्टम फेल होने के चलते हाईवे पर भर पानी की वजह से बड़ा हादसा हो गया। बावड़ी बाबा बालकनाथ मंदिर के पास हाईवे पर बरसात के मौसम में हमेशा पानी भरा रहता है।

बुधवार सुबह से ही क्षेत्र में हो रही बूंदाबांदी की वजह से राजमार्ग पानी के नाले में तब्दील हो गया। दोपहर एक बजे बावड़ी मंदिर के समीप पानी होने के चलते आगे चल रहे कंक्रीट मिक्सर ट्रक हाईवे पर भर पानी से बचने के चक्कर में अनियंत्रित होकर पलट गया साथी पीछे से आ रहे ट्रक भी अनियंत्रित होकर 6 फीट ऊपर डिवाइडर पर चढ़कर पलट गया। गनीमत रही कि हादसे में किसी को कोई चोट नहीं आई। सूचना पर मौके पर पहुंची प्रागपुरा थाना पुलिस

- चालक ने कूदकर जान बचाई, दो किमी तक लगा जाम

ने क्रेन की सहायता से ट्रक को हटवाकर जाम खुलवाया।

ट्रक ड्राईवर अजीत ने बताया कि बुधवार को भीलवाड़ा से बावल की ओर कोयले से भरा ट्रक जा रहा था। राष्ट्रीय राजमार्ग 48 पर पावटा बावड़ी के पास ट्रक पहुंचा तो रोड का मरम्मत कार्य के चलते कंक्रीट मिक्चर मशीन को बचाने के चक्कर मे चालक संतुलन खो बैठा। ट्रक बेकाबू होकर हाईवे के डिवाइडर पर चढ़कर पलट गया। वहीं ट्रक ड्राईवर अजीत ने कूदकर अपनी जान बचाई। सूचना पर प्रागपुरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और क्रेन की सहायता से ट्रक को हटवाया।

युवक ने आत्महत्या की

डूंगरपुर, (निसं)। बिछीवाड़ा थाना क्षेत्र के पंथाल गांव में एक युवक ने अपने ही घर में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। आत्महत्या के कारणों का खुलासा नही हो पाया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बिछीवाड़ा थाने के एएसआई ने बताया कि पंथाल निवासी सुरेश पुत्र देवा गमेती ने रिपोर्ट दी है। रिपोर्ट में बताया कि वह मोदर में सिलाई का काम करता है। रात को वह अपने घर गया। जहां उसके दो मकान हैं। एक मकान में खाना बनाते हैं और दूसरे मकान में सोते हैं। परिवार के लोग खाना बनाने वाले मकान में मौजूद थे। वहीं, उसका बेटा संदीप गमेती वहां मौजूद नहीं था। खाना बनने पर संदीप को बुलाने के लिए दूसरे मकान पर गए तो देखा कि संदीप फंदे से लटका हुआ था। परिजन उसे फंदे से उतारकर बिछीवाड़ा अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां से डॉक्टर ने उसे डूंगरपुर जिला अस्पताल ले जाने के लिया कहा। जिस पर परिजन संदीप को देर रात डूंगरपुर जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां पर जांच के बाद चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

भारी मात्रा में अवैध शराब सहित एक गिरफ्तार

आरोपी ने मुर्गा फार्म में अवैध शराब की दुकान खोल रखी थी

खेतड़ी, (निस)। खेतड़ी नगर पुलिस व जिला स्पेशल टीम ने क्षेत्र में अवैध शराब बेचने वालों के खिलाफ संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए भारी मात्रा में अवैध अंग्रेजी व देशी शराब जब्त कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया। आरोपी ने देवता से ढाणी बाढान जाने वाले रास्ते पर मुर्गा फार्म में एक अवैध शराब की ब्रांच खोल रखी थी।

एएसआई विजय भडिया ने बताया कि रात को गश्त के दौरान डीएसटी एचसी दिनेश कुमार को मुखबीर के जरिए सूचना मिली कि एक व्यक्ति देवता से ढाणी बाढान जाने वाली रोड पर मुर्गी फार्म में एक दुकान में अवैध

पुलिस ने अवैध शराब सहित एक जने को गिरफ्तार किया।

शराब बेच रहा है। सूचना पर एसपी नीमकाथाना प्रवीण नायक नूनावत के निर्देश पर थानाधिकारी विजय सिंह के नेतृत्व में टीम का गठन कर डीएसटी एचसी दिनेश कुमार द्वारा मिली सूचना पर देवता से करीब एक किमी ढाणी बाढान जाने वाली रोड पर स्थित मुर्गी फार्म के सामाने पहुंचे तो वहां पर मोहनपुर थाना सदर नारनौल जिला महेन्द्रगढ़ निवासी देवेंद्र कुमार पुत्र अशोक कुमार धानक लोहे की टीनों से बने हुए कमरे में अवैध अंग्रेजी शराब, बीयर तथा देशी शराब अवैध रूप से बेचता हुआ मिला। आरोपी से से दुकान में रखी शराब के लाइसेंस के बारे में पूछताछ की तो संतोषपूर्वक जवाब नहीं दिया, जिस पर पुलिस ने आरोपी देवेंद्र कुमार को आबकारी अधिनियम के तहत गिरफ्तार कर उसके कब्जे से अंग्रेजी, बीयर व 1248 पव्वे देशी शराब जब्त किए। अवैध शराब बैचने वालों के खिलाफ कार्रवाई में विशेष भूमिका नीमकाथाना डीएसटी एचसी दिनेश कुमार की रही।

थानाधिकारी ने बताया कि पुलिस की ओर से संदिग्ध गतिविधियों में शामिल लोगों पर विशेष नजर रखी जा रही है। इस दौरान यदि कोई व्यक्ति संदिग्ध गतिविधियों में शामिल पाया गया तो उसके खिलाफ प्रभावी कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान टीम में एएसआई विजय सिंह, एचसी दिनेश कुमार, कांस्टेबल रोहिताश, संजय, रामु सैनी, बलवीर, विधाधर, नेमीचंद, अमरचंद, अनिल, चन्द्रपाल आदि शामिल थे।

राजस्थान राज्य कृषि विपणन बोर्ड, मुख्यालय जयपुर

क्रमांक :- प.4(17)(293)/जांच/वि.बो./ दिनांक :- 06/08/2024

सूचना

श्री राहुल सिंह, वरिष्ठ सहायक, राजस्थान राज्य कृषि विपणन बोर्ड जयपुर को सूचित किया जाता है कि आप दिनांक 09.04.2024 से लगातार बिना सूचना एवं बिना अवकाश स्वीकृत कराये स्वैच्छा सेवा से अनुपस्थित चले रहे है। आपको दिनांक 30.04.2024 एवं 09.05.2024 को नोटिस दिये गये, लेकिन आप ड्यूटी पर उपस्थित नही हुए। इस कारण आपके विरूद्ध राजस्थान असैनिक सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम 1958 के नियम 17 के अंतर्गत नोटिस आपके निवास के पते पर राजकाज रेफ 7509581 दिनांक 27.05.2024 एवं 7748693 दिनांक 04.06.2024 द्वारा जरिये रजिस्टर्ड/स्पीड पोस्ट डाक प्रेषित किये गये, जो बिना तामील वापस लौटकर आ गये। लेकिन आप आज तक कार्यालय में उपस्थित नही हुए है। आपको इस समाचार पत्र के माध्यम से भी सूचित किया जाता है कि आप इस प्रकाशन की दिनांक से 15 दिवस में अपनी उपस्थिति कार्यालय में देवें एवं इस संबंध में आप अपना स्पष्टीकरण लिखित कथन प्रस्तुत करें, अन्यथा आपको स्वैच्छा से अनुपस्थिति मानते हुए नियमानुसार एक पक्षीय कार्यवाही अमल में लायी जावेगी।

महाप्रबन्धक (प्रशासन)
राज.संवाद/सी/24/3448 अनुशासनिक प्राधिकारी

हिन्दुस्तान कॉपर लिमिटेड
HINDUSTAN COPPER LIMITED
www.hindustancopper.com

सेवानिवृत्त कर्मचारियों के लिए संविदा के आधार पर नियुक्ति
वॉक इन साक्षात्कार

1. माइनिंग मेट – 03 पद

इच्छुक पात्र उम्मीदवार साक्षात्कार के लिए दिनांक 23.08.2024 (शुक्रवार) को वार्तालाप कक्ष (कान्फ्रन्स हाल), द्वितीय तल, प्रशासन भवन, खेतड़ी कॉपर कॉम्पलैक्स में प्रात: 11.00 बजे रिपोर्ट करें। साक्षात्कार में उपस्थित होने वाले उम्मीदवारों को टीए/डीए देय नहीं होगा।

विस्तृत जानकारी के लिए हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड की वेबसाइट www.hindustancopper.com देखें। इस संबंध में किसी भी प्रकार के संशोधन या परिवर्तन के लिए हमारी उक्त वेबसाइट देखें।

खेतड़ी कॉपर कॉम्पलैक्स, पो.ऑ: खेतड़ी नगर-333504
जिला: नीम का थाना, राजस्थान

सार-समाचार

आरओ वाटर कूलर लगवाया

उदयपुर, (कासं)। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय शोभागपुरा उदयपुर मे फिरोजा व इलियास खान की ओर से ठंडे व शुद्ध पानी के लिए आरओ फिल्टर के साथ वाटर कुलर लगवाया गया है। स्कूल प्रधानाचार्या सुनीता धनकड ने बताया कि विद्यालय में विद्यार्थियों की संख्या 500 से अधिक है और उनके पीने के लिए सामान्य पेयजल की व्यवस्था थी। कुछ समय पूर्व फिरोजा खान व इलियास खान ने विद्यालय में आरओ व कुलर लगवाने की इच्छा जतायी और यहां आवश्यकता को देखते हुए आरओ व वाटर कुलर लगवा दिया है। फिरोजा और इलियास खान ने बताया कि बारिश के मौसम में पानी के कारण बच्चों में बीमारियों का डर रहता है व गर्मी में ठंडे पानी की आवश्यकता का ध्यान में रखकर आरओ व वाटर कुलर लगवाया गया है।

पीएमसीएच में वृक्षारोपण किया

उदयपुर, (कासं)। पेसिफिक मेडिकल कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल कैम्पस को हरा भरा और पर्यावरण को संरक्षित रखने के उद्देष्य से आज 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के अर्न्तगत 21 पेड़ लगाए। भारत सरकार के एक पेड़ मॉ के नाम अभियान के अवसर पर आयोजित इस वृक्षारोपण कार्यक्रम में पीएमसीएच के पीएमसीएच के चेयरमेन राहुल अठावाल,प्रिसिंपल डॉ.एम.एम.मंगल,प्रो.प्रिसिडेन्ट डॉ.संगीता चौहान,चिकित्सा अधीक्षक डॉ.सुनीता माहेश्वरी,बायोकैमेस्ट्री विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ.नीता साही सहित पीएमसीएच के सभी विभागों के विभागाध्यक्ष एवं अन्य कर्मचारी मौजूद रहें।इस अवसर पर पीएमसीएच के चेयरमेन राहुल अठावाल ने कहा कि 'एक पेड मां के नाम' अभियान आक्सीजन की मात्रा बढाने, धरती का तापमान कम करने, भूजल स्तर को ऊपर लाने और प्रदूषण नियंत्रण में महत्वपूर्ण योगदान करने में समर्थ होगा।अग्रवाल ने कहा कि आगामी दो महिनों में विष्वविधालय कैम्पस के पहाडों एवं इसके आस पास के एरिया में वृक्षारोपण किया जाएगा,साथ ही आस पास के गॉवों में पेड लगाने के प्रति लोगों को जागरूक किया जाएगा जिससें कि आने वाले समय में लोगों को स्वच्छ वातावरण मिल सके।

नकबजनी के मामले में दो गिरफ्तार

उदयपुर, (कासं)। बैकरिया थाना पुलिस ने नकबजनी मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। प्रकरण के अनुसार 2अगस्त 2024 को पीडित लालुराम तेली निवासी मालवा का चौरा ने रिपोर्ट दी कि 31 जुलाई को रात में मालवा का चौरा स्थित अपनी दुकान मंगल कर वापस घर लौट रहा था। दूसरे दिन सवेरे मोहनसिंह ने फोन कर दुकान का शटर खुला होने की सूचना दी। मैने आकर देखा तो शटर टूटा हुआ एवं राशन सामठी, गल्ले से नकदी गायब थी। इस मामले में जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गोपाल स्वरूप मेवाड़ा, पुलिस उप अधीक्षक राजेन्द्रसिंह राठौड के सुपरविजन में बैकरिया थानाधिकारी धनपतसिंह के नेतृत्व में गठित दल ने खुलासा करते हुए मालवा का चौरा बैकरिया निवासी राकेश कुमार पुत्र दुदाराम व रामाराम पुत्र दल्लाराम उर्फ दलपतजी निवासी मालप थाना पिंडवाड़ा सिरोही हाल मालवा का चौरा को पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी किया माल बरामद किया।

हत्या का आरोपी गिरफ्तार

उदयपुर, (कासं)। गोगुन्दा थाना पुलिस ने हाइवे पर हमला कर हत्या करने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार तथा विधी से संघर्षरत बाल अपचारी को डिटेन किया है। प्रकरण के अनुसार गत 1 अगस्त को रात में गोगुन्दा से उदयपुर जाने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग पर तीन बाइक सवारों पर कुछ लोगों ने धारदार हथियार व लठ्ठ से हमला किया। जिससे रतनदास पुत्र रामेश्वर दास निवासी मुरलिया भदेसर चित्तोड़गढ की मौत हो गई थी तथा दो साथी घायल हो गए थे। मामले में प्रकरण दर्ज होने पर जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गोपाल स्वरूप मेवाड़ा, पुलिस उप अधीक्षक गिर्वा गजेन्द्रसिंह राव के सुपरविजन में गोगुन्दा थानाधिकारी शैतानसिंह के नेतृत्व में गठित दल ने हत्या के मामले में फरार आरोपी सोहनसिंह पुत्र मोहनसिंह निवासी नया गुडा पुलिस गोगुन्दा को गिरफ्तार किया। जिससे की गई पूछताछ में उसके साथी विधी से संघर्षरत एक बाल अपचारी को डिटेन किया।

युवक तालाब में डूबा

उदयपुर, (कासं)। शहर के समीप कैलाशपुरी तालाब में डूबने से युवक की मौत हो गई। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार बुधवार को सुखेर थाना क्षैत्र मूणवास कैलाशपुरी स्थित तालाब में मूणवास निवासी किशन लाल (42) पुत्री धुला मीणा का शव मिला। इसकी सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंच कर सिविल डिफेंस की टीम से मृतक को बाहर निकाल शव एमबी चिकित्सालय मोर्चरी में रखवाया। एएसआई हरिशचन्द्र सनाढ्य ने मृतक का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंपा। किशनलाल 5 अगस्त की शाम खेत में काम करने के बाद घर लौट रहा था। जहां बीच रास्ते नहाने के लिए तालाब पर रूका था। घर नहीं लौटने पर परिजन उसकी तलाश कर रहे थे। बुधवार को तालाब किनारे उसके कपड़े व चप्पल मिलने पर परिजनों की सूचना कर पुलिस ने शव को बाहर निकलवाया।

नकदी छीनी

उदयपुर, (कासं)। बावलवाड़ा थाना पुलिस ने आरोपी व साथियों के खिलाफ बाइक सवार को रोक धमका कर नकदी छिन ले जाने का प्रकरण दर्ज किया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीडित कमलेश पुत्र शंकरलाल अहारी निवासी काकरदरा बावलवाडा ने महेश कुमार पुत्र कालु मीणा निवासी विरोठी भीलान व साथियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया। जिसमें पीडित ने बताया कि मैं गुजरात में मजदूरी करता हू। 6 जून को मैं सर्राफा कारोबारी से खरीदी नकदी देने के लिए अपनी पत्नी व भाभी के साथ कस्बे की तरफ जा रहा था। इस दौरान बीच रास्ते मिले आरोपी व साथी धमका कर मेरे जेब से 18 हजार रूपये नकदी छिन ले गए। इस मामले में पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की।

बजट घोषणाओं को लेकर सरकार गंभीर : मीणा

उदयपुर, (कासं)। जिले के प्रभारी सचिव तथा निदेशक पब्लिक सर्विसेज एवं शासन सचिव जन अभाव अभियोग हरिमोहन मीणा ने बुधवार शाम को जिला परिषद सभागार में सभी विभागीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली। इसमें मुख्यमंत्री बजट घोषणाओं तथा विभागीय योजनाओं की प्रगति की जानकारी लेते हुए महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश दिए।

जिला कलक्टर अरविंद पोसवाल की उपस्थिति में हुई बैठक में प्रभारी सचिव ने विभागवार बजट घोषणाओं पर चर्चा की। उन्होंने प्रत्येक घोषणाओं को लेकर विभाग स्तर पर अब तक की गई कार्यवाही की विस्तृत जानकारी ली। वहीं मुख्यालय स्तर पर अपेक्षित कार्यवाही का भी फीडबैक लिया। उन्होंने जिन बजट घोषणाओं की क्रियान्विति के लिए जमीन आवंटन अपेक्षित हैं, उनमें जमीन चिह्नीकरण, आवंटन प्रस्तावों की प्रगति आदि के बारे में भी जानकारी ली।

मीणा ने कहा कि बजट घोषणाओं को लेकर सरकार पूरी तरह से गंभीर है। सरकार की मंशा है कि बजट घोषणाएं जल्द से जल्द मूर्तरूप लें ताकि आमजन को इसका त्वरित लाभ मिल सके। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि बजट घोषणा संबंधी कार्यों को प्राथमिकता देवें तथा अपेक्षित कार्यवाही समय पर पूर्ण कर कार्य पूर्ण कराएं। उन्होंने जिला कलक्टर को भी नियमित मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए हैं।

प्रभारी सचिव ने विभागीय योजनाओं के बारे में भी जानकारी लेते हुए योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार कराने तथा हर पात्र व्यक्ति को इससे लाभान्वित कराने के निर्देश दिए। श्री मीणा ने विभिन्न विभागों से वर्तमान में मुख्यालय स्तर पर लंबित अन्य बिन्दुओं का भी फीडबैक लेते हुए उसे उच्चाधिकारियों तक पहुंचाकर यथासंभव समाधान के लिए आश्वस्त किया। प्रभारी सचिव ने बजट घोषणाओं को धरातल पर लाने हेतु शीघ्र आवश्यक कार्रवाई पूरी करने के निर्देश प्रदान किये। इस दौरान उन्होंने संपर्क पोर्टल एवं सतर्कता समिति के लंबित प्रकरणों की भी समीक्षा की तथा त्रिस्तरीय जनसुनवाई के तहत प्राप्त होने वाले प्रकरणों को संवेदनशीलता के साथ निस्तारित करने की बात कही। उन्होंने संपर्क पोर्टल पर शिकायतों के निस्तारण की प्रक्रिया का अवलोकन करते रहने के जिला स्तरीय अधिकारी को निर्देश प्रदान किये एवं शिकायत निस्तारण की गुणवत्ता बनाए रखने के भी निर्देश प्रदान किये ताकि परिवादी की गई कार्रवाई से पूर्ण रूप से संतुष्ट हो सके।

बैठक में अतिरिक्त जिला कलक्टर शहर राजीव द्विवेदी, यूडीए आयुक्त राहुल जैन, नगर निगम आयुक्त रामप्रकाश सहित विभिन्न विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

■ **प्रभारी सचिव ने संपर्क पोर्टल एवं सतर्कता समिति के लंबित प्रकरणों की भी समीक्षा**

उदयपुर के जिला परिषद सभागार में प्रभारी सचिव हरिमोहन मीणा ने समीक्षा बैठक ली।

सार-समाचार

इक्कीस पौधे लगाकर वृक्षारोपण किया

उदयपुर, (कासं)। निदेशालय खान एवं भू विज्ञान विभाग उदयपुर परिसर में कर्मचारी समन्वय समिति के अध्यक्ष ललित पानेरी के तत्वावधान में श्रावण की तीज के अवसर पर निदेशक भगवती प्रसाद आईएएस के कर कमलो से सम्पूर्ण परिसर में 21 पौधे लगाकर वृक्षारोपण किया। इस अवसर पर खान विभाग के अधिकारी एम.पी.मीणा, पी.आर. आमेटा, डी.पी.गौड एवं समन्वय समिति के सदस्य सत्यनारायण शर्मा, भैरूलाल मेनारिया, मुकेश धायल, विशाल जांगिड, राहुल चुण्डावत आदि उपस्थित थे।

हाईकोर्ट बेंच की मांग को लेकर प्रदर्शन

उदयपुर, (कासं)। हाई कोर्ट बेंच की स्थापना हेतु चल रहे आंदोलन के तहत अधिवक्ताओं ने जिला एवं सेशन न्यायालय उदयपुर के मुख्य द्वार कोर्ट चौराहा पर धरना प्रदर्शन कर सरकार से उदयपुर में हाईकोर्ट बेंच के स्थापना की मांग की। बार एसोसिएशन उदयपुर के अध्यक्ष भरत जोशी ने बताया कि 6 अगस्त को कार्यकारिणी एवं संभाग संघर्ष समिति की बैठक आहूत की गई जिसमें निर्णय लिया गया कि 7 तारीख को मुख्य द्वार पर धरना प्रदर्शन करेंगे तथा आगामी दिनों में मशाल जुलूस, एम.एल.ए. एम.पी के निवास पर एवं जिला कलेक्टर कार्यालय के वहां पर धरना प्रदर्शन कर सरकार को आगाह करते हुए निवेदन किया जाएगा कि वह जल्द से जल्द उदयपुर में सर्किट बेंच की स्थापना करें और मेवाड वागड के नेताओं/प्रतिनिधियों को उक्त मंच से आगाह किया है कि वह उक्त मांग को पुरा करने मे सहयोग करे अन्यथा अधिवक्तागण अब मेवाड वागड की जनता के सहयोग से उग्र आंदोलन करने को भी तैयार है। आंदोलन में बार एसोसिएशन उदयपुर के अध्यक्ष भरत जोशी, उपाध्यक्ष बंशी लाल गवारिया, महासचिव राजेश शर्मा, सचिव अक्षय शर्मा, वित्त सचिव पंकज तंबोली, गोपाल जोशी, सवर्त सदस्य अनिल असलिया, गिरीश माथुर, लोकेश जैन, मोहम्मद शाहिद शेख, ऋतु मेहता, निशांत बागडी, मनमीत सिंह वाधवा हाई कोर्ट बेंच संघर्ष समिति के संयोजक रमेश नंदवाना पूर्व विधानसभा अध्यक्ष शांतिलाल चपलोत, शंभू सिंह राठोर, गिरिजा शंकर मेहता, भरत कुमार वैष्णव, मनीष शर्मा, राकेश मोगरा आदि उपस्थित रहे।

बच्चों की फ्लोरोसिस की जांच की

उदयपुर, (कासं)। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ शंकर एच बामणिया ने बताया कि राष्ट्रीय फ्लोरोसिस नियंत्रण एवं रोकथाम कार्यक्रम के अंतर्गत आज वल्लभनगर क्षेत्र के गांव धुलकोट भोपा सागर के उच्च प्राथमिक विद्यालय में कक्षा 1 से 8 तक के 58 बच्चों की फ्लोरोसिस की जांच की गई। उच्च माध्यमिक विद्यालय अडिंदा में कक्षा 1 से 5 तक के 69,कच्छेर के 43,पद्मेला के 73,कच्छेर की ढाणी के 38 और रातारेला के 38 उपस्थित बच्चों के दांतो की जांच की जिसमें फ्लोरोसिस रोग के सम्भावित कोई भी बच्चा नहीं पाया गया। डिप्टी सीएमएचओ डॉ अंकित जैन ने बताया कि बच्चों को इससे बचाव व उपचार के बारे में बताया गया। बच्चों को तंबाकू , गुटखा आदि खाने से मुख और दांत में होने वाले दुष्प्रभावों के बारे में बताया गया एवं भविष्य में तंबाकू का सेवन नहीं करने के लिए शपथ दिलाई गई।

जिला फ्लोरोसिस सलाहकार सपना चौधरी ने बताया कि पानी में फ्लोरोसिस के अधिक होने पर बच्चों के दांतों पर बुरा प्रभाव पडता है।

ओरिएंटेशन प्रोग्राम आयोजित

गीतांजली में नये सत्र के विद्यार्थियों के लिए ओरिएंटेशन प्रोग्राम का आयोजन किय गया।

उदयपुर, (कासं)। गीतांजली कॉलेज ऑफ साईंस एण्ड कॉमर्स में नये सत्र के विद्यार्थियों के लिए ओरिएंटेशन प्रोग्राम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के दौरान बी.सी.ए. के नवागन्तुक छात्र-छात्राओं को महाविद्यालय के नियमों से अवगत कराया गया।

संस्थान के निदेशक डॉ. एन. एस. राठौड ने बताया कि ओरिएंटेशन प्रोग्राम में नये छात्र-छात्राएं महाविद्यालय के वातावरण से परिचित होते हैं। उनके अन्दर उठ रही अनेक जिज्ञासाओं का समाधान किया जाता हैं। उनका नया वातावरण उनके भविश्य के सपनों को कैसे साकार किया जायेगा उस पर फोकस किया जाता हैं। विद्यार्थियों का उत्साह वर्धन करते हुए डॉ. राठौड ने कहा कि आपको आने वाली भविश्य की चुनौतियों से निपटने के लिए आपको डिजिटल टेक्नोलॉजी, कम्युनिकेशन, प्रॉब्लम सॉल्विंग स्किल तथा समय के साथ लीडरशीप क्वालिटी को विकसित करना होगा। महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. राधा चौधरी के कहा कि छात्रों को कठिनाइयों से लडते हुए अपने कंफर्ट जॉन से बाहर आना होगा। आपके लक्ष्य की प्राप्ति और सपनों क साकार करने की जिम्मेदारी हमारी होगी। एम.सी.ए. विभागाध्यक्ष डॉ. जितेन्द्र सिंह चौहान ने छात्र-छात्राओं का स्वागत करते हुए डिग्री की उपयोगिता के बारे में बताया। इस अवसर पर वित्त नियंत्रक बी.एल. जांगिड ने कहा महाविद्यालय विभिन्न शिक्षण उपयोगी कार्यक्रमों के माध्यम से विद्यार्थियों के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध हैं। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अंजली धाभाई ने किया।

कार्यकारिणी का विस्तार

उदयपुर, (कासं)। श्री खटीक समाज राष्ट्रीय संगठन, उदयपुर का वार्षिक अधिवेशन बुधवार को देबारी स्थित तुलसीदास जी सराय में संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष आकाश बागडी एवं संस्थापक जय निमावत की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ।

समारोह में मुख्य अतिथि हाथीपोल पंच महासभा के रामलाल चौहान थे, पूरण खटीक, प्रभुलाल खटीक बतौर विशिष्ठ अतिथि के रूप में मौजूद रहे। अधिवेशन में राष्ट्रीय अध्यक्ष आकाश बागडी एवं प्रदेशाध्यक्ष पीसी चावला ने श्री खटीक समाज राष्ट्रीय संगठन द्वारा वर्ष भर में किए गए कार्यो का ब्यौरा प्रस्तुत किया एवं आगामी वर्ष में किए जाने वाले कार्यों की जानकारी प्रदान की। संस्थापक जय निमावत ने कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए केशुलाल डीडवानिया को उदयपुर देहात जिलाध्यक्ष, कैलाश खटीक को जिला संगठन मंत्री, किशन खटीक को जिला उपाध्यक्ष, ओम प्रकाश खटीक को जिला देहात मंत्री, भैरूलाल खटीक को देहात जिला महामंत्री व लोगरलाल खटीक को तहसील मंत्री मावली मनोनित किया।

आम सूचना

मैं मेरे कार्यार्थी श्री प्रेमचन्द वीरवाल, अध्यक्ष श्री वीरवाल समाज सेवा संस्थान, ग्लोबल नर्सिंग कॉलेज के सामने, मनवाखेड़ा,उदयपुर (राज.) की हिदायत एवं निर्देशानुसार हर आम व खास को सूचित करता हूं कि श्री चम्पालाल वीरवाल पिता श्री शिवलाल वीरवाल (खटीक, निवासी मकान नं. 155, सेक्टर नम्बर-4, उदयपुर के स्वामित्व एवं आधिपत्य का मकान नम्बर ग-7, सेक्टर-5, उदयपुर में स्थित होकर श्री चम्पालाल वीरवाल को उक्त मकान को किसी भी प्रकार से अंतरित व हस्तांतरितकिये जाने के सम्पूर्ण अधिकार प्राप्त है। श्री चम्पालाल वीरवाल द्वारा अपने उक्त मकान को, श्री वीरवाल समाज सेवा संस्थान, उदयपुर को दान में दिया जाना तय किया गया है। अत: आम व खास को इस आम सूचना के जरिये सूचित किया जाता है कि किसी व्यक्ति,संस्था को उक्त मकान के स्वामित्व के संबंध में किसी भी प्रकार का ऐतराज हो या अन्य कोई दस्तावेज रखता हो तो वह सात दिवस के भीतर मुझ अधिवक्ता को, मय दस्तावेज सूचित करें। उक्त अवधि के उपरान्त यदि इस सम्बन्ध में किसी प्रकार की आपत्ति की जाती है तो वह श्री वीरवाल समाज सेवा संस्थान के विरूद्ध शून्य एवं बेअसर होगी एवं इससे सम्बन्धित सम्पूर्ण हर्जे-खर्चे का उत्तरदायित्व सम्बन्धित का रहेगा, सो सूचित रहे। दि.-08.08.2024

प्रवीण गदिया, एडवोकेट
1-क-25, सेक्टर 4, उदयपुर
मो.8949978282

ऑनलाइन क्विज का आयोजन

कुलपति एस.एस. सारंगदेवोत ने क्विज का ऑनलाइन उद्घाटन किया।

उदयपुर, (कासं)। जनार्दन राय नागर राजस्थान विद्यापीठ द्वारा भक्त शिरोमणि मीराबाई के त्याग एवं बलिदान को जन जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से उनके जीवन व कार्यों पर आधारित राष्ट्रीय स्तर की ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया गया।

कुलपति प्रो. एस.एस. सारंगदेवोत ने क्विज का ऑनलाइन उद्घाटन करते हुए कहा कि यह आयोजन भारत की समृद्ध सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत को जानने का एक अनूठा अवसर है। इस प्रश्नोत्तरी में मीरा बाई के जीवन के विभिन्न पहलुओं, उनका गहरा आध्यात्मिक ज्ञान और उनके योगदान शामिल हैं। कई चुनौतियों के बावजूद उनकी भक्ति अटूट रही। इस तरह के क्विज न केवल ज्ञान का परीक्षण करते हैं, बल्कि प्रतिभागियों को प्रेम, भक्ति और आध्यात्मिकता के गहन विषयों को समझने के लिए प्रेरित भी करते हैं।प्रश्नोत्तरी के संयोजक डॉ. यज्ञ आमेटा ने बताया कि शैक्षिक नवाचार और उत्कृष्टता की प्रतीक इस प्रश्नोत्तरी में बडी संख्या में प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रश्नों के माध्यम से, प्रतिभागी मीरा बाई के भक्तिरस और दर्शन से जुडे हैं, उनके अटूट विश्वास और उनके समय के कठोर सामाजिक मानदंडों के प्रति उनके विरोध के बारे में जानकारी प्राप्त की है। इस अवसर पर तकनीकी संचालन डॉ. चंद्रेश छतलानी व विकास डांगी ने तकनीकी सह-संचालन किया। तकनीकी सहयोग डॉ. ललित सालवी ने किया। प्रश्नोत्तरी की अखंडता और निष्पक्षता सुनिश्चित करने हेतु आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित सॉफ्टवेयर का प्रयोग किया।

कुलपति की राज्यपाल से भेंट

उदयपुर, (कासं)। डा.अजीत कुमार कर्नाटक, कुलपति महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि, उदयपुर ने जयपुर राजभवन में राज्यपाल व विवि के कुलाधिपति हरिभाऊ किसनराव बागडे से शिष्टाचार भेंट की तथा गुलदस्ता व उपरणा भेंट किया। उन्होंने राज्यपाल को वार्षिक प्रतिवेदन तथा विवि में विद्यार्थियों द्वारा अनुभवात्मक शिक्षण प्रयोगशाला में उत्पादित मशरूम खाद्य व पेय पदार्थ तथा परिधान प्रस्तुत करते हुए शिक्षण, शोध, प्रसार, शिक्षा व उद्यमिता विकास हेतू किये जा रहे कार्यो का विस्तृत ब्यौरा दिया। बैठक में राज्यपाल ने विगत 2 वर्षो में प्राप्त 45 पेटेन्ट व डिजाइन पंजीकरण व नवाचारों पर प्रसन्नता व्यक्त की। डा. कर्नाटक ने राज्यपाल को प्रसंस्करण सम्बन्धी नवाचारों की जानकारी देते हुए सीताफल से गूदा निकाल कर उसे भूरा होने से बचाने व इसके आइसक्रीम उद्योग में उपयोग तथा टमाटर से केचप बनाने जैसे नवाचारों से अवगत करवाया।

उत्तर पश्चिम रेलवे — ऑटोमेटिक टिकिट वेंडिंग मशीन मददगार हेतु आवेदन आमंत्रण अधिसूचना

संख्या: C/436/Facilitator/2015/Vol.-II, दिनांक: 05.08.2024

कार्य का नाम: वरि. मंडल वाणिज्य प्रबंधक, उत्तर पश्चिम रेलवे, अजमेर द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से अजमेर मंडल के NSG-2 से NSG-6 श्रेणी के निम्न स्टेशनों (अजमेर जं., मारवाड़ जं., रानी, फालना, भीलवाड़ा, राणाप्रतापनगर, मावली, उदयपुर सिटी, बिजयनगर, पिंडवाड़ा, मदार, दौराई, नसीराबाद, डुंगरपुर) पर ऑटोमेटिक टिकिट वेंडिंग मशीन से अनारक्षित रेल टिकटों की बिक्री हेतु ऑटोमेटिक टिकिट वेंडिंग मशीन मददगार के चयन करने हेतु आवेदन फार्म में उल्लेखित शर्तों एवं ऐसी शर्तें, जो समय-समय पर विहित की जाएगी, को पूरा करने वाले इच्छुक व्यक्तियों से दिनांक 10.09.2024 तक आवेदन पत्र आमंत्रित किए जाते हैं। कार्य का प्रारम्भिक कार्यकाल 31.03.2025 तक होगा। **(1)** आवेदन पत्र प्रस्तुत करने की दिनांक व समय 10.09.2024 को 10:00 बजे से 10.09.2024 को 15:00 बजे तक। **(2)** आवेदन पत्र खोलने की दिनांक व समय 10.09.2024 को 15:30 बजे **(3)** आवेदन पत्र के सम्बंध में सम्पूर्ण जानकारी उ.प. रेलवे की वेबसाइट https://nwr.indianrailways.gov.in पर उपलब्ध हैं।

922-DK/24

हमें /NWRailways NWRailways_ पर फॉलो करें

प्रारूप-10 (नियम-6 (7) देखिए)

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी एवं आयुक्त नगर पालिका, नाथद्वारा

सं./न.पा.नाथ/90क/24/9946 दिनांक :1/8/2024

लोक-सूचना

श्री हिमांशु मीणा पिता श्री नरेन्द्र कुमार मीणा निवासी मीरा नगर, प्रतापनगर उदयपुर (राज.) ने इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का गैर-कृषिक प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अधिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात-

जिले सहित तहसील का नाम	ग्राम का नाम	खसरा संख्या	क्षेत्र
नाथद्वारा जिला-राजसमन्द	उपली ओडन	2589/491	कुल रकबा 1.2646 हैक्टेयर भूमि

इसलिए, इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अधिधृति अधिनियम 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अधिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर किसी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा। उपर्युक्त नियत समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जावेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है और तदनुसार मामले का निपटारा किया जायेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज दिनांक 1/8/2024 को जारी की गयी।

प्राधिकृत अधिकारी एवं आयुक्त, नगर पालिका नाथद्वारा

हरियालो राजस्थान-एक पेड़ मां के नाम वृक्षारोपण अभियान का आगाज

उदयपुर, (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल पर राज्यभर में हरियाली तीज के अवसर पर हरियालो राजस्थान का संदेश साकार हुआ। बुधवार को प्रदेशभर में हरियालो राजस्थान-एक पेड़ माँ के नाम सघन वृक्षारोपण अभियान का आगाज हुआ। मिशन'हरियालो राजस्थान' (एक पेड़ मां के नाम) का जिला स्तरीय कार्यक्रम उदयपुर शहर के गोर्वधन सागर स्थित स्मृति वन में आयोजित हुआ। यहां सघन पौधरोपण के लिए मातृशक्ति उमड़ी और देखते ही देखते सैकड़ों पौधें लगा दिए गए।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ग्रामीण विधायक फूलसिंह मीणा ने कहा कि हरियालो राजस्थान कार्यक्रम मुख्यमंत्री का महत्वकांक्षी अभियान है और इसके तहत पूरे जिलेभर में सघन वृक्षारोपण किया जाएगा, इसलिए हर परिवार में प्रत्येक सदस्य कम से कम एक पेड़ अपनी मां के नाम अवश्य लगाए और उसे जीवित रखें।

पब्लिक सर्विसेज निदेशक व जन अभियोग निराकरण विभाग के विशिष्ट शासन सचिव वप्रभारी सचिव हरिमोहन मीणा ने कहा कि यह अभियान सरकार का एक महत्वपूर्ण अभियान है इसके तहत उदयपुर जिले में आज 4 लाख से अधिक पौधरोपण किया जाएगा, यदि एक व्यक्ति एक पौधा भी लगाए तो भी अच्छी तादाद में पौधारोपण हो सकता है। पर्यावरण पर खतरे को देखते हुए वृक्षारोपण इस समय नितांत आवश्यक है प्रत्येक नागरिक जो पौधारोपण करता है उसे पौधों को बच्चों की तरह बड़ा करना चाहिए। इस अवसर पर संभागीय आयुक्त राजेन्द्र भट्ट, जिला कलेक्टर अरविंद कुमार पोसवाल, नगर निगम महापौर जीएस टांक, पूर्व विधायक बंशीलाल खटीक, समाजसेवी रविन्द्र श्रीमाली आदि ने भी संबोधित किया और प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री की मंशाओं के अनुरूप हरियालो राजस्थान के संकल्प को साकार करने का आह्वान किया। समारोह में मुख्य वन संरक्षक एसआर वैंकेटेश्वर मूर्थी , यूडीए सचिव राहुल जैन, निगम आयुक्त रामप्रकाश, डीएफओ अजय चित्तौड़ा, मुकेश सैनी, डीके तिवारी सहित बड़ी संख्या में विभागीय अधिकारियों, स्थानीय जनप्रतिनिधियों, प्रबुद्धजनों, स्काउट-गाइड, छात्र छात्राओं एवं आमजन ने पौधरोपण किया। इस अवसर पर उल्लेखनीय कार्य करने वाले कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित भी किया गया।

मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप मिशन 'हरियालो राजस्थान' के इस जिला स्तरीय कार्यक्रम में महिलाओं व बच्चों के साथ हर वर्ग के अपार उत्साह को देखते हुए वक्ताओं ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए उदयपुरवासी प्रतिबद्ध है। आज जिले में इस कार्यक्रम के तहत लगभग सवा चार लाख पौधे लगाए गये है। आह्वान किया गया कि एक पेड-मां के नाम के तहत आज जो पेड-पौधे लगाए गये है उनका पालन-पोषण और संरक्षण बच्चों की तरह करना होगा। कलक्टर अरविंद पोसवाल ने बताया कि अगले दो माह में जिलेभर में 22 लाख पौधे लगाने का लक्ष्य है।

कावड़ यात्रा गंगोदभव से रवाना होगी

उदयपुर, (कासं)। कावड़ यात्रा गंगोदभव से गुरूवार प्रात: 10 बजे विधि विधान सेपूजा अर्चना कर गंकुकुण्ड से श्री महाकाल मंदिर के लिये प्रस्थान करेगी।

कावड यात्रा व शोभा यात्रा को भव्यता प्रदान करने हेतु कई शिव भक्त कावड तैयार करने में लगे हुए है। श्री महाकालेश्वर कावड यात्रा समिति की महिला संयोजक अर्चना शर्मा, कुसुम शर्मा, मंजु त्रिपाठी, तुलसी नागदा कविता शर्मा, मनीष मोड कावड समिति के अध्यक्ष के.के.शर्मा, उपाध्यक्ष राधेश्याम सिखवाल, लक्ष्मीकान्त जोशी, सुधीर पोद्दार, अर्जुन धाभाई, हिम्मतालाल नागदा, मोहनलाल साहू, हरिश आर्य, रमेश भावसार, भैरूलाल गायरी, भंवर चौधरी, सत्यनारायण पालीवाल, गोविन्द पालीवाल, प्रेमसिंह रावत, भगवतीलाल चित्तौडा, पुष्कर शर्मा, महेश शर्मा, महेश पालीवाल, लव वर्मा, मोहनलाल पालीवाल, सोहन सुथार, राजकुमार पारिक, योगेन्द्र शर्मा सहित कई शिवभक्त आयड स्थित गंगोदभव आयड पर कावड यात्रा व शोभा यात्रा हेतु चल रही तैयारियों सहयोग किया। कावड यात्रा समिति के अध्यक्ष के.के.शर्मा ने बताया कि कावड यात्रा प्रात: 10 बजे विधि विधान पूजा अर्चना कर गंकुकुण्ड से श्री महाकाल मंदिर के लिये प्रस्थान करेगी। मीडिया प्रभारी राजेश पूर्बिया ने बताया कि कावड यात्रा श्री महाकाल मंदिर के पाटोत्सव के अवसर पर पिछले 11 वर्षो से निकाली जा रही है।

कार्यालय ग्राम पंचायत घाटी

पंचायत समिति व जिला-राजसमन्द

क्रमांक : ग्रा.प.व./2024-25/57 दि. 06.08.2024

-: ई-निविदा सूचना :-

ग्राम पचांयत के निर्माण कार्यों हेतु निविदा क्रमांक 57/06.08.2024 के अनुसार ऑनलाइन निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा सूचना का विवरण www.sppp.rajasthan.gov.in एवं www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखी एवं Download कर प्राप्त की जा सकती हैं।

NIB No. - ZRR2425A0165

UBN No. - ZRR2425GLOB00296

सरपंच ग्राम पंचायत घाटी

ग्राम विकास अधिकारी ग्राम पंचायत घाटी

SRG HOUSING FINANCE LIMITED

एसआरजी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड

CIN: L65922RJ1999PLC015440
321, एस.एम. लोढ़ा कॉम्प्लेक्स, शास्त्री सर्किल के पास, उदयपुर - 313001 (राजस्थान)
दूरभाष : 0294-2412609, ईमेल: info@srghousing.com, वेबसाइट: www.srghousing.com

मांग पत्र अंतर्गत धारा 13(2) सरफेसी एक्ट 2002

अधोहस्ताक्षरी, जो एसआरजी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड का प्राधिकृत अधिकारी है, ने वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन तथा प्रतिभूतिहित का प्रवर्तन अधिनियम, 2002 की धारा 13(12) के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एवं सपठित प्रतिभूति हित(प्रवर्तन) नियम 2002 के नियम 3 के अंतर्गत निम्न ऋणी/सहऋणियों/बन्धककर्ता/जमानतियों को एक मांग पत्र उसमे उल्लेखित रकम जो नीचे दर्शायी गई है, उक्त मांग पत्र की तारीख से 60 दिवस के भीतर प्रतिदाय करने की ''मांग करने'' के लिए जारी किया था। अधोहस्ताक्षरी को इस बात का विश्वास है कि ऋणी/ सहऋणियों/बन्धककर्ता/जमानतियों द्वारा मांग पत्र की तामिल से बचा जा रहा है, इस कारण उक्त मांग पत्र की तामिल को प्रभावी करने हेतु उक्त मांग पत्र के घटकों को अखबार में प्रकाशित किया जा रहा है। ऋणी/सहऋणियों/बन्धककर्ता/जमानतियों को यह सूचना दी जाती है कि वे इस प्रकाशन से 60 दिवस के भीतर उक्तमांग पत्र में चाही गई दिनांक तक की राशि व अदायगी तक ब्याज, पेनल ब्याज, आदि अतिरिक्त कंपनी को अदा कर रसीद प्राप्त कर लेंवे। उक्त रकम की जानकारी आप कंपनी के अधिकारी से प्राप्त करके ऑनलाइन माध्यम से भी जमा करा सकते है। ऑनलाइन जमा करने के लिए आप कंपनी की वेबसाइट WWW.SRGHOUSING.COM पर जाकर अपने डेबिट/क्रेडिट/NEFT/RTGS/UPI के माध्यम से करा सकते है और सम्बंधित अधिकारी को इसकी जानकारी प्रदान करे। उक्त रकम का प्रतिदाय करने में असफल रहने पर ऋणी, सहऋणियों, बन्धककर्ता व उनके जमानतदारों को यह सूचना दी जाती है कि अधोहस्ताक्षरी द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 13(4) के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए बंधक रखी गयी सम्पति का कब्जा ले लिया जाएगा एवं अपने प्रतिभूति हित के प्रवर्तन हेतु उक्त अधिनियम की धारा 14 में वर्णित अधिकारों व अधिनियम के अन्य प्रावधानों का प्रयोग कर सकेगा। आपको अधिनियम की धारा 13(13) के तहत भी सूचित और आगाह किया जाता है की नीचे वर्णित बंधक संपत्ति को प्रेषक कंपनी से लिखित सहमती प्राप्त किये बगैर किसी अन्य को किसी भी रूप से अंतरित/हस्तांतरित न करें। अधोहस्ताक्षरी उक्तबंधक रखी गयी सम्पति के उन्मोचन हेतु उपलब्ध समय के सम्बन्ध में उक्त एक्ट की धारा 13(8) की ओर ऋणी, सहऋणियों, बन्धककर्ता एवं जमानतियों का ध्यान आकृष्ट करता है।

क्र.	ऋण खाता संख्या/ ऋणी/ सहऋणी/ जमानती	1) मांग पत्र की दिनांक 2) मांग राशि मांग पत्र अनुसार	स्थावर संपत्ति का विवरण
1	HLR00000000002572 श्रीमती चटकी देवी चौधरी पत्नी स्व. श्री माला राम चौधरी (स्व. श्री माला राम चौधरी की विधिक उत्तराधिकारी)(ऋणी) श्री धवल चौधरी पुत्र श्री स्व. श्री माला राम (विधिक उत्तराधिकारी सरंक्षक के रूप में माता के माध्यम से)(ऋणी) श्री क्रिश चौधरी पुत्र श्री स्व. श्री माला राम चौधरी (विधिक उत्तराधिकारी सरंक्षक के रूप में माता के माध्यम से)(ऋणी) श्रीमती चटकी देवी चौधरी पत्नी स्व. श्री माला राम चौधरी(सह-ऋणी-1) श्री उका राम चौधरी पुत्र श्री रंगाराम चौधरी(सह-ऋणी-2) श्री रंगाराम पुत्र श्री सोना राम (सह-ऋणी-3) श्री भेरू राम पुत्र श्री काना राम(जमानती-1) श्री पदमभाई नागाभाई चौधरी पुत्र श्री नागाभाई चौधरी (जमानती-2)	1) मांग पत्र की दिनांक- मई 06, 2024 2) मांग पत्र में अंकित राशि रु. 16,97,960/- अक्षरे रूपये सोलह लाख सतानवे हजार नो सौ साठ मात्र दिनांक मई 02, 2024 तक एवं दिनांक मई 03, 2024 से भविष्य के ब्याज व खर्चे अतिरिक्त।	श्री रंगाराम चौधरी पुत्र श्री सोना जी चौधरी की संपत्ति जो पट्टा नं. 04, ग्राम- मंदावाला, तहसील-जालौर, जिला-जालौर (राज.) पर स्थित है जिसमें भूमि, भवन एवं ढांचा आदि जो सभी संपत्ति के अभिन्न अंग है जिसका माप लगभग 13860.00 वर्गफीट है। जिसकी चतुसीमा निम्न है- पूर्व-पतराम हकामजी, पश्चिम-आम रास्ता, उत्तर-मोनाराम सोनाजी चौधरी, दक्षिण- चमन खां-अकबर खां
2.	HLR00000000003325 श्री कांति लाल नाई पुत्र श्री नाथू नाई (ऋणी) श्रीमती रमीला देवी नाई पत्नी श्री कांति लाल नाई (सह-ऋणी) श्री नरेश नाई पुत्र श्री प्रताप कुमार नाई(जमानती)	1) मांग पत्र की दिनांक- मई 14, 2024 2) मांग पत्र में अंकित राशि रु. 16,71,170/- अक्षरे रूपये सोलह लाख इकत्तर हजार एक सौ सत्तर मात्र दिनांक मई 11, 2024 तक एवं दिनांक मई 12, 2024 से भविष्य के ब्याज व खर्चे अतिरिक्त।	श्री कांति लाल पुत्र श्री नाथू वेद(नाई) की संपत्ति जो खसरा नं.- 2195, ग्राम-डेचा, ग्राम पंचायत-डेच, तहसील-सागवाड़ा, जिला-डूंगरपुर(राज.) पर स्थित है जिसमें भूमि, भवन एवं ढांचा आदि जो सभी संपत्ति के अभिन्न अंग है जिसका माप लगभग 576.00 वर्गफीट है। जिसकी चतुसीमा निम्न है- पूर्व-बरामदा उसके बाद रोड, पश्चिम-श्री रूपेंग का खेत, उत्तर-श्री कन्हैया लाल पुत्र श्री जीवा का मकान, दक्षिण-मगन पुत्र नाथू का मकान
3.	HLR00000000010850 श्री दिलीप दमामी पुत्र श्री भैरू लाल दमामी(ऋणी) श्रीमती इंद्रा देवी पत्नी श्री भंवर लाल(सह-ऋणी-1) श्री भंवर लाल पुत्र श्री तुलसी राम(सह-ऋणी-2) श्री दिनेश सरगरा पुत्र श्री बंशी लाल सरगरा(जमानती)	1) मांग पत्र की दिनांक- मई 20, 2024 2) मांग पत्र में अंकित राशि रु. 4,55,510/- अक्षरे रूपये चार लाख पचपन हजार पांच सौ दस मात्र दिनांक मई 13, 2024 तक एवं दिनांक मई 14, 2024 से भविष्य के ब्याज व खर्चे अतिरिक्त।	श्री दिलीप दमामी पुत्र श्री भैरू लाल दमामी की संपत्ति जो कि पट्टा नं.-02, मिस्सल नं.-361/2017, ग्राम पंचायत-गुरला, तहसील -सुवाना, जिला-भीलवाड़ा (राज.) पर स्थित है जिसमें भूमि, भवन एवं ढांचा आदि जो सभी संपत्ति के अभिन्न अंग है जिसका माप लगभग 1350.00 वर्गफीट है। जिसकी चतुसीमा निम्न है- पूर्व-आम रास्ता, पश्चिम-श्री मथुरा लाल तेली, उत्तर-सरकारी ज़मीन, दक्षिण-आम रास्ता
4.	HLR00000000012178 श्री भरत कुमार पुत्र श्री काना राम(ऋणी) श्रीमती नीतू पत्नी श्री भरत कुमार(सह-ऋणी-1) श्रीमती नावु देवी पत्नी श्री काना राम(सह-ऋणी-2) श्री मंगला राम पुत्र श्री रमेश कुमार(जमानती)	1) मांग पत्र की दिनांक- मई 25, 2024 2) मांग पत्र में अंकित राशि रु. 6,12,140/- अक्षरे रूपये छः लाख बारह हजार एक सौ चालीस मात्र दिनांक मई 11, 2024 तक एवं दिनांक मई 12, 2024 से भविष्य के ब्याज व खर्चे अतिरिक्त।	श्रीमती नावु देवी पत्नी श्री काना राम, की संपत्ति जो कि पट्टा नं.- 19, बुक नं.-58, ग्राम-गुलाबगंज, ग्राम पंचायत-गुलाबगंज, तहसील-रेओदर, जिला-सिरोही (राज.) पर स्थित है जिसमें भूमि, भवन एवं ढांचा आदि जो सभी संपत्ति के अभिन्न अंग है जिसका माप लगभग 1320.00 वर्गफीट है। जिसकी चतुसीमा निम्न है- पूर्व-दरवाजा और रास्ता, पश्चिम-गली और जग्गा राम का मकान, उत्तर-लुबाराम का मकान, दक्षिण-बाबुराम का मकान
5.	HLR00000000005506 श्री मोहब्बत सिंह राजपूत पुत्र श्री भेरू सिंह राजपूत(ऋणी) श्रीमती देवी बाई राजपूत पत्नी श्री मोहब्बत सिंह राजपूत(सह-ऋणी) श्री मंगला लाल पुत्र श्री चंपा लाल (जमानती)	1) मांग पत्र की दिनांक- मई 14, 2024 2) मांग पत्र में अंकित राशि रु. 1,76,500/- अक्षरे रूपये एक लाख छिहत्तर हजार और पांच सौ मात्र दिनांक मई 11, 2024 तक एवं दिनांक मई 12, 2024 से भविष्य के ब्याज व खर्चे अतिरिक्त।	श्री मोहब्बत सिंह राजपूत पुत्र श्री भेरू सिंह राजपूत, की संपत्ति जो कि पट्टा नं.-32760, मिस्सल नं.-82, ग्राम पंचायत-जावद, पंचायत समिति-सराडा, तहसील-सराडा, जिला-उदयपुर (राज.) पर स्थित है जिसमें भूमि, भवन एवं ढांचा आदि जो सभी संपत्ति के अभिन्न अंग है जिसका माप लगभग 617.50 वर्गफीट है। जिसकी चतुसीमा निम्न है- पूर्व-स्वयं का चौक, पश्चिम- रास्ता, उत्तर-स्वयं का बाड़ा, दक्षिण-भंवर सिंह का मकान
6.	HLR00000000010458 श्री कालू लाल खार पुत्र श्री गणेश लाल खार(ऋणी) श्रीमती पूजा खार पत्नी श्री कालू लाल खार(सह-ऋणी) श्री राकेश कुमार दरोगा पुत्र श्री सोवन लाल दरोगा (जमानती)	1) मांग पत्र की दिनांक- मई 14, 2024 2) मांग पत्र में अंकित राशि रु. 3,57,290/- अक्षरे रूपय तीन लाख सतानवे हजार दो सौ नब्बे मात्र दिनांक मई 11, 2024 तक एवं दिनांक मई 12, 2024 से भविष्य के ब्याज व खर्चे अतिरिक्त।	श्री कालू लाल खार पुत्र श्री गणेश लाल खार, की संपत्ति जो कि पट्टा नं.-49, बुक नं.-711, ग्राम पंचायत-बिगोड़, पंचायत समिति-मांडलगढ़, तहसील-मांडलगढ़, जिला-भीलवाड़ा(राज.) पर स्थित है जिसमें भूमि, भवन एवं ढांचा आदि जो सभी संपत्ति के अभिन्न अंग है जिसका माप लगभग 607.60 वर्गफीट है। जिसकी चतुसीमा निम्न है- पूर्व-खटवाडा रोड, पश्चिम-स्वयं की भूमि, उत्तर-स्वयं का भूमि, दक्षिण-स्वयं की भूमि
7.	HLR00000000009862 श्री महावीर प्रसाद पुत्र श्री पन्ना राम रेगर(ऋणी) श्रीमती लाली देवी पत्नी श्री महावीर प्रसाद(सह-ऋणी) श्री भागचंद रेगर पुत्र श्री कैलाश चन्द्र(जमानती)	1) मांग पत्र की दिनांक- दिसम्बर 11, 2023 2) मांग पत्र में अंकित राशि रु. 2,86,370/- अक्षरे रूपये दो लाख छियासी हजार तीन सौ सत्तर मात्र दिनांक नवम्बर 20, 2023 तक एवं दिनांक नवम्बर 21, 2023 से भविष्य के ब्याज व खर्चे अतिरिक्त।	श्री महावीर प्रसाद पुत्र श्री पन्ना राम रेगर, की संपत्ति जो पट्टा नं. 16, बुक न. 295, ग्राम-बालापुरा, ग्राम पंचायत-बालापुरा, पंचायत समिति-शाहपुरा, तहसील-शाहपुरा, जिला- भीलवाड़ा (राज.) पर स्थित है जिसमें भूमि, भवन एवं ढांचा आदि जो सभी संपत्ति के अभिन्न अंग है जिसका माप लगभग 1598.01 वर्गफीट है। जिसकी चतुसीमा निम्न है- पूर्व-रास्ता, पश्चिम-आबादी पडत भूमि, उत्तर-रामदेव रेगर, दक्षिण-रास्ता चौक
8.	HLR00000000014069 श्री कान सिंह पुत्र श्री प्रह्लाद सिंह(ऋणी) श्रीमती संतोष कुंवर पत्नी श्री प्रह्लाद सिंह(सह-ऋणी-1) श्री प्रह्लाद सिंह राजपूत पुत्र श्री बद्री सिंह राजपूत(सह-ऋणी-2) श्री कमल खंडेलवाल पुत्र श्री अरुण कुमार(जमानती)	1) मांग पत्र की दिनांक- फरवरी 12, 2024 2) मांग पत्र में अंकित राशि रु. 3,43,840/- अक्षरे रूपये तीन लाख तियालीस हजार आठ सौ चालीस मात्र दिनांक फरवरी 12, 2024 तक एवं दिनांक फरवरी 13, 2024 से भविष्य के ब्याज व खर्चे अतिरिक्त।	श्री प्रह्लाद सिंह चौहान पुत्र श्री बद्री सिंह, की संपत्ति जो कि पट्टा नं. -01, बुक नं.-228, आराजी नं.-1954, ग्राम-नरेला, ग्राम पंचायत-नरेला तहसील-चित्तौड़गढ़, जिला-चित्तौड़गढ़(राज.) पर स्थित है जिसमें भूमि, भवन एवं ढांचा आदि जो सभी संपत्ति के अभिन्न अंग है जिसका माप लगभग 714.00 वर्गफीट है। जिसकी चतुसीमा निम्न है- पूर्व-आम चौक, पश्चिम-रमेश पारिक का मकान, उत्तर-राजेश सिंह चौहान का मकान, दक्षिण- रमेश सिंह चौहान का मकान
9.	HLR00000000013689 श्री ईश्वर खटिक पुत्र श्री लक्ष्मण खटिक(ऋणी) श्री नारायण लाल खटिक पुत्र श्री लक्ष्मण खटिक(सह-ऋणी-1) श्रीमती गमेरी बाई पुत्र श्री लक्ष्मण खटिक (सह-ऋणी-2) श्री भेरू लाल खटिक पुत्र श्री लाडू लाल खटिक(जमानती)	1) मांग पत्र की दिनांक- फरवरी 23, 2024 2) मांग पत्र में अंकित राशि रु. 5,45,990/- अक्षरे रूपये पांच लाख पैतालीस हजार नौ सौ नब्बे मात्र दिनांक फरवरी 12, 2024 तक एवं दिनांक फरवरी 13, 2024 से भविष्य के ब्याज व खर्चे अतिरिक्त।	श्रीमती गमेरी बाई पुत्र श्री लक्ष्मण खटिक, की संपत्ति जो कि पट्टा नं.-03, बुक नं.-43, ग्राम-निकुम्भ, ग्राम पंचायत-निकुम्भ, पंचायत समिति-बड़ी सादड़ी, तहसील-बड़ी सादड़ी, जिला-चित्तौडगढ़ (राज.) पर स्थित है जिसमें भूमि, भवन एवं ढांचा आदि जो सभी संपत्ति के अभिन्न अंग है जिसका माप लगभग 1740.00 वर्गफीट है। जिसकी चतुसीमा निम्न है- पूर्व- रास्ता, पश्चिम- पहाड़ी क्षेत्र, उत्तर- श्री जमरिश खां का मकान, दक्षिण- लक्ष्मण का मकान
10.	HLR00000000010311 श्री गोपाल लाल पुत्र श्री रामचंद्र (ऋणी) श्रीमती गीता देवी पुत्र श्री गोपाल लाल (सह-ऋणी-1) श्री देवेन्द्र कुमार ढोली पुत्र श्री गोपाल लाल ढोली(सह-ऋणी-2) श्री नकुल ढोली पुत्र श्री गोपाल लाल ढोली (सह-ऋणी-2) श्री यशकरण ढोली पुत्र श्री मगना लाल ढोली(जमानती)	1) मांग पत्र की दिनांक- फरवरी 26, 2024 2) मांग पत्र में अंकित राशि रु. 4,34,050/- अक्षरे रूपये चार लाख चौतीस हजार और पचास मात्र दिनांक फरवरी 12, 2024 तक एवं दिनांक फरवरी 13, 2024 से भविष्य के ब्याज व खर्चे अतिरिक्त।	श्री गोपाल लाल ढोली पुत्र श्री रामचंद्र ढोली, की संपत्ति जो कि पट्टा नं.-10, मिस्सल नं.-59, ग्राम पंचायत-आमेसर, ग्राम-माताजी का खेडा, पंचायत समिति-आसींद, तहसील-आसींद, जिला-भीलवाड़ा (राज.) पर स्थित है जिसमें भूमि, भवन एवं ढांचा आदि जो सभी संपत्ति के अभिन्न अंग है जिसका माप लगभग 2698.00 वर्गफीट है। जिसकी चतुसीमा निम्न है- पूर्व- आम रास्ता, पश्चिम- श्री प्रभु- लक्ष्मण, दुदा, लक्ष्मण, उत्तर- श्रवण, जग्गू, भोमा-भंवर, दक्षिण- श्री राम लाल-नानु व राधेश्याम
11.	HLR00000000013418 श्री वचना राम पुत्र श्री हरि राम(ऋणी) श्रीमती सीमा देवी पत्नी श्री वचना राम(सह-ऋणी) श्री छेला राम पुत्र श्री केसा राम(जमानती)	1) मांग पत्र की दिनांक- मार्च 02, 2024 2) मांग पत्र में अंकित राशि रु. 3,99,940/- अक्षरे रूपये तीन लाख निनायावे हजार नौ सौ चालीस मात्र दिनांक फरवरी 26, 2024 तक एवं दिनांक फरवरी 27, 2024 से भविष्य के ब्याज व खर्चे अतिरिक्त।	श्री वचना राम पुत्र श्री हरी राम, की संपत्ति जो कि पट्टा नं.-31, बुक नं.-134, ग्राम-वरनी, ग्राम पंचायत-वरनी, पंचायत समिति -अहोर, तहसील-अहोर, जिला-जालोर (राज.) पर स्थित है जिसमें भूमि, भवन एवं ढांचा आदि जो सभी संपत्ति के अभिन्न अंग है जिसका माप लगभग 155.83 वर्गगज है। जिसकी चतुसीमा निम्न है- पूर्व- दरवाजा और रास्ता, पश्चिम-श्री हरिराम/ भला जी मेघवाल, उत्तर-श्री मंगलाराम / भल्ला जी मेघवाल, दक्षिण-गली और हरी राम
12.	HLR00000000013442 श्री नारायण लाल नाई पुत्र श्री रमेश चन्द्र नाई(ऋणी) श्रीमती पूर्णिमा सेन पत्नी श्री नारायण लाल सेन(सह-ऋणी-1) श्री रमेश सेन पुत्र श्री चंपा लाल(सह-ऋणी-2) श्री भंवर लाल मल्होत्रा पुत्र श्री बाबु लाल मल्होत्रा (जमानती)	1) मांग पत्र की दिनांक- मार्च 02, 2024 2) मांग पत्र में अंकित राशि रु. 5,41,720/- अक्षरे रूपये पांच लाख इकतालीस हजार सात सौ बीस मात्र दिनांक फरवरी 26, 2024 तक एवं दिनांक फरवरी 27, 2024 से भविष्य के ब्याज व खर्चे अतिरिक्त।	श्री रमेश सेन पुत्र श्री चंपा लाल सेन, की संपत्ति जो कि पट्टा नं.- 31, बुक नं.-78, ग्राम-मांगरोल, ग्राम पंचायत-मांगरोल, पंचायत समिति-निम्बाहेड़ा, तहसील-निम्बाहेड़ा, जिला- चितौडगढ़ (राज.) पर स्थित है जिसमें भूमि, भवन एवं ढांचा आदि जो सभी संपत्ति के अभिन्न अंग है जिसका माप लगभग 1350.00 वर्गफीट है। जिसकी चतुसीमा निम्न है- पूर्व-आम रास्ता, पश्चिम-मौज्दीन मंसूरी का मकान, उत्तर-राजमल तेली का प्लाट, दक्षिण-गोकल खटिक का मकान
13.	HLR00000000011669 श्री राहुल मीणा पुत्र श्री नारायण लाल मीणा(ऋणी) श्रीमती मीना पत्नी श्री राहुल मीणा (सह-ऋणी) श्री प्रवीण सूत्रधार पुत्र श्री खुमान लाल सूत्रधार(जमानती-1) श्री ललित कुमार मीणा पुत्र श्री कैलाश चन्द्र (जमानती-2)	1) मांग पत्र की दिनांक- मार्च 06, 2024 2) मांग पत्र में अंकित राशि रु. 8,57,930/- अक्षरे रूपये आठ लाख सतावन हजार नौ सौ तीस मात्र दिनांक फरवरी 26, 2024 तक एवं दिनांक फरवरी 27, 2024 से भविष्य के ब्याज व खर्चे अतिरिक्त।	श्री राहुल मीणा पुत्र श्री नारायण लाल मीणा, की संपत्ति जो कि खसरा नं.-1991/8, पट्टा नं.-92, ग्राम व ग्राम पंचायत-साबला, तहसील-साबला, जिला-डूंगरपुर (राज.) पर स्थित है जिसमें भूमि, भवन एवं ढांचा आदि जो सभी संपत्ति के अभिन्न अंग है जिसका माप लगभग 972.80 वर्गफीट है। जिसकी चतुसीमा निम्न है- पूर्व-आम रास्ता, पश्चिम-श्री कानु / हकरिया का प्लाट, उत्तर-श्री रणछोड़ / केवाजी का मकान, दक्षिण-आम रास्ता
14.	HLR00000000012664 श्री सुरेश मेघवाल पुत्र श्री सक्का राम(ऋणी) श्रीमती तुलसी देवी पत्नी श्री सक्का राम(सह-ऋणी) श्री रमेश कुमार पुत्र श्री मन्ना राम(जमानती)	1) मांग पत्र की दिनांक- मार्च 07, 2024 2) मांग पत्र में अंकित राशि रु. 7,89,100/- अक्षरे रूपये सात लाख उन्नाब्बे हजार एक सौ मात्र दिनांक फरवरी 26, 2024 तक एवं दिनांक फरवरी 27, 2024 से भविष्य के ब्याज व खर्चे अतिरिक्त।	श्री सुरेश मेघवाल पुत्र श्री सक्का राम, की संपत्ति जो कि पट्टा नं.- 14, बुक नं.-33, ग्राम-कोतबलियाँ, ग्राम पंचायत- कोतबलियाँ, पंचायत समिति-बाली, तहसील-बाली, जिला पाली(राज.) पर स्थित है जिसमें भूमि, भवन एवं ढांचा आदि जो सभी संपत्ति के अभिन्न अंग है जिसका माप लगभग 1251.25 वर्गफीट है। जिसकी चतुसीमा निम्न है- पूर्व-दरवाजा और आम रास्ता, पश्चिम-आम रास्ता, उत्तर-श्री शंकर / सामा जी का मकान, दक्षिण-श्री पोकर जी/ मुला जी का मकान
15.	HLR00000000013294 श्री नटवर लाल कलाल पुत्र श्री प्रभु लाल कलाल(ऋणी) श्रीमती मंजू देवी पटेल पत्नी श्री शिव लाल कलाल(सह-ऋणी-1) श्रीमती सविता देवी पटेल पत्नी श्री सुरेन्द्र पटेल(सह-ऋणी-2) श्रीमती सुशीला देवी कलाल पत्नी श्री नटवर लाल कलाल (सह-ऋणी-3) श्री भूपेश कलाल पुत्र श्री नटवर लाल कलाल(सह-ऋणी-4) श्रीमती कलावती कलाल पत्नी श्री रमण लाल कलाल (सह-ऋणी-5) श्री देवी लाल खटिक पुत्र श्री गोतम खटिक(जमानती-1) श्री कांति लाल मीणा पुत्र श्री बदा मीणा(जमानती-2)	1) मांग पत्र की दिनांक- मार्च 09, 2024 2) मांग पत्र में अंकित राशि रु. 16,00,180/- अक्षरे रूपये सोलह लाख और एक सौ अस्सी मात्र दिनांक मार्च 09, 2024 तक एवं दिनांक मार्च 10, 2024 से भविष्य के ब्याज व खर्चे अतिरिक्त।	श्री नटवर लाल पुत्र श्री प्रभु लाल कलाल, की संपत्ति जो कि पट्टा नं.-04, खसरा नं.-2215, ग्राम-रामगढ, तहसील-आसपुर, जिला-डूंगरपुर(राज.) पर स्थित है जिसमें भूमि, भवन एवं ढांचा आदि जो सभी संपत्ति के अभिन्न अंग है जिसका माप लगभग 1095.00 वर्गफीट है। जिसकी चतुसीमा निम्न है- पूर्व-20 फीट आंगन / पी.डब्लू.डी. रोड, पश्चिम-10 फीट गली / रमेश कलाल का मकान, उत्तर- मणि लाल का मकान, दक्षिण- शिवलाल का मकान
16.	HLR00000000012137 श्री सम्पत लाल वैष्णव पुत्र श्री बालू दस वैष्णव(ऋणी) श्रीमती नीमा देवी पत्नी श्री भंवर दास(सह-ऋणी) श्री रोशन लाल बैरवा पुत्र श्री मांगी लाल बैरवा(जमानती)	1) मांग पत्र की दिनांक- मार्च 19, 2024 2) मांग पत्र में अंकित राशि रु. 5,56,470/- अक्षरे रूपये पांच लाख छप्पन हजार चार सौ सत्तर मात्र दिनांक मार्च 09, 2024 तक एवं दिनांक मार्च 10, 2024 से भविष्य के ब्याज व खर्चे अतिरिक्त।	श्री सम्पत लाल वैष्णव पुत्र श्री बालू दास वैष्णव, की संपत्ति जो कि पट्टा नं.-6325, ग्राम-छापरी, ग्राम पंचायत-धनेरिया, तहसील-रेलमगरा, जिला-राजसमन्द(राज.) पर स्थित है जिसमें भूमि, भवन एवं ढांचा आदि जो सभी संपत्ति के अभिन्न अंग है जिसका माप लगभग 330.00 वर्गफीट है। जिसकी चतुसीमा निम्न है- पूर्व-आम रास्ता, पश्चिम-श्री रमेश वैष्णव का मकान, उत्तर-रास्ता, दक्षिण- श्री माधु खारोल का मकान
17.	HLR00000000007601 श्री मैना देवी पत्नी श्री मूलचंद मालवीय(ऋणी) श्री मूल चंद पुत्र श्री पूनम राम मालवीय(सह-ऋणी-1) श्री दीपक मालवीय पुत्र मूल चंद मालवीय(सह-ऋणी-2) श्री रोहित मालवीय पुत्र श्री मूल चंद मालवीय(सह-ऋणी-3) श्री महावीर चंद पुत्र श्री सोहन लाल(जमानती-1) श्री नारायण लाल पुत्र श्री नेमा राम(जमानती-2)	1) मांग पत्र की दिनांक- मार्च 19, 2024 2) मांग पत्र में अंकित राशि रु. 7,01,640/- अक्षरे रूपये सात लाख एक हजार छः और चालीस मात्र दिनांक मार्च 09, 2024 तक एवं दिनांक मार्च 10, 2024 से भविष्य के ब्याज व खर्चे अतिरिक्त।	श्रीमती मैना देवी पत्नी श्री प्रताप राम, की संपत्ति जो कि पट्टा नं.- 16, मिस्सल नं.-13, खुमानपुरा बाज़ार, ग्राम पंचायत-रानावास, तहसील-मारवाड़ जंक्शन, जिला-पाली(राज.) पर स्थित है जिसमें भूमि, भवन एवं ढांचा आदि जो सभी संपत्ति के अभिन्न अंग है जिसका माप लगभग 1051.00 वर्गफीट है। जिसकी चतुसीमा निम्न है- पूर्व-वालाराम का मकान, पश्चिम-रास्ता, उत्तर-कुंदन मल सेहवाग का नोहरा, दक्षिण-खुमा राम कुमार का मकान
18.	HLR00000000003957 श्री अमर चंद सोनी पुत्र श्री पुखराज(ऋणी) श्री दिलीप सोनी पुत्र श्री अमर चंद(सह-ऋणी) श्री जीतेन्द्र सोनी पुत्र श्री भंवर लाल(जमानती-1) श्री सत्य नारायण पुत्र श्री गोविन्द राम(जमानती-2)	1) मांग पत्र की दिनांक- जून 03, 2024 2) मांग पत्र में अंकित राशि रु. 4,24,320/- अक्षरे रूपये चार लाख चौबीस हजार तीन सौ बीस मात्र दिनांक मई 30, 2024 तक एवं दिनांक मई 31, 2024 से भविष्य के ब्याज व खर्चे अतिरिक्त।	श्री अमर चंद पुत्र श्री पुखराज, की संपत्ति जो कि पट्टा नं.-98, मिस्सल नं.-98, ग्राम पंचायत-ख्वासपुरा, पंचायत समिति-भोपालगढ़, तहसील-भोपालगढ़, जिला-जोधपुर (राज.) पर स्थित है जिसमें भूमि, भवन एवं ढांचा आदि जो सभी संपत्ति के अभिन्न अंग है जिसका माप लगभग 856.00 वर्गफीट है। जिसकी चतुसीमा निम्न है- पूर्व-निकासी और रास्ता, पश्चिम- चंपा लाल जी शर्मा का मकान, उत्तर-बावरी का खेत, दक्षिण- रतनारामजी सतनामी साद का मकान
19.	HLR00000000015835 श्री गोपाल लाल प्रजापत पुत्र श्री जमना लाल प्रजापत(ऋणी) श्री जमना कुम्हार पुत्र श्री हजारी कुम्हार(सह-ऋणी-1) श्रीमती डाली देवी पत्नी श्री गोपाल प्रजापत(सह-ऋणी-2) श्रीमती लाडू प्रजापत पत्नी श्री जमना प्रजापत(सह-ऋणी-3) श्री रतन लाल प्रजापत पुत्र श्री भेरू लाल(जमानती)	1) मांग पत्र की दिनांक- जुन 03, 2024 2) मांग पत्र में अंकित राशि रु. 4,48,940/- अक्षरे रूपये चार लाख अड़तालीस हजार नो सौ चालीस मात्र दिनांक मई 31, 2024 तक एवं दिनांक जून 01, 2024 से भविष्य के ब्याज व खर्चे अतिरिक्त।	श्री जमना लाल कुम्हार पुत्र श्री हजारी कुम्हार, की संपत्ति जो कि पट्टा नं.-217, ग्राम-माधोपुर, ग्राम पंचायत-भोली, पंचायत समिति-सुवाना, तहसील-सुवाना, जिला-भीलवाड़ा (राज.) पर स्थित है जिसमें भूमि, भवन एवं ढांचा आदि जो सभी संपत्ति के अभिन्न अंग है जिसका माप लगभग 2366.00 वर्गफीट है। जिसकी चतुसीमा निम्न है- पूर्व-श्री गणेश, माधु और देवी की सम्पति, पश्चिम-श्री हीरा का सम्पति, उत्तर-श्री काना की सम्पति, दक्षिण-आम रास्ता
20.	HLR00000000013772 श्री श्याम लाल लोहार पुत्र श्री हजारी लाल लोहार(ऋणी) श्रीमती गंगा पत्नी श्री श्याम लाल लोहार(सह-ऋणी) श्री अर्जुन पुरी गोस्वामी पुत्र श्री सोहन पुरी गोस्वामी(जमानती)	1) मांग पत्र की दिनांक- अप्रैल 01, 2024 2) मांग पत्र में अंकित राशि रु. 5,66,360/- अक्षरे रूपये पांच लाख छियासठ हजार तीन सौ साठ मात्र दिनांक मार्च 09, 2024 तक एवं दिनांक मार्च 10, 2024 से भविष्य के ब्याज व खर्चे अतिरिक्त।	श्री श्याम लाल लोहार पुत्र श्री हजारी लाल लोहार की संपत्ति जो पट्टा नं.-44, बुक नं.-13, ग्राम-मुरलिया, ग्राम पंचायत-पीपलवास, तहसील-भदेसर, जिला-चित्तौडगढ (राज.) पर स्थित है जिसमें भूमि, भवन एवं ढांचा आदि जो सभी संपत्ति के अभिन्न अंग है जिसका माप लगभग 874.00 वर्गगज है। जिसकी चतुसीमा निम्न है- पूर्व-रास्ता, पश्चिम-श्री कैलाश / श्री हजारी लाल लोहार, उत्तर-श्री हेमराज/ प्रताप लोहार, दक्षिण-श्री कैलाश / हजारी लोहार
21.	HLR00000000010713 श्री विनोद कुमार खटिक पुत्र श्री भंवर लाल(ऋणी) श्रीमती मैना देवी खटिक पत्नी श्री विनोद कुमार खटिक(सह-ऋणी) श्री ओम प्रकाश मारू पुत्र श्री कालू राम मारू(जमानती)	1) मांग पत्र की दिनांक- अप्रैल 29, 2024 2) मांग पत्र में अंकित राशि रु. 5,48,020/- अक्षरे रूपये पांच लाख अड़तालीस हजार और बीस मात्र दिनांक अप्रैल 24, 2024 तक एवं दिनांक अप्रैल 25, 2024 से भविष्य के ब्याज व खर्चे अतिरिक्त।	श्री विनोद कुमार खटिक पुत्र श्री भंवर खटिक, की संपत्ति जो पट्टा नं. -35, बुक नं.-17, ग्राम-रूपाहेली, पंचायत समिति- हुरडा, तहसील-हुरडा, जिला-भीलवाड़ा(राज.) पर स्थित है जिसमें भूमि, भवन एवं ढांचा आदि जो सभी संपत्ति के अभिन्न अंग है जिसका माप लगभग 1310.40 वर्गफीट है। जिसकी चतुसीमा निम्न है- पूर्व-पूरण / बंशी खटिक, पश्चिम-रामपाल / रामचंद्र खटिक, उत्तर-आम रास्ता, दक्षिण-स्व. श्याम लाल(पच्चीदेवी खटिक)
22.	HLR00000000010242 श्री मुकेश खटिक पुत्र श्री मेवा लाल खटिक(ऋणी) श्रीमती कविता खटिक पत्नी श्री मुकेश खटिक(सह-ऋणी) श्री दिनेश कुमार खटिक पुत्र श्री गणपत खटिक(जमानती)	1) मांग पत्र की दिनांक- मई 02, 2024 2) मांग पत्र में अंकित राशि रु. 1,92,030/- अक्षरे रूपये एक लाख बानवे हजार और तीस मात्र दिनांक अप्रैल 24, 2024 तक एवं दिनांक अप्रैल 25, 2024 से भविष्य के ब्याज व खर्चे अतिरिक्त।	श्री मुकेश खटिक पुत्र श्री मेवा लाल खटिक, की संपत्ति जो कि पट्टा नं.-41, बुक नं.-72, ग्राम-कनसेडी, ग्राम पंचायत- उनडावा, तहसील-गंगरार, जिला-चितौडगढ़ (राज.) पर स्थित है जिसमें भूमि, भवन एवं ढांचा आदि जो सभी संपत्ति के अभिन्न अंग है जिसका माप लगभग 527.00 वर्गफीट है। जिसकी चतुसीमा निम्न है- पूर्व-रोड, पश्चिम-श्री मनीष / श्री राधे श्याम जैसवाल, उत्तर-श्री राधेश्याम / श्री भेरू लाल खटिक, दक्षिण- श्री रमेश / श्री भेरू लाल खटिक
23.	HLR00000000012195 श्री शिव नारायण पुत्र श्री शंकर लाल(ऋणी) श्रीमती उमा देवी खटिक पत्नी श्री शिव नारायण खटिक (सह-ऋणी) श्री जगदीश माधुलाल भील पुत्र श्री माधुलाल भील (जमानती)	1) मांग पत्र की दिनांक- मई 03, 2024 2) मांग पत्र में अंकित राशि रु. 6,05,830/- अक्षरे रूपये छः लाख पांच हजार आठ सौ तीस मात्र दिनांक अप्रैल 24, 2024 तक एवं दिनांक अप्रैल 25, 2024 से भविष्य के ब्याज व खर्चे अतिरिक्त।	श्री शिव नारायण पुत्र श्री शंकर लाल खटिक, की संपत्ति जो पट्टा न. 50, बुक न. 19, ग्राम-पीपलवास, ग्राम पंचायत-पीपलवास, पंचायत समिति-भदेसर, तहसील-भदेसर, जिला-चित्तौडगढ (राज.) पर स्थित है जिसमें भूमि, भवन एवं ढांचा आदि जो सभी संपत्ति के अभिन्न अंग है जिसका माप लगभग 1890.00 वर्गफीट है। जिसकी चतुसीमा निम्न है- पूर्व-रोड, पश्चिम- रोड, उत्तर- श्री महेंद्र / शंकर खटिक का मकान, दक्षिण-रोड और गणेश महादेव मंदिर
24.	HLR00000000003144 श्रीमती पूजा देवी पत्नी श्री सुरेश रेगर(ऋणी) श्री सुरेश रेगर पुत्र श्री जगदीश रेगर (सह-ऋणी-1) श्री जगदीश रेगर पुत्र श्री रमा(सह-ऋणी-2) श्रीमती मैना देवी पत्नी श्री जगदीश(सह-ऋणी-3) श्री गणपत लाल नोगिया पुत्र श्री प्रभु लाल नोगिया(जमानती)	1) मांग पत्र की दिनांक- मई 03, 2024 2) मांग पत्र में अंकित राशि रु. 1,66,030/- अक्षरे रूपये एक लाख छासठ हजार और तीन सौ मात्र दिनांक अप्रैल 24, 2024 तक एवं दिनांक अप्रैल 25, 2024 से भविष्य के ब्याज व खर्चे अतिरिक्त।	श्री जगदीश रेगर पुत्र श्री रमा रेगर, की संपत्ति जो पट्टा न. 85, बुक न. 17, ग्राम-दौलतपुरा, ग्राम-जमोला, पंचायत समिति-मसुदा, तहसील-जामोला, जिला-अजमेर (राज.) पर स्थित है जिसमें भूमि, भवन एवं ढांचा आदि जो सभी संपत्ति के अभिन्न अंग है जिसका माप लगभग 3933.00 वर्गफीट है। जिसकी चतुसीमा निम्न है- पूर्व-नारायण / उगमा, पश्चिम-श्री मंगला / गोपी, उत्तर-भागचंद / श्री राम, दक्षिण-आम रास्ता
25.	HLR00000000009892 श्री कैलाश जाट पुत्र श्री रामकुमार जाट(ऋणी) श्रीमती सरोज देवी पत्नी श्री कैलाश जाट(सह-ऋणी) श्री महावीर जाट पुत्र श्री भंवर लाल जाट(जमानती)	1) मांग पत्र की दिनांक- मई 07, 2024 2) मांग पत्र में अंकित राशि रु. 2,09,070/- अक्षरे रूपये दो लाख नो हजार और सत्तर मात्र दिनांक अप्रैल 24, 2024 तक एवं दिनांक अप्रैल 25, 2024 से भविष्य के ब्याज व खर्चे अतिरिक्त।	श्री कैलाश जाट पुत्र श्री रामकुमार जाट, की संपत्ति जो पट्टा न. 06, बुक न. 122, ग्राम-लेमगडा, ग्राम पंचायत-लेमगडा, पंचायत समिति-भिनाय, तहसील-भिनाय, जिला-अजमेर (राज.) पर स्थित है जिसमें भूमि, भवन एवं ढांचा आदि जो सभी संपत्ति के अभिन्न अंग है जिसका माप लगभग 75.00 वर्ग यार्ड (675.00 वर्गफीट) है। जिसकी चतुसीमा निम्न है- पूर्व-मिश्री / गणेश जाट, पश्चिम- गोपाल सेन, उत्तर-सोरम / उगम जाट, दक्षिण- रास्ता
26.	HLR00000000010189 श्री प्रकाश चन्द्र जटिया पुत्र श्री नारायण लाल(ऋणी) श्रीमती सीमा जटिया पत्नी श्री प्रकाश चन्द्र(सह-ऋणी) श्री रतन लाल धाकर पुत्र श्री नारायण लाल धाकर(जमानती-1) श्री रतन लाल जटिया पुत्र श्री बगदीराम(जमानती-2)	1) मांग पत्र की दिनांक- मई 07, 2024 2) मांग पत्र में अंकित राशि रु. 1,82,870/- अक्षरे रूपये एक लाख बयासी हजार आठ सौ सत्तर मात्र दिनांक अप्रैल 25, 2024 तक एवं दिनांक अप्रैल 26, 2024 से भविष्य के ब्याज व खर्चे अतिरिक्त।	श्री प्रकाश चन्द्र पुत्र श्री नारायण लाल, की संपत्ति जो पट्टा न. 45, आराजी न. 841, बुक न. 09, ग्राम-सेमलपुरा, तहसील-चित्तौडगढ, जिला-चित्तौडगढ(राज.) पर स्थित है जिसमें भूमि, भवन एवं ढांचा आदि जो सभी संपत्ति के अभिन्न अंग है जिसका माप लगभग 1890.00 वर्गफीट है। जिसकी चतुसीमा निम्न है- पूर्व- आम रास्ता, पश्चिम-श्री सत्यनारायण जी / रतन जी लोहार का मका, उत्तर-श्री शम्भू / श्री दलु प्रजापत का मकान, दक्षिण- आम रास्ता
27.	HLR00000000014787 श्री शांति लाल रेगर पुत्र श्री रामलाल रेगर(ऋणी) श्रीमती राधा देवी पत्नी श्री रामलाल रेगर(सह-ऋणी) श्री नारायण लाल भील पुत्र श्री बाबु लाल भील(जमानती-1) श्री हरी गोविन्द रेगर पुत्र श्री पन्ना लाल रेगर(जमानती-2)	1) मांग पत्र की दिनांक- मई 07, 2024 2) मांग पत्र में अंकित राशि रु. 2,37,840/- अक्षरे रूपये दो लाख सेतीस हजार आठ सौ चालीस मात्र दिनांक अप्रैल 24, 2024 तक एवं दिनांक अप्रैल 25, 2024 से भविष्य के ब्याज व खर्चे अतिरिक्त।	श्रीमती राधा देवी रेगर पुत्र श्री रामलाल रेगर, की संपत्ति जो पट्टा न. 19, बुक न. 2021/44, ग्राम पंचायत -हुरडा, पंचायत समिति -हुरडा, तहसील-हुरडा, जिला-भीलवाड़ा (राज.) पर स्थित है जिसमें भूमि, भवन एवं ढांचा आदि जो सभी संपत्ति के अभिन्न अंग है जिसका माप लगभग 1722.50 वर्गफीट है। जिसकी चतुसीमा निम्न है- पूर्व- आम रास्ता, पश्चिम- स्वयं की सम्पति, उत्तर-स्वयं की सम्पति, दक्षिण-श्री कैलाश / भगत जी रेगर
28.	HLR00000000012169 श्री विनोद तेली पुत्र श्री गोतम लाल(ऋणी) श्रीमती आशा तेली पत्नी श्री विनोद तेली(सह-ऋणी) श्री भरत लाल डिन्डोर पुत्र श्री नाथू जी डिन्डोर(जमानती)	1) मांग पत्र की दिनांक- मई 14, 2024 2) मांग पत्र में अंकित राशि रु. 4,69,860/- अक्षरे रूपये चार लाख उनसत्तर हजार आठ सौ साठ मात्र दिनांक अप्रैल 24, 2024 तक एवं दिनांक अप्रैल 25, 2024 से भविष्य के ब्याज व खर्चे अतिरिक्त।	श्री विनोद तेली पुत्र श्री गोतम लाल तेली, की संपत्ति जो खसरा न. 1202, पट्टा न. 43, बुक न. 274, ग्राम-गडा झुमजी, तहसील-सागवाडा, जिला-डूंगरपुर(राज.) पर स्थित है जिसमें भूमि, भवन एवं ढांचा आदि जो सभी संपत्ति के अभिन्न अंग है जिसका माप लगभग 800.00 वर्गफीट (74.35 वर्ग मीटर) है। जिसकी चतुसीमा निम्न है- पूर्व-श्री रूपजी का मकान और स्वयं की भूमि, पश्चिम-तीन भाइयो की सामलाती भूमि और रोड, उत्तर-श्री शांति लाल का मकान, दक्षिण-श्री दिनेश रेगर का मकान
29.	HLR00000000012479 श्री भगवान राव पुत्र श्री रामचंद्र(ऋणी) श्रीमती रिंकू राव पुत्र श्री मोती लाल(सह-ऋणी) श्री सत्यनारायण माली पुत्र श्री देवी लाल(जमानती)	1) मांग पत्र की दिनांक- मई 14, 2024 2) मांग पत्र में अंकित राशि रु. 3,20,450/- अक्षरे रूपये तीन लाख बीस हजार चार सौ पचास मात्र दिनांक अप्रैल 24, 2024 तक एवं दिनांक अप्रैल 25, 2024 से भविष्य के ब्याज व खर्चे अतिरिक्त।	श्री भगवान राव पुत्र श्री रामचंद्र राव, की संपत्ति जो पट्टा न. 17, ग्राम-धुनी, तहसील-देवली, जिला-टोंक (राज.) पर स्थित है जिसमें भूमि, भवन एवं ढांचा आदि जो सभी संपत्ति के अभिन्न अंग है जिसका माप लगभग 408.00 वर्गफीट (37.92 वर्गमीटर) है। जिसकी चतुसीमा निम्न है-पूर्व- आम रास्ता, पश्चिम- श्री पूरण राव की सम्पति, उत्तर- आम रास्ता, दक्षिण- श्री नाथू लाल राव की सम्पति
30.	HLR00000000013023 श्री भेरू सिंह राठोड पुत्र श्री लाल सिंह(ऋणी) श्रीमती सुशीला कुंवर पुत्र श्री मदन सिंह राजपूत(सह-ऋणी) श्री भेरू सिंह राठोड़ पुत्र श्री भंवर सिंह(जमानती)	1) मांग पत्र की दिनांक- मई 14, 2024 2) मांग पत्र में अंकित राशि रु. 4,50,220/- अक्षरे रूपये चार लाख पचास हजार दो सौ बीस मात्र दिनांक अप्रैल 24, 2024 तक एवं दिनांक अप्रैल 25, 2024 से भविष्य के ब्याज व खर्चे अतिरिक्त।	श्री भेरू सिंह राठोड़ पुत्र श्री लाल सिंह राठोड़, की संपत्ति जो आराजी न. 487, पट्टा न. 44, बुक न. 105, ग्राम पंचायत-पलोटीया, तहसील-भोपालसागर, जिला-चित्तौडगढ (राज.) पर स्थित है जिसमे भूमि, भवन एवं ढांचा आदि जो सभी संपत्ति के अभिन्न अंग है जिसका माप लगभग 1278.00 वर्गफीट है। जिसकी चतुसीमा निम्न है- पूर्व -आम रास्ता, पश्चिम-आम रास्ता, उत्तर- वाघ सिंह पुत्र श्री उदय सिंह का मकान, दक्षिण-राम सिंह पुत्र श्री उदय सिंह का मकान
31.	HLR00000000013065 श्री राजू बैरवा पुत्र श्री मोहन बैरवा(ऋणी) श्रीमती सीमा राजू बैरवा पुत्र श्री राजू बैरवा(सह-ऋणी) श्री हरनाथ रामा बैरवा पुत्र श्री रामा बैरवा(जमानती)	1) मांग पत्र की दिनांक- मई 14, 2024 2) मांग पत्र में अंकित राशि रु. 4,54,360/- अक्षरे रूपये चार लाख चौपन हजार तीन सौ साठ मात्र दिनांक अप्रैल 24, 2024 तक एवं दिनांक अप्रैल 25, 2024 से भविष्य के ब्याज व खर्चे अतिरिक्त।	श्री राजू बैरवा पुत्र श्री मोहन बैरवा, की संपत्ति जो पट्टा न. 12, बुक न. 279, ग्राम-रामपूरा, ग्राम पंचायत-लुलांस, पंचायत समिति-शाहपुरा, तहसील-शाहपुरा, जिला-भीलवाड़ा (राज.) पर स्थित है जिसमें भूमि, भवन एवं ढांचा आदि जो सभी संपत्ति के अभिन्न अंग है जिसका माप लगभग 1743.00 वर्गफीट है जिसकी चतुसीमा निम्न है- पूर्व-आम रास्ता, पश्चिम-स्वयं का बाड़ा, उत्तर-रामस्वरूप बाड़ा, दक्षिण- सोनत बैरवा
32.	HLR00000000014469 श्री प्रभु पुत्र श्री श्रीलाल(ऋणी) श्रीमती जमना देवी पत्नी श्री प्रभुलाल(सह-ऋणी-1) श्री गुलाब देवी पत्नी श्री पोखर(सह-ऋणी-2) श्री मजबूत रैबारी पुत्र श्री चन्दन रैबारी(जमानती)	1) मांग पत्र की दिनांक- मई 15, 2024 2) मांग पत्र में अंकित राशि रु. 3,13,130/- अक्षरे रूपये तीन लाख तेरह हजार एक सौ तीन मात्र दिनांक अप्रैल 25, 2024 तक एवं दिनांक अप्रैल 26, 2024 से भविष्य के ब्याज व खर्चे अतिरिक्त।	श्री प्रभु पुत्र श्री श्रीलाल गुर्जर, की संपत्ति जो मिस्सल न. 169, पट्टा न. 77, ग्राम-निर्वारिया, तहसील-देओली, जिला-टोंक (राज.) पर स्थित है जिसमें भूमि, भवन एवं ढांचा आदि जो सभी संपत्ति के अभिन्न अंग है जिसका माप लगभग 1219.00 वर्गफीट है। जिसकी चतुसीमा निम्न है- पूर्व-श्री मनभर की सम्पति, पश्चिम-श्री सोहन की सम्पति, उत्तर-श्री महरम की सम्पति, दक्षिण-रास्ता और गुलाब की सम्पति
33.	HLR00000000002783 श्री सत्य नारायण मंगरोरा पुत्र श्री प्यार चंद मंगरोरा(ऋणी) श्रीमती प्रेम देवी पत्नी श्री सत्यनारायण मंगरोरा(सह-ऋणी-1) श्री विनोद कुमार मंगरोरा पुत्र श्री सत्य नारायण मंगरोरा (सह-ऋणी-2) श्री दीनबंधू उपाध्याय पुत्र श्री जगदीश उपाध्याय(जमानती)	1) मांग पत्र की दिनांक- मई 27, 2024 2) मांग पत्र में अंकित राशि रु. 10,05,540/- अक्षरे रूपये दस लाख पांच हजार पांच सौ चालीस मात्र दिनांक अप्रैल 12, 2024 तक एवं दिनांक अप्रैल 13, 2024 से भविष्य के ब्याज व खर्चे अतिरिक्त।	श्री सत्य नारायण मंगरोरा पुत्र श्री प्यार चंद मंगरोरा, की संपत्ति जो प्लाट न. 01, गुर्जी कुई, राजस्व ग्राम-छोटी सादड़ी, तहसील-छोटी सादड़ी, जिला-प्रतापगढ़ (राज.) पर स्थित है जिसमें भूमि, भवन एवं ढांचा आदि जो सभी संपत्ति के अभिन्न अंग है जिसका माप लगभग 3045.00 वर्गफीट है। जिसकी चतुसीमा निम्न है- पूर्व-रोड, पश्चिम-गली, उत्तर- विध्या कुमावत का प्लाट, दक्षिण- मनीष अग्रवाल का भूमि
34.	HLR00000000013359 श्री सुरेश सिंह पुत्र श्री जगमल सिंह(ऋणी) श्रीमती रीना कँवर पुत्र श्री सुरेश सिंह(सह-ऋणी) श्री प्रकाश चंद गुर्जर पुत्र श्री छोटू राम गुर्जर(जमानती)	1) मांग पत्र की दिनांक- मई 18, 2024 2) मांग पत्र में अंकित राशि रु. 3,79,450/- अक्षरे रूपये तीन लाख उन्नासी हजार चार सौ पचास मात्र दिनांक अप्रैल 24, 2024 तक एवं दिनांक अप्रैल 25, 2024 से भविष्य के ब्याज व खर्चे अतिरिक्त।	श्री सुरेश सिंह पुत्र श्री जगमल सिंह, की संपत्ति जो पट्टा न. 13, ग्राम-तुलसीपुरा, पंचायत समिति-पाओटा गुडा, तहसील-कोटपुतली, जिला-जयपुर (राज.) पर स्थित है जिसमें भूमि, भवन एवं ढांचा आदि जो सभी संपत्ति के अभिन्न अंग है जिसका माप लगभग 1440.00 वर्गफीट है। जिसकी चतुसीमा निम्न है- पूर्व- विजेंद्र सिंह का मकान, पश्चिम- आम रास्ता, उत्तर-रोशन सिंह का मकान, दक्षिण-नाथू सिंह का मकान
35.	HLR00000000013485 श्री चमन मीणा पुत्र श्री कारू लाल मीणा(ऋणी) श्रीमती नानी बाई मीणा पत्नी श्री चमन मीणा(सह-ऋणी) श्री प्रभु लाल पुत्र श्री काशी राम मीणा(जमानती)	1) मांग पत्र की दिनांक- मई 18, 2024 2) मांग पत्र में अंकित राशि रु. 3,36,100/- अक्षरे रूपये तीन लाख छतीस हजार और एक सौ मात्र दिनांक अप्रैल 24, 2024 तक एवं दिनांक अप्रैल 25, 2024 से भविष्य के ब्याज व खर्चे अतिरिक्त।	श्री चमन मीणा पुत्र श्री कारू लाल मीणा, की संपत्ति जो पट्टा न. 04, आराजी न. 206/687, बुक न. 86, ग्राम- बरवाडा देवल, पंचायत समिति-छोटी सादड़ी, तहसील-छोटी सादड़ी, जिला- प्रतापगढ़ (राज.) पर स्थित है जिसमें भूमि, भवन एवं ढांचा आदि जो सभी संपत्ति के अभिन्न अंग है जिसका माप लगभग 676.00 वर्गफीट है। जिसकी चतुसीमा निम्न है- पूर्व-डाली बाई का मकान, पश्चिम-सरकारी भवन, उत्तर-आम रास्ता, दक्षिण-स्वयं की ज़मीन
36.	HLR00000000015182 श्रीमती सुरेखा पत्नी श्री दुर्गेश(ऋणी) श्रीमती सीता कुम्हार पत्नी श्री मुकेश कुम्हार(सह-ऋणी-1) श्री दुर्गेश पुत्र श्री नाथू लाल(सह-ऋणी-2) श्री शिवराज पुत्र श्री लाल चंद(जमानती-1) श्री बाबु लाल पुत्र श्री गंगाराम मीणा(जमानती-2)	1) मांग पत्र की दिनांक- मई 20, 2024 2) मांग पत्र में अंकित राशि रु. 14,02,600/- अक्षरे रूपये चोदह लाख दो हजार और छः सौ मात्र दिनांक मई 13, 2024 तक एवं दिनांक मई 14, 2024 से भविष्य के ब्याज व खर्चे अतिरिक्त।	श्री दुर्गेश कुमार पुत्र श्री नाथू लाल बैरवा और श्रीमती सीता देवी पत्नी श्री मुकेश बैरवा, की संपत्ति जो पट्टा न. 20215, कुम्हार मोहल्ला, वार्ड न. 10, ग्राम पंचायत-देवली, तहसील-देवली, जिला-टोंक (राज.) पर स्थित है जिसमें भूमि, भवन एवं ढांचा आदि जो सभी संपत्ति के अभिन्न अंग है जिसका माप लगभग 673.00 वर्गफीट है। जिसकी चतुसीमा निम्न है- पूर्व-आम रास्ता, पश्चिम-श्री शिवराज मरेठा का सम्पति, उत्तर-नारायण लुहार सम्पति, दक्षिण- श्री रामदेव बैरवा की सम्पति
37.	HLR00000000012202 श्री अम्बलाला बारोट पुत्र श्री भंवर लाल बारोट(ऋणी) श्री भंवर लाल दमानी पुत्र श्री धुलजी दमानी(सह-ऋणी-1) श्रीमती गीता बाई नागरची पत्नी श्री भंवर लाल नागरची (सह-ऋणी-2) श्रीमती कल्पना बारोट पत्नी श्री अम्बा लाल बारोट(सह-ऋणी-3) श्रीओम प्रकाश वैष्णव पुत्र श्री हीरा लाल वैष्णव(जमानती)	1) मांग पत्र की दिनांक- मई 20, 2024 2) मांग पत्र में अंकित राशि रु. 3,46,420/- अक्षरे रूपये तीन लाख छियालीस हजार चार सौ बीस मात्र दिनांक मई 13, 2024 तक एवं दिनांक मई 14, 2024 से भविष्य के ब्याज व खर्चे अतिरिक्त।	श्री भंवर लाल पुत्र श्री धुलजी नागारची, की संपत्ति जो सम्पति न. 116, आराजी न. 5276, बड़ी मस्जिद रोड, पलोधड़ा मकान के पास, सेक्टर-12, ग्राम-जावद, ग्राम पंचायत-जावद, तहसील-सराडा, जिला-उदयपुर (राज.) पर स्थित है जिसमें भूमि, भवन एवं ढांचा आदि जो सभी संपत्ति के अभिन्न अंग है जिसका माप लगभग 1161.00 वर्गफीट है। जिसकी चतुसीमा निम्न है- पूर्व-श्री केसर सिंह / हेमर सिंह का मकान, पश्चिम- श्री भगवती लाल / गेबजी का बाड़ा, उत्तर-श्री सुन्दर / धुलजी नंगारची, दक्षिण-रास्ता और स्वयं का बाड़ा
38.	HLR00000000015169 श्री रतन लाल ढोली पुत्र श्री बंशी लाल(ऋणी) श्री बंशी लाल ढोली पुत्र श्री मोहन लाल(सह-ऋणी-1)	1) मांग पत्र की दिनांक- मई 21, 2024 2) मांग पत्र में अंकित राशि रु. 2,96,280/- अक्षरे रूपये दो लाख छियानवे हजार दो सौ अस्सी मात्र दिनांक	श्री बंशी लाल पुत्र श्री मोहन लाल ढोली, की संपत्ति जो पट्टा न. 19, मिस्सल न. 61/180, बुक न.-24, ग्राम-देवीपुर, ग्राम पंचायत-बेमली, तहसील-करेड़ा, जिला-भीलवाड़ा (राज.) पर स्थित है जिसमें भूमि,

cont...

यह किसी भारतीय एथलीट के साथ हुई सबसे विनाशकारी घटना है और ऐसा संभव होता तो वह अपना पदक विनेश को दे देतीं। मेरा दिल घबराया हुआ और परेशान है विनेश ने जो किया है वह कल्पना से परे है।

- साक्षी मलिक

पूर्व ओलिंपिक मैडलिस्ट, विनेश फोगाट के प्रति संवेदना जताई।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

रियान पराग

भारत और श्रीलंका के बीच 3 मैचों की वनडे सीरीज के आखिरी मुकाबले में भारत के रियान पराग ने आज डेब्यू किया। अपने डेब्यू मैच में तीन विकेट लेकर रियान पराग ने इतिहास रच दिया। वे भारत के सातवे ऐसे खिलाड़ी बन गए हैं जिन्होंने अपने डेब्यू मैच में तीन या इससे ज्यादा विकेट लिए हैं। कप्तान रोहित शर्मा ने उन्हें छटवें गेंदबाज के रूप में गेंदबाजी दी। जब वे गेंदबाजी करने आए तो श्रीलंका मजबूत स्थिती में था। रियान ने अविष्का फर्नांडो, कप्तान चरित असलंका व दुनित वेल्लालगे को पवेलियन भेजा।

क्या आप जानते हैं ?... क्रिकेट के इतिहास में केवल चार टेस्ट सीरीज बिना हार-जीत के समाप्त हुई जिनका प्रत्येक मैच ड्रॉ रहा, इनमें से दो सीरीज लगातार भारत और पाकिस्तान के बीच हुई।

बेहद दुखद... कुछ ग्राम अधिक वजन पाये जाने पर विनेश फोगाट अयोग्य घोषित

पेरिस, 7 अगस्त। पेरिस ओलिंपिक में बुधवार को महिलाओं की 50 किग्रा की स्पर्धा से भारतीय पहलवान विनेश फोगाट का वजन कुछ ग्राम अधिक पाये जाने पर उन्हें अयोग्य घोषित कर दिया गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भारतीय ओलिंपिक संघ ने इस स्थिति पर खेद व्यक्त किया है। आधिकारिक बयान में बताया गया कि आज सुबह विनेश का वजन कुछ ग्राम अधिक पाया गया और यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग नियम के तहत उन्हें अयोग्य घोषित कर दिया गया है। भारतीय ओलिंपिक संघ ने एक बयान जारी कर इस स्थिति पर गहरा खेद व्यक्त किया।

आईओए ने बयान में कहा, यह खेदजनक है कि भारतीय दल महिला कुश्ती 50 किग्रा वर्ग से विनेश फोगट को अयोग्य घोषित किए जाने की खबर साझा करता है। रात भर टीम द्वारा किए गए बेहतरीन प्रयासों के बावजूद, आज सुबह उनका वजन 50 किग्रा से कुछ ग्राम अधिक था। इस समय दल द्वारा कोई और टिप्पणी नहीं की जाएगी। भारतीय दल आपसे विनेश की निजता का सम्मान करने का अनुरोध करता है। वह मौजूदा प्रतियोगिताओं पर ध्यान केंद्रित करना चाहेगा। यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग के नियमों के अनुसार फोगट को इस स्पर्धा की रैंकिंग में अंतिम स्थान पर रखा जाएगा। यह निर्णय भारतीय पहलवान के असाधारण प्रदर्शन का एक नाटकीय और निराशाजनक अंत दर्शाता है। उल्लेखनीय है कि मंगलवार को विनेश फोगाट ने लगातार तीन मुकाबलों मे जीत दर्ज करते हुए महिलाओं की 50 किग्रा स्पर्धा के फाइनल में जगह बनाई थी।

वेटलिफ्टर मीराबाई चानू मेडल की रेस में स्नैच में नंबर-3 पोजिशन पर रही

क्लीन एंड जर्क में टारगेट 107 रखा

पेरिस, 7 अगस्त।भारतीय वेटलिफ्टर मीराबाई चानू पेरिस ओलिंपिक में मेडल की रेस में हैं। वे 49 वेट कैटेगरी के स्नैच में तीसरे स्थान पर रहीं। मीराबाई ने स्नैच के अपने पहले प्रयास में 85 का वजन उठाया है। वे दूसरे प्रयास में 88 उठाने में नाकाम रहीं। फिर आखिरी प्रयास में 88 उठाया। वे थाईलैंड की वेटलिफ्टर के साथ संयुक्त तीसरे स्थान पर हैं।

रोमानिया की वैलेटिना मिहेला 93 उठाकर नंबर-1 पर रहीं। मीराबाई अब क्लीन एंड जर्क के पहले प्रयास में 107 उठाएंगी। चानू ने टोक्यो ओलिंपिक के पहले ही दिन 202 का वजन उठाकर भारत को सिल्वर मेडल दिलाया था। एथलेटिक्स के ट्रिपल जंप इवेंट में भारत के प्रवीण चित्रावेल और अब्दुल्ला नरंगोलिंटेविडा फाइनल के लिए क्वालिफाई करने में नाकाम रहे। इससे पहले, भारतीय महिला टेबल टेनिस टीम क्वार्टर फाइनल हार गई है। टीम इंडिया को जर्मनी ने 3-1 से हराया। रेसलर अंतिम पंघल राउंड ऑफ-16 में हार गई हैं। मिडिल डिस्टेंस रनर अविनाश साबले की 3000 मीटर बाधा दौड़ रात 1:13 बजे के बाद होंगे।

विनेश फोगाट को अयोग्य करार देने पर राजनीतिक हलकों में निराशा, आक्रोश

नयी दिल्ली, 7 अगस्त। महिला भारतीय पहलवान विनेश फोगाट को पेरिस ओलिंपिक में अयोग्य करार दिये जाने पर देश में राजनीतिक हलकों में तीव्र प्रतिक्रिया हुयी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा विपक्ष के नेता राहुल गांधी सहित विभिन्न राजनितिज्ञों ने इस घटनाक्रम को पीड़ाजनक बताया है और उम्मीद जतायी है कि फोगाट के साथ न्याय होगा।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा, सरकार को अपील करने के लिए सभी प्रयास करने चाहिए और हमारे चैंपियन को न्याय प्रदान करें। हम लोग आपके साथ हैं विनेश फोगाट और हमारी प्रार्थनाएँ आपके साथ हैं। आपका साहस सदैव प्रेरणादायक है। हमें विश्वास है कि आप अधिक दृढ़ संकल्प के साथ रिंग में वापसी करेंगी।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने एक्स पर कहा, '' ओलिंपिक में विनेश फोगाट की हार ने करोड़ों भारतीयों की उम्मीदें जरूर तोड़ दी हैं। उनका खेल करियर शानदार है, जो विश्व चैंपियन को हराने के गौरव से चमक रहा है। यह दुर्भाग्य उनके शानदार करियर में एक अपवाद मात्र है, जिससे मुझे यकीन है कि वह हमेशा की तरह विजेता बनकर वापसी करेगी। हमारी शुभकामनाएं और समर्थन हमेशा उनके साथ है।'' केन्द्रीय संसदीय कार्य एवं अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू ने फोगाट को भारत की आशा की किरण और देश का गौरव बताते हुये कहा कि आज का आघात पचा पाना मुश्किल है लेकिन ऐसे ही क्षणों में आपकी वास्तविक शक्ति का निखार दिखता है। आपका जुझारूपन आपकी सबसे बड़ी ताकत रही है। हरियाणा में नेता प्रतिपक्ष व कांग्रेस नेता भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने विनेश फोगाट को अयोग्य ठहराए जाने को दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण बताया है।

फोगाट को मिला पूरे खेल जगत का साथ, दी प्रतिक्रियाएं

अयोग्य घोषित करना साजिश : अभय

नयी दिल्ली, 7 अगस्त। इंडियन ओलिंपिक एसोसिएशन के पूर्व प्रधान एवं भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व उप-प्रधान अभय सिंह चौटाला ने महिला पहलवान विनेश फोगाट को पेरिस 2024 ओलिंपिक में कुश्ती खेल के 50 कि.ग्रा. भार वर्ग में अयोग्य घोषित किए जाने पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि इसमें साजिश की बू आ रही है। कुश्ती महासंघ और इंडियन ओलिंपिक एशोसिएशन के अलावा जो चीफ डेलिगेशन गया है उन सभी को महिला पहलवान खिलाड़ी विनेश फोगाट के समर्थन में खुलकर आना चाहिए और इस घटना को गंभीरता से लेते हुए अंतरराष्ट्रीय ओलिंपिक संघ में कड़ी आपत्ति दर्ज करनी चाहिए ताकि विनेश फोगाट को न्याय मिल सके।

अंतर्राष्ट्रीय ओलिंपिक समिति के समक्ष विरोध दर्ज

केन्द्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने बुधवार को कहा कि भारत ने महिला पहलवान विनेश फोगाट के मुद्दे को लेकर अंतरराष्ट्रीय ओलिंपिक समिति के समक्ष विरोध दर्ज कराया है। उन्होंने कहा कि जहां तक उनकी तैयारी के लिए सहायता का प्रश्न है, भारत सरकार ने विनेश की उनकी आश्वयकता के अनुसार हर संभव सहायता प्रदान की है। उसके लिए पर्सनल स्टार भी नियुक्त किया गया है जो कि अपने क्षेत्र के विशेषज्ञ है। उनके साथ हंगरी के विख्यात कोच वोलेर अकोस और फिजियो अश्विनी पाटिल हमेशा साथ रहते है। इनको ओलिंपिक के लिए इनके अतिरिक्त व्यक्तिगत सहायक स्टाफ जैसे विभिन्न स्पारिंग पार्टनर्स, स्ट्रेंथ और कंडीशनिंग विशेषज्ञ, के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की गई है।

विनेश तुम हिम्मत व नैतिकता की गोल्ड मेडलिस्ट हो : बजरंग

पहलवान बजरंग पुनिया ने विनेश फोगाट को अयोग्य करार देने के बाद कहा कि विनेश हिम्मत और नैतिकता की गोल्ड मेडलिस्ट हैं। उन्होंने सोशल मीडिया 'एक्स' पर लिखा, विनेश तुम हिम्मत और नैतिकता की गोल्ड मेडलिस्ट हो। माटी की बेटी हो इसलिए ये मेडल भी माटी का है। बहुत हौसले से लड़ी हो। कल जब खेलने से पहले ओलिंपिक ऑफिशियल्स ने आपका वजन लिया तो आपका वजन एकदम परफेक्ट था। आज सुबह जो हुआ उसपर कोई यकीन नहीं करना चाहता।100 ग्राम। यकीन ही नहीं हो रहा कि यह तुम्हारे साथ हुआ है। पूरा देश आंसू नहीं रोक पा रहा है। उम्मीद करता हूं कि ओलिंपिक खेल रहीं दुनिया की सभी महिला पहलवान विनेश के साथ सॉलीडेरिटी में खड़ी होंगी।

फोगाट हमेशा एक चैम्पियन रहेगी : सिंधु

इस घटनाक्रम पर पीवी सिंधु ने पोस्ट किया है कि प्रिय विनेश फोगाट, आप हमारी नजर में हमेशा एक चैंपियन रहेंगी। मुझे पूरी उम्मीद थी कि आप गोल्ड जीत सकती हैं। उन्होंने कहा, मैंने पीडीसीएसई में आपके साथ जो थोड़ा समय बिताया वह एक जबरदस्त इच्छाशक्ति वाली महिला को बेहतर बनने के लिए संघर्ष करते हुए देख रहा था। यह प्रेरणादायक था। मैं हमेशा आपके लिए यहां मौजूद हूं, पूरे यूनिवर्स की सकारात्मकता आपकी ओर भेज रही हूं।

विनेश का जज्बा पदक से ज्यादा चमकता है : नीता अंबानी

रिलायंस फाउंडेशन की संस्थापक अध्यक्ष नीता अंबानी ने महिला पहलवान विनेश फोगाट को पेरिस ओलिंपिक में 50 किग्रा वर्ग में कुछ अधिक वजन पाये जाने पर अयोग्य घोषित किये जाने पर उनके प्रति एकजुटता व्यक्त करते हुए कहा कि आपका जज्बा किसी भी पदक से ज्यादा चमकता है। वह एक चैंपियन फाइटर है और मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है कि वह और भी मजबूत होकर वापस आएगी। उसने बार-बार दिखाया है कि उसकी ताकत न केवल उसकी अविश्वसनीय जीत में है। विनेश, आप आने वाली पीढ़ियों के लिए एक प्रेरणा हैं।

विनेश का अयोग्य होना हैरान करने वाला, आईओए विनेश फोगाट के साथ : पीटी उषा

पेरिस, 7 अगस्त। विनेश फोगाट की अयोग्यता पर भारतीय ओलिंपिक संघ की अध्यक्ष पीटी उषा का बड़ा बयान सामने आया है। पीटी उषा ने अपने बयान में कहा कि विनेश का अयोग्य होना बेहद चौंकाने वाला है। मैं कुछ समय पहले ओलिंपिक विलेज पॉलीक्लिनिक में विनेश से मिली और उन्हें भारतीय ओलिंपिक संघ, भारत सरकार और पूरे देश के पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया। उन्होंने आगे बताया कि हम विनेश को सभी चिकित्सा और भावनात्मक सहायता प्रदान कर रहे हैं। पीटी उषा ने आगे कहा कि भारतीय कुश्ती महासंघ ने यूडब्ल्यूडब्ल्यू लागू किया है और वह इसका यथासंभव सशक्त तरीके से पालन कर रहा है। उन्होंने कहा कि मैं विनेश की मेडिकल टीम द्वारा रात भर किए गए अथक प्रयास से अवगत हूं ताकि वह प्रतियोगिता की आवश्यकताओं को पूरा कर सके। पीटी उषा और विनेश के पोषण विशेषज्ञ दिनशॉ पारदीवाला ने विस्तृत बयान में कहा कि हमने उनके बाल काटे, उसके कपड़े छोटे किए। हर संभव प्रयास किया।

केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मंडाविया ने पहलवान विनेश फोगाट को ओलिंपिक में अयोग्य ठहराए जाने पर बुधवार को लोकसभा में बयान दिया। उन्होंने कहा कि पहलवान विनेश फोगाट को 100 ग्राम अधिक वजन के कारण 50 किलोग्राम वर्ग ओलिंपिक स्पर्धा से अयोग्य घोषित कर दिया गया। विनेश फोगट की अयोग्यता पर भारतीय ओलिंपिक संघ ने यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग के साथ कड़ा विरोध दर्ज कराया गया है।

श्रीलंका ने 27 साल बाद भारत को वनडे सीरीज में हराया

श्रीलंका 2-0 से जीता, भारत को 110 रन से हराया

कोलंबो, 7 अगस्त। अविष्का फर्नांडो (96) और कुसल मेंडिस (59) की शानदार पारियों के बाद दुनित वेल्लालगे (पांच विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी के दम श्रीलंका ने बुधवार को तीसरे एकदिवसीय मुकाबले में भारत को 110 रन से हरा दिया है। इसकी के साथ श्रीलंका ने तीन मैचों की सीरीज 2-0 से जीत ली हैं। श्रीलंका ने 27 सालों बाद भारत को द्विपक्षीय वनडे सीरीज में हराया है।

249 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। पांचवें ही ओवर मे ए फर्नांडो ने शुभमन गिल (6) को आउट कर भारत को पहला झटका दिया। इसके बाद आठवें ओवर में दुनित वेल्लालगे भारतीय कप्तान रोहित शर्मा को आउट कर पवेलियन भेज दिया। उन्होंने 20 गेंदों में छह चौके और एक छक्का लगाते हुय (35) रन बनाये। विराट कोहली (20) भी वेल्लालगे का शिकार बने। ऋषभ पंत (6), श्रेयस अय्यर (8), अक्षर पटेल (2), रियान पराग (15), शिवम दुबे (9), कुलदीप यादव (6) रन बनाकर आउट हुये। वॉशिंगटन सुंदर ने 25 गेंदों में तीन छक्के और दो चौके लगाते हुए 30 रनों की पारी खेली। एक बार फिर भारतीय टीम श्रीलंकाई स्पिन गेंदबाजों के आगेभ भारतीय बल्लेबाजों ने घुटने टेक दिये और पूरी टीम 26.1 ओवर में 138 रन पर सिमट गई। श्रीलंका की ओर से दुनित वेल्लालगे ने 5.1 ओवर में 27 रन देकर पांच बल्लेबाजों को आउट किया। महीश तीक्षणा और जेफ्री वैंडरसे को दो-दो विकेट मिले। असिता फर्नांडो ने एक विकेट लिया।

इससे पहले आज यहां श्रीलंका के कप्तान चरित असलंका ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए श्रीलंका ने भारत को जीत के लिए 249 रनों का लक्ष्य दिया था। बल्लेबाजी करने उतरी पतुम निसंका और अविष्का फर्नांडो की सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट लिये 89 रन जोड़े। 20वें ओवर में अक्षर पटेल ने पतुम निसंका (45) को ऋषभ पंत के हाथों कैच आउट कराकर भारत को पहली सफलता दिलाई। इसके बाद अविष्का फर्नांडो और कुसल मेंडिस ने फिर से पारी को सभाला। दोनों बल्लेबाजों ने दूसरे विकेट के लिये 82 रनों की साझेदारी की। 36वें ओवर में रियान पराग ने शतक की ओर बढ़ रहे अविष्का फर्नांडो (96) को पगबाधा कर पवेलियन भेज दिया। कप्तान चरित असलंका (10) भी पराग का शिकार बने। सदीरा समराविक्रमा (शून्य) को सिराज ने पगबाधा किया।

एलपीयू ने विनेश को 25 लाख का पुरस्कार देने की घोषणा की

फगवाड़ा, 7 अगस्त। लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी (एलपीयू) ने विनेश फोगाट को पेरिस ओलिम्पिक के कुश्ती के फाइनल में पहुँचने के बाद वज़न ज्यादा होने के कारण अयोग्य करार दिए जाने के बावजूद 25 लाख रुपये की नकद राशि देने की घोषणा की। विनेश एलपीयू में एमए मनोविज्ञान की छात्रा हैं और एलपीयू ने ओलिम्पिक में रजत पदक विजेता को 25 लाख रुपये का पुरस्कार देने की घोषणा की हुई थी। एलपीयू के संस्थापक कुलपति और राज्य सभा सदस्य अशोक कुमार मित्तल ने यहाँ जारी बयान में कहा,हमारे लिए विनेश अब भी पदक विजेता ही हैं। यहाँ तक के सफर में उनका समर्पण, कौशल मान्यता की हकदार है और हमें उन्हें 25 लाख रुपये का पुरस्कार देते हुए गर्व महसूस हो रहा है, जो हमने रजत पदक विजेत को देने का ऐलान किया हुआ था।

दस जिलों में स्थापित होंगे इनडोर शूटिंग रेंज

चंडीगढ़, 7 अगस्त। पंजाब स्कूल शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस ने बुधवार को कहा कि विभाग राज्य के 10 जिलों में इनडोर शूटिंग रेंज स्थापित करेगा। बैंस ने बताया कि संगरूर, लुधियाना, जालंधर, फिरोजपुर, अमृतसर, रूपनगर, साहिबजादा अजीत सिंह नगर, होशियारपुर, शहीद भगत सिंह नगर और मानसा में ये इनडोर शूटिंग रेंज स्थापित किए जाएंगे, जहां खिलाड़ी 10 मीटर की निशानेबाजी का अभ्यास कर सकेंगे।

cont...

	श्रीमती जमाना बाई पत्नी श्री सोहन लाल नागरची (सह-ऋणी-2) श्री प्रभु लाल पुत्र श्री नारायण लाल (जमानती)	मई 24, 2024 तक एवं दिनांक मई 25, 2024 से भविष्य के ब्याज व खर्चे अतिरिक्त।	भवन एवं ढांचा आदि जो सभी संपत्ति के अभिन्न अंग है जिसका माप लगभग 886.65 वर्गगज़ है।जिसकी चतुसीमा निम्न है- पूर्व- देवीलाल- बक्शुगाडरी, पश्चिम- भेरुलाल ढ़ोली-नारायण ढ़ोली, उत्तर-आम रास्ता, दक्षिण-आम रास्ता
39.	HLR0000000000015841 श्री किरण कुमार पुत्र श्री राम लाल सालवी (ऋणी) श्रीमति हीरा देवी पत्नी श्री राम लाल (सह-ऋणी-1) श्री चेतन कुमार पुत्र श्री राम लाल (सह-ऋणी-2) श्री ईश्वर लाल सालवी पुत्र श्री रतन लाल (जमानती)	1) मांग पत्र की दिनांक- मई 21, 2024 2) मांग पत्र में अंकित राशि रु. 1,38,170/- अक्षरे रूपये एक लाख अड़तालिस हजार एक सौ सत्तर मात्र दिनांक मई 24, 2024 तक एवं दिनांक मई 25, 2024 से भविष्य के ब्याज व खर्चे अतिरिक्त।	श्रीमती हीरा देवी पत्नी श्री रामलाल सालवी, की संपत्ति जो पट्टा न. 31, बुक न.-60, ग्राम-रामपुरिया, ग्राम पंचायत-नरेली, तहसील-करेड़ा, जिला-भीलवाड़ा (राज.) पर स्थित है जिसमें भूमि, भवन एवं ढांचा आदि जो सभी संपत्ति के अभिन्न अंग है जिसका माप लगभग 2700.00 वर्गफीट है। जिसकी चतुसीमा निम्न है- पूर्व- सोनू-रति सालवी, पश्चिम-आम रास्ता, उत्तर-आम रास्ता व निकासी, दक्षिण-गली व रास्ता
40.	HLR0000000000016004 श्री छगन लाल पुत्र श्री केराराम जी (ऋणी) श्रीमति पुष्पा देवी पत्नी श्री केरा राम (सह-ऋणी-1) श्री आज्ञा कुमारी पत्नी श्री शेषा राम (सह-ऋणी-2) श्री धन्ना राम पुत्र श्री हरी राम (जमानती)	1) मांग पत्र की दिनांक- मई 21, 2024 2) मांग पत्र में अंकित राशि रु. 3,87,530/- अक्षरे रूपये तीन लाख सत्तासी हजार पांच सौ तीस मात्र दिनांक मई 24, 2024 तक एवं दिनांक मई 25, 2024 से भविष्य के ब्याज व खर्चे अतिरिक्त।	श्रीमती पुष्पा देवी पत्नी श्री केराराम जी, की संपत्ति जो पट्टा न. क्रमांक/69-अ/2022-23/1328, महावीर बस्ती, नगर पालिका तखतगढ़, तहसील-सुमेरपुर, जिला-पाली (राज.) पर स्थित है जिसमें भूमि, भवन एवं ढांचा आदि जो सभी संपत्ति के अभिन्न अंग है जिसका माप लगभग 675.00 वर्गफीट है। जिसकी चतुसीमा निम्न है- पूर्व- अन्य भूमि, पश्चिम-आम रास्ता, उत्तर-तुलसी देवी का मकान, दक्षिण-गोलुरम का मकान
41.	HLR0000000000013205 श्री लक्ष्मी लाल बलाई पुत्र श्री भोजा लाल (ऋणी) श्रीमति ग्यारसी देवी पत्नी श्री लक्ष्मी लाल बलाई (सह-ऋणी) श्री हरी शंकर बलाई पुत्र श्री राजू बलाई (जमानती)	1) मांग पत्र की दिनांक- मई 21, 2024 2) मांग पत्र में अंकित राशि रु. 3,50,720/- अक्षरे रूपये तीन लाख पचास हजार सात सौ बीस मात्र दिनांक मई 13, 2024 तक एवं दिनांक मई 14, 2024 से भविष्य के ब्याज व खर्चे अतिरिक्त।	श्री लक्ष्मी लाल बलाई पुत्र श्री भोजा बलाई, की संपत्ति जो पट्टा न. 43, बुक नं.-122, ग्राम-नीम का खेड़ा, तहसील-मांडल, जिला-भीलवाड़ा (राज.) पर स्थित है जिसमें भूमि, भवन एवं ढांचा आदि जो सभी संपत्ति के अभिन्न अंग है जिसका माप लगभग 635.50 वर्गफीट है। जिसकी चतुसीमा निम्न है- पूर्व-मोहन पुत्र बालू बलाई, पश्चिम- आम रास्ता, उत्तर-आम रास्ता, दक्षिण- रामेश्वेर पुत्र भोजा बलाई
42.	HLR0000000000004312 श्री जीवराज सिंह राजपुरोहित पुत्र श्री प्रेम सिंह राजपुरोहित (ऋणी) श्री दिनेश सिंह पुत्र श्री जीवराज राजपुरोहित (सह-ऋणी) श्री हरी शंकर बलाई पुत्र श्री राजू बलाई (जमानती)	1) मांग पत्र की दिनांक- मई 21, 2024 2) मांग पत्र में अंकित राशि रु. 3,50,720/- अक्षरे रूपये तीन लाख पचास हजार सात सौ बीस मात्र दिनांक मई 13, 2024 तक एवं दिनांक मई 14, 2024 से भविष्य के ब्याज व खर्चे अतिरिक्त।	श्री लक्ष्मी लाल बलाई पुत्र श्री भोजा बलाई, की संपत्ति जो पट्टा न. 43, बुक नं.-122, ग्राम-नीम का खेड़ा, तहसील-मांडल, जिला-भीलवाड़ा (राज.) पर स्थित है जिसमें भूमि, भवन एवं ढांचा आदि जो सभी संपत्ति के अभिन्न अंग है जिसका माप लगभग 635.50 वर्गफीट है। जिसकी चतुसीमा निम्न है- पूर्व-मोहन पुत्र बालू बलाई, पश्चिम-आम रास्ता, उत्तर-आम रास्ता, दक्षिण- रामेश्वेर पुत्र भोजा बलाई
43.	HLR0000000000007442 श्री बर्दी चन्द ढ़ोली पुत्र श्री मोहन लाल ढ़ोली (ऋणी) श्री रामधणी देवी पुत्र श्री बर्दी चन्द ढ़ोली (सह-ऋणी) श्री दुर्गा लाल बारेठ पुत्र श्री राम सुख बारेठ (जमानती)	1) मांग पत्र की दिनांक- मई 22, 2024 2) मांग पत्र में अंकित राशि रु. 2,10,660/- अक्षरे रूपये दो लाख दस हजार सात सौ बीस मात्र दिनांक मई 13, 2024 तक एवं दिनांक मई 14, 2024 से भविष्य के ब्याज व खर्चे अतिरिक्त।	श्रीमती रामधनी देवी पत्नी श्री बर्दी चन्द ढ़ोली, की संपत्ति जो पट्टा न. 39, ग्राम-कुराडिया, तहसील-जहाजपुर, जिला-भीलवाड़ा (राज.) पर स्थित है जिसमें भूमि, भवन एवं ढांचा आदि जो सभी संपत्ति के अभिन्न अंग है जिसका माप लगभग 1230.00 वर्गफीट है। जिसकी चतुसीमा निम्न है- पूर्व-रास्ता, पश्चिम-गोपाल पुत्र केसरी ढ़ोली का मकान, उत्तर-आम रास्ता, दक्षिण-प्रहलाद पुत्र मांगी लाल मीणा का मकान
44.	HLR0000000000014592 श्री बिदन दास पुत्र श्री विष्णु दास (ऋणी) श्रीमती गौरी पत्नी श्री बिस्सू (सह-ऋणी) श्री शुभम सज्जल पुत्र श्री गौतम सज्जल (जमानती)	1) मांग पत्र की दिनांक- मई 23, 2024 2) मांग पत्र में अंकित राशि रु. 4,14,730/- अक्षरे रूपये चार लाख चोदह हजार सात सौ तीस मात्र दिनांक अप्रैल 25, 2024 तक एवं दिनांक अप्रैल 26, 2024 से भविष्य के ब्याज व खर्चे अतिरिक्त।	श्रीमति गौरी बिस्सू पत्नी श्री बिस्सू, की संपत्ति जो प्लाट न. 72, खसरा नं. -4053, ग्राम-देवलीगाव, तहसील-देओली, जिला- टोंक (राज.) पर स्थित है जिसमें भूमि, भवन एवं ढांचा आदि जो सभी संपत्ति के अभिन्न अंग है जिसका माप लगभग 600.00 वर्गफीट है। जिसकी चतुसीमा निम्न है- पूर्व-सुभाष मन्डल, पश्चिम- निजी प्लाट, उत्तर-रोड, दक्षिण-अन्य प्लाट
45.	HLR0000000000014687 श्री नंदा खटिक पुत्र श्री प्यारचंद खटिक (ऋणी) श्रीमती सोसी देवी पत्नी श्री नन्द खटिक (सह-ऋणी) श्री अशोल खटिक पुत्र श्री लादू लाल खटिक (जमानती)	1) मांग पत्र की दिनांक- मई 23, 2024 2) मांग पत्र में अंकित राशि रु. 4,03,020/- अक्षरे रूपये चार लाख तीन हजार एवं बीस मात्र दिनांक अप्रैल 24, 2024 तक एवं दिनांक अप्रैल 25, 2024 से भविष्य के ब्याज व खर्चे अतिरिक्त।	श्री नंदा खटिक पुत्र श्री प्यारचंद खटिक, की संपत्ति जो पट्टा न. 2471, वार्ड नं.-10, ग्राम-गोविन्दपुरा, तहसील-आसींद, जिला-भीलवाड़ा (राज.) पर स्थित है जिसमें भूमि, भवन एवं ढांचा आदि जो सभी संपत्ति के अभिन्न अंग है जिसका माप लगभग 330.00 वर्गफीट है। जिसकी चतुसीमा निम्न है- पूर्व-भागू खटिक की सम्पति, पश्चिम-आम रास्ता, उत्तर-पारस की सम्पति, दक्षिण-जगदीश की सम्पति

स्थान-उदयपुर
प्रकाशन की दिनांक- 08/08/2024

अधिकृत अधिकारी
एसआरजी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड

स्वदेश लौटी मनु भाकर, दिल्ली एयरपोर्ट पर हुआ जोरदार स्वागत, ओलिंपिक में रचा इतिहास

नई दिल्ली, 7 अगस्त। पेरिस ओलिंपिक में भारत को दो मेडल दिलाकर इतिहास रचने वाले शूटर मनु भाकर बुधवार को भारत पहुंचीं। उनके साथ कोच जसपाल राणा भी थे। नई दिल्ली के इंदिरा गांधी एयरपोर्ट पर उनका जोरदार स्वागत हुआ। बड़ी संख्या में फैंस ओलिंपिक पदक विजेता का स्वागत करने के लिए उमड़े। मनु भाकर ने पेरिस में दो मेडल झटकर निशानेबाजी में 12 साल के सूखे को खत्म किया। उन्होंने पेरिस खेलोंमें भारत का खाता खोला। बता दें कि, मनु ने 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा और फिर 10 मीटर मिक्स्ड टीम एयर पिस्टल इवेंट में सरबजोत सिंह के साथ मिलकर कांस्या पदक जीता। हालांकि, वह 25 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा पदक जीतने से चूक गईं। इस दौरान वह चौथे स्थान पर रहीं। इसके साथ ही उनका ओलिंपिक अभियान रिकॉर्ड दो पदकों के साथ खत्म हुआ। वहीं स्वदेश पहुंचने से पहले ही मनु भाकर ने कहा था कि, वो भव्य स्वागत की उम्मीद कर रही हैं। बुधवार को उन्हें निराशा नहीं मिली, और एयरपोर्ट से बाहर निकलने के बाद युवा खिलाड़ी का स्वागत गुलदस्ते, माला और ढोल के साथ हुआ।

भारत में हो सकता है महिला ट्वंटी-20 वर्ल्ड कप

आईसीसी जल्द कर सकता है फैसला

नई दिल्ली, 7 अगस्त। विमेंस टी20 वर्ल्ड कप 2024 का आयोजन बांग्लादेश में होना था, लेकिन बांग्लादेश में हुए हालिया घटनाक्रमों ने आईसीसी को असमंजस में डाल दिया है। देश में आंतरिक अशांति ने अक्टूबर में होने वाले वैश्विक आयोजन की सुरक्षा को लेकर आईसीसी मुख्यालय दुबई में चिंता बढ़ा दी है।

वहीं क्रिकबज की रिपोर्ट के अनुसार अगर बांग्लादेश टूर्नामेंट की मेजबानी ले ली जाती है तो इसमें कुछ भी हैरान करने वाला नहीं होगा। देश में लंबे समय से कर्फ्यू है, इंटरनेट बंद होने के साथ-साथ दंगे, आगजनी और हिंसा हो रही है। आईसीसी एक सप्ताह में फैसला ले सकता है। अन्य विकल्पों में भारत एक मजबूत दावेदार है।

शेख हसीना के प्रधानमंत्री पद छोड़ने और देश छोड़ने के बाद आईसीसी के प्रवक्ता ने कहा कि, बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड उनकी सुरक्षा एजेंसियों और अपने स्वतंत्र सुरक्षा सलाहकारों के साथ समन्वय में आईसीसी घटनाक्रमों पर बारीकी से नजर रख रहा है। हमारी प्राथमिकता सभी प्रतिभागियों की सुरक्षा और भलाई है। साथ ही दस टीमों को 3 से 20 अक्टूबर तक बांग्लादेश के ढाका में शेरे बांग्ला नेशनल क्रिकेट स्टेडियम और सिलहट में सिलहट इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में 18 दिनों में 23 मैच खेलने हैं।

दीक्षा डागर पहले राउंड में अदिति अशोक से आगे

पेरिस, 7 अगस्त। भारतीय गोल्फर दीक्षा डागर ने बुधवार को पेरिस ओलिंपिक में महिला गोल्फ प्रतियोगिता के पहले दौर में दिन को 1-अंडर 71 के साथ समाप्त किया। अपना दूसरा ओलिंपिक खेल खेल रहीं पूर्व डेफालंपिक्स चैंपियन ने दिन का अंत 71 के कुल स्कोर के साथ किया, जो अदिति अशोक के पहले स्कोर से एक बेहतर है। डागर ने आज ले गोल्फ नेशनल में दो बर्डी और दो बोगी लगाईं। भारतीय गोल्फरों के लिए पहले दौर की स्थिति की पुष्टि दिन में बाद में की जाएगी जब सभी खिलाड़ी 18-होल का कोर्स पूरा कर लेंगे। इससे पहले अदिति अशोक ने महिलाओं के गोल्फ टूर्नामेंट के पहले राउंड में बराबर का स्कोर किया है। ले गोल्फ नेशनल में 18-होल कोर्स के लिए बराबर स्कोर 72 है, जिसे अदिति अशोक ने आज पूरा किया। अगले तीन दिनों में तीन और राउंड खेले जाएंगे। चार राउंड के आखिर में शीर्ष तीन गोल्फर पेरिस 2024 के पोडियम पर पहुंचेंगे।

प्रदेश में हरियाली तीज के दिन एक करोड़ से अधिक वृक्षारोपण

75वें राज्य स्तरीय वन महोत्सव में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा, ''पर्यावरण संरक्षण में भागीदार बन हरियालो राजस्थान का निर्माण करे''

- मुख्यमंत्री ने कहा, आगामी 5 वर्षों में राजस्थान में 50 करोड़ वृक्ष लगाए जाएंगे।
- वन महोत्सव में मुख्यमंत्री ने अमृता देवी विश्नोई स्मृति पुरस्कार वितरित किए।

जयपुर, 7 अगस्त (का.सं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण भारतीय संस्कृति का महत्वपूर्ण हिस्सा रहा है। हम ईश्वर का वास मानकर वृक्षों, नदियों और पहाड़ों को पूजते हैं। राज्य सरकार द्वारा भी इसी सोच के साथ आज हरियाली तीज के अवसर पर एक ही दिन में प्रदेशभर में 1 करोड़ से अधिक पेड़ लगाए जाएंगे। इन पौधों के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए पौधों की जियो टैगिंग भी की जाएगी। हम सभी को इस पहल में सक्रिय भागीदारी निभानी चाहिए, ताकि ''हरियालो राजस्थान'' का निर्माण हो सके।

शर्मा बुधवार को हरियाली तीज के अवसर पर दूदू के गाडोता में आयोजित 75वें राज्य स्तरीय वन महोत्सव में उपस्थित जनसमूह को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राजस्थान वह धरा है, जहां मां अमृता देवी सहित, 363 लोगों ने पर्यावरण संरक्षण के लिए अपने जीवन का बलिदान किया था।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पर्यावरण दिवस पर ''एक पेड़ मां के नाम'' अभियान शुरू किया, जो अब जनअभियान बन गया है। उन्होंने आमजन से ''एक पेड़ मां के नाम'' लगाने का संकल्प लेने की अपील की। शर्मा ने कहा कि मोदी की पर्यावरण संरक्षण की प्रेरणा से राज्य सरकार ने इस वर्ष ''मुख्यमंत्री वृक्षारोपण महाअभियान'' प्रारम्भ कर 7 करोड़ पौधे लगाने का संकल्प लिया है। इस अभियान के तहत आगामी 5 वर्षों में 50 करोड़ पौधे लगाए जाएंगे तथा पौधों को पेड़ बनाने के लिए पौधों की सुरक्षा एवं देखभाल भी सुनिश्चित की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि, आमजन की सहभागिता से स्मृति वन की तर्ज पर प्रत्येक जिले में ''मातृ वन'' की स्थापना की जायेगी, जिनमें विभिन्न प्रजातियों, जैसे बड़, पीपल, गूलर, पिलखन, नेती पीपल, माखन कटोरी इत्यादि पौधे लगाये जाएंगे। वृक्ष प्रेमियों को ''राज जिओ ट्री एप'' के माध्यम से 51 लाख प्रशस्ति पत्र वितरित किये जाएंगे। पौधों की देखरेख के लिए 2 हजार 'वन मित्र' लगाए जा रहे हैं, जिसके तहत इच्छुक सेवानिवृत्त कर्मचारी को संरक्षक के रूप में जिम्मेदारी दी जायेगी।

उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए हम सभी को जागरूकता से काम करना होगा, जिससे आने वाली पीढ़ी को हम एक स्वच्छ एवं सुरक्षित धरोहर दे सकें।

प्रदेश में हरियाली तीज के मौके पर बुधवार को एक करोड़ से अधिक वृक्ष लगाए गए। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भी दूदू के गाडोता गाँव में वृक्षारोपण किया। यहाँ 75 वें राज्य स्तरीय वन महोत्सव में उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुये उन्होंने कहा कि आगामी 5 वर्षों में प्रदेश में 50 करोड़ पेड़ लगाये जायेंगे।

संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने वृक्षारोपण की अनुपम पहल के तहत अधिक से अधिक पेड़ लगाने का आव्हान किया। वन राज्य मंत्री संजय शर्मा ने कहा कि राज्य में पर्यावरण संरक्षण के लिए नित नए नवाचार किए जा रहे हैं, आने वाले दिनों में देश में सबसे ज्यादा पौधे राजस्थान में लगाए जाएंगे।

अतिरिक्त मुख्य सचिव, ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज अभय कुमार ने बताया कि मिशन हरियालो राजस्थान की थीम के तहत हरियाली तीज के अवसर पर दो करोड़ से अधिक पौधे राजस्थान में लगाए गये हैं।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने विधिपूर्वक मंत्रोच्चार के साथ पीपल का पौधा लगाकर हरियालो राजस्थान अभियान का शुभारंभ किया। उन्होंने पेड़ को मोबाइल एप्लीकेशन के माध्यम से जियो टैग भी किया तथा ड्रोन के माध्यम से बीजारोपण करने की तकनीक का निरीक्षण किया एवं स्वयं ड्रोन उड़ाकर परिसर में बीजारोपण भी किया। मुख्यमंत्री ने ''बड्र्स ऑफ जयपुर'', ''खेजड़ी'' और ''मुख्यमंत्री वृक्षारोपण महा अभियान-2024'' पुस्तकों का विमोचन भी किया।

मुख्यमंत्री ने महोत्सव में अमृता देवी विश्नोई स्मृति पुरस्कार के तहत वन विकास एवं वन्य जीव संरक्षण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए विभिन्न श्रेणियों में पुरस्कार दिए।

कार्यक्रम में देवनारायण बोर्ड के अध्यक्ष ओम प्रकाश भड़ाना, जिला प्रमुख रमा देवी, जयपुर ग्रेटर महापौर सौम्या गुर्जर, मुख्य सचिव सुधांश पंत, पुलिस महानिदेशक यू. आर. साहू, अतिरिक्त मुख्य सचिव जल संसाधन अभय कुमार सहित अनेक वरिष्ठ जन उपस्थित थे।

एक दशक में बांग्लादेश...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

एक निम्नतम गरीब देश से क्षेत्र की सबसे तेज बढ़ती अर्थव्यस्था में तब्दील हो गया और इतना ही नहीं, उसने आर्थिक प्रगति के मामले में अपने पड़ोसी भारत को भी पीछे छोड़ दिया।

देश की प्रति व्यक्ति आय एक दशक में तीन गुना बढ़ गई और विश्व बैंक का अनुमान है कि गत 20 वर्ष में बांग्लादेश के 25 मिलियन लोग गरीबी की सीमा रेखा से ऊपर उठ गए। हसीना की सरकार ने गंगा नदी के आर-पार 2.9 अरब डॉलर के पद्म ब्रिज प्रोजेक्ट जैसे महत्वाकांक्षी इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट हाथ में लिए। इनके लिए घरेलू फण्ड, लोन और विकास सहायता का इस्तेमाल किया गया।

लेकिन इन आर्थिक लाभों की महंगी कीमत चुकानी पड़ी। वर्ष 2014, 2018 और 2024 के संसदीय चुनावों पर विपक्षी पार्टियों के बहिष्कार, हिंसा और कम मतदान का साया रहा। जनता को नियंत्रित रखने के लिए हसीना की सरकार लगातार निरंकुश होती चली गई, जिससे लोगों में भय व्याप्त हो गया। वर्ष 2018 में लागू किया गया ''डिजिटल सिक्योरिटी एक्ट'' सरकार और सत्तारूढ़ पार्टी के लिए अपने आलोचकों को, खासतौर पर ऑनलाइन विरोध को, चुप कराने और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का गला घोंटने का एक सक्षम हथियार बन गया।

सत्ता के केन्द्र पर जैसे-जैसे हसीना की पकड़ मजबूत होती गई, वैसे-वैसे प्रैस की स्वतंत्रता को परेशान होना पड़ा और नागरिक अधिकार सुनियोचित ढंग से दबा दिए गए।

अर्थव्यवस्था में जहां प्रगति हुई, वहीं अमीर-गरीब के बीच विभाजन की खाई भी बढ़ती गई। बैंक घोटालों की संख्या के साथ-साथ, बैंक लोन की किस्तें न चुकाने वाले लोगों की भी तादाद बढ़ गई। सी.एल..सी. पावर, वैस्टर्न मरीन शिपयार्ड और रिमैक्स फुटवियर जैसी कम्पनियां डिफाल्टर्स की सूची में शीर्ष पर थीं। डूबत ऋणों की मात्रा 965 से लेकर 1,649 करोड़ बांग्लादेशी मुद्रा तक पहुंच गई। समग्र आर्थिक प्रगति के बावजूद निरंकुश भ्रष्टाचार और बढ़ती आर्थिक असमानता के कारण जनता का असंतोष बढ़ गया।

बांग्लादेश की कुल आबादी 170 मिलियन है और यहां के करीब 18 मिलियन युवा बेरोज़गार हैं। बांग्लादेश दुनिया की सबसे तेज बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। यह देश करीब 40 बिलियन डॉलर मूल्य के कपड़ों का निर्यात ग्लोबल मार्केट में करता है। यहां के रिटेल सैक्टर में महिलाओं सहित 4 मिलियन लोगों को रोजगार मिला है। लेकिन यह आर्थिक विकास देश के युवाओं को रोजगार देने में विफल रहा।

हसीना की आर्थिक उपलब्धियां जहां प्रशंसनीय हैं, वहीं उनका कठोर शासन और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति उपेक्षा उनके पतन का कारण बने। बांग्लादेश जैसे-जैसे आगे बढ़ रहा है, वह अपने लोकांत्रिक संस्थानों के प्रति विश्वास बहाली एवं हाल ही वर्षों में उभरी असमानता के समाधान की चुनौतियों से भी जूझ रहा है।

बांग्लादेश का घटनाक्रम आर्थिक प्रगति और लोकतांत्रिक सुशासन के संतुलन के साथ ही पारदर्शिता और उत्तरदायित्व के महत्व को रेखांकित करता है क्योंकि इनके बिना बहुतों की कीमत पर कुछ लोग लाभान्वित होते हैं।

हसीना अपने पूर्ववर्तियों, जैसे कि अलोकपिग्र रहे सेना प्रमुख एच.एम. इरशाद के विपरीत देश छोड़कर चली गईं। इरशाद जेल में रहे किन्तु देश छोड़कर नहीं भागे। हसीना अब पाकिस्तान के उन शासकों की जमात में शामिल हो गई हैं, जिन्होंने अपने पक्ष में लड़ने के बजाए सुरक्षित देशों में शरण लेना बेहतर समझा।

क्या हसीना का कथानक बांग्लादेश के किसी अन्य पड़ोसी देश से मिलता-जुलता प्रतीत होता हैं?

भारत के लिए अजनबी नहीं हैं ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कि रिपोर्ट बताती हैं, उनके पास 15 सलाहकारों की एक पूरी टीम होगी। यह टीम सम्भवत: सैन्य प्रमुख के प्रति जवाबदेह होगी, जिनके मार्गदर्शन के अन्तर्गत, अन्तरिम सरकार बनाई जा रही है। इस प्रकार, ऐसा प्रतीत हो रहा है कि वास्तविक सत्ता तो सेना के पास होगी तथा सलाहकारों की टीम सैन्य-शासन के निर्धारित ढ़ाँचे के अन्दर काम करेगी। अन्तरिम सरकार शीघ्र ही होने वाले अगले चुनावों का संचालन तथा निगरानी करेगी।

अन्तरिम सरकार की व्यवस्था यूनुस के अधीन रखे जाने का निर्णय, सैन्य प्रमुख, बाँग्लादेश के राष्ट्रपति तथा छात्रनेताओं की एक संयुक्त मीटिंग में लिया गया था। अन्तरिम सरकार के प्रमुख के रूप में मोहम्मद यूनुस के नाम का प्रस्ताव छात्र नेताओं ने रखा था। इसके बदले में, मोहम्मद यूनुस ने कहा है कि आन्दोलनकारी छात्रों ने निरंकुश सरकार को अपदस्थ करने के लिये भारी कुर्बानियां दी हैं। अन्तरिम सरकार के प्रमुख के पद को स्वीकार करके, यूनुस के आन्दोलनकारी छात्रों की इच्छाओं के प्रति केवल सम्मान प्रकट कर रहे थे। अन्तरिम सरकार के समक्ष प्रमुख चुनौतियाँ होंगी - देश में शान्ति की बहाली, तथा हसीना के देश छोड़ कर चले जाने के बाद हो रही भयंकर हिंसा, जिसमें पिछले दो दिनों में कम से कम 500 लोग मारे गये हैं।

देश में तालिबानी हिंसा और अव्यवस्था की तस्वीरें दिखाई दीं। राजधानी में लोग मार दिये गये और उसके बाद, उनकी लाशें फ्लाई-ओवरों तथा पुलों से उल्टी लटका दी गई थीं।

'कोशिश मैडल जीतने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

प्रदर्शन करके अपना कैरियर व आत्मसम्मान पुन: स्थापित करने के लिए एक जंग लड़ी। फोगाट के डिस्क्वालिफिकेशन के बाद, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान तुरंत हरियाणा में उनके परिवार से मिलने गए।

इस साल हरियाणा के विधानसभा चुनाव होने वाले हैं और कांग्रेस इसे एक बड़ा चुनावी मुद्दा बनाने की पूरी तैयारी में है, जबकि हरियाणा में भाजपा की स्थिति पहले ही कमज़ोर है। एक वरिष्ठ भाजपा नेता ने कहा कि इससे चुनाव में भाजपा को और नुकसान होगा।

सरकार ने अन्तर्राष्ट्रीय ओलंपिक संघ से फोगाट के संबंध में लिए गए निर्णय का रिव्यू करने की मांग की है। तथापि, प्रश्न यह पूछा जा रहा है कि क्या यह प्रयास किया गया कि फोगाट को मैडल मिले, या यह सुनिश्चित करने का प्रयास हुआ कि फोगाट को मैडल न मिले?

अमरावती से झाड़-झंखाड़ ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बुधवार को राज्यमंत्रियों ने बुलडोजर पर चढ़कर अमरावती जंगल सफाई प्रोजैक्ट का उद्घाटन किया है। समतल जमीन पर राज्य सचिवालय और विधानसभा का निर्माण होगा अब यह प्रोजैक्ट युद्ध स्तर पर चलेगा। जंगल सफाई अभियान एक माह में पूरा हो जाएगा। यह डैडलाइन खुद नायडू ने सैट की है। नायडू अमरावती को सर्वश्रेष्ठ एवं आधुनिक राजधानी बनाना चाहते हैं। अमरावती उनका ड्रीम प्रोजैक्ट था पर जगनमोहन रेड्डी ऐसा नहीं सोचते थे। उन्होंने पूरे 5 साल जनता व कोर्ट को यह समझाया कि तीन राजधानियां होनी चाहिए जो कि एक नयी सोच थी।

कोर्ट ने भी इस प्रस्ताव को ठुकरा दिया और जब नायडू चुनाव जीतकर मुख्यमंत्री बने तो उन्होंने प्रोजैक्ट अमरावती फिर से शुरु कर दिया और इसके लिए भाजपा को केन्द्र में सरकार बनाने के लिए समर्थन देने के बदले केन्द्र सरकार से अनुदान हासिल कर लिया। उन्होंने अपनी सरकार में भी भाजपा को शामिल किया है।

एन.सी.ई.आर.टी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

होनी चाहिए।

सदन के नेता ने यहाँ तक कहा कि मोदी सरकार की संविधान के प्रति वचनबद्धता किसी भी संदेह से परे है। उन्होंने कहा प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में, सरकार ने 'संविधान दिवस' मनाने का निर्णय लिया था। नड्डा ने कहा, ''संविधान पर हमला तो कांग्रेस सरकार ने जून 1975 में किया था। केन्द्र की कांग्रेस सरकार ने 90 से अधिक निर्वाचित राज्य सरकारें गिरायी थीं।''

केन्द्रीय शिक्षामन्त्री धर्मेन्द्र प्रधान भी इस बहस में शामिल हो गये तथा उन्होंने खड़गे के आरोपों को ''निराधार''बताया।

राष्ट्रदूत हिन्दु संयुक्त परिवार की ओर से सोमेश शर्मा द्वारा ज्वाईन्ट मीडिया, आजाद मार्ग, मैन रोड, आयड, उदयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 57928/93 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513 कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371 अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908